बालाघाट
बुधवार 25 मार्च 2026
चैत्र शुक्ल 07 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 179
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

सेंसेक्स - 74,068.45
निफ्टी - 22,912.40
सोना - 1,42,910
चांदी - 2,35,000
डॉलर - 93.98

खास खबर

पहली बार इच्छामृत्यु पाने वाले हरीश राणा की मौत

गाजियाबाद। हरीश राणा ने मंगलवार को दिल्ली एम्स में अंतिम सांस ली। 31 साल के हरीश 13 साल से कोमा में थे। सुप्रीम कोर्ट ने 11 मार्च को इच्छामृत्यु की इजाजत दी थी। ये देश का पहला मामला है, जिसमें किसी को इच्छामृत्यु दी गई है। 14 मार्च को हरीश को दिल्ली एम्स में शिफ्ट किया गया था। एम्स प्रशासन ने 16 मार्च को हरीश राणा की फीडिंग ट्यूब हटा दी थी। एम्स में हरीश को पैसिव यूथेनेशिया दिया गया। इसका मतलब होता है कि किसी गंभीर रूप से बीमार मरीज को जिंदा रखने के लिए जो बाहरी लाइफ सपोर्ट या इलाज दिया जा रहा है, उसे रोक दिया जाए या हटा दिया जाए, ताकि मरीज की प्राकृतिक रूप से मौत हो सके।

दिल्ली विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। बजट पेश होने से पहले मंगलवार सुबह दिल्ली विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी मिली। विधानसभा स्पीकर विजेंद्र गुप्ता के पास यह धमकी का ईमेल आया था। इसके चलते सुबह 11 बजे शुरू होने वाली सदन की कार्रवाई रोक दी गई थी। स्निफर डॉग और बम स्क्वायड समेत जांच एजेंसियों की टीम मौके पर पहुंची। हालांकि, सर्च ऑपरेशन में कुछ संदिग्ध नहीं मिला। इसके बाद बजट सत्र की कार्रवाई आधे घंटे की देरी से शुरू हुई। दिल्ली पुलिस ने बयान जारी कर कहा कि बम डिटेक्शन टीम ने विधानसभा की गहनता से जांच की। कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। धमकी भरे ईमेल पर डिप्टी स्पीकर मोहन सिंह बिष्ट ने कहा- इस तरह की धमकियां सिरफिरे लोग ही दे सकते हैं, जो सरकार को काम नहीं करने देना चाहते हैं। हम लोग डरेंगे नहीं क्योंकि ये दिल्ली के भविष्य की बात है। उन्होंने आगे कहा- हालांकि हमें इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए क्योंकि यह विधानसभा का सवाल है। पिछली बार भी इसी तरह की धमकियां दी थी। हम बिल्कुल भी डरने और घबराने वाले नहीं है। विधानसभा का सत्र चलता रहेगा।

अलगाववादी नेता आसिया अंद्राबी को उम्रकैद

नई दिल्ली। दिल्ली के एक कोर्ट ने कश्मीरी अलगाववादी नेता आसिया अंद्राबी को गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है। कोर्ट ने उन्हें आतंकवाद और देशविरोधी गतिविधियों से जुड़े मामले में दोषी पाया। यह मामला यूएपीए के तहत दर्ज किया गया था और लंबे समय से इसकी सुनवाई चल रही थी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, आसिया अंद्राबी पर अलगाववादी गतिविधियों को बढ़ावा देने और आतंकी संगठनों से संबंध रखने के आरोप थे।

कुछ ना कहना

मिडिल ईस्ट संकट पर राज्यसभा में बोले पीएम मोदी

इस जंग के गंभीर दुष्परिणाम होंगे...संवाद ही समाधान

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य सभा में वेस्ट एशिया की स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में जारी संघर्ष भारत के लिए भी चिंता का विषय है। अगर यह जंग जारी रही, तो इसके गंभीर दुष्परिणाम होंगे। पीएम ने शिप बिल्डिंग से लेकर रेयर अर्थ मिनरल्स तक, आत्मनिर्भरता के प्रयास गिनाए और कहा इस संकट ने दुनिया को झकझोर दिया है। इससे निकवर करने में भी दुनिया को काफी समय लगेगा। प्रधानमंत्री ने बताया कि वेस्ट एशिया में युद्ध शुरू हुए तीन सप्ताह से अधिक हो चुके हैं। ईरान, इजराइल और अमेरिका के बीच लगातार हमलों ने पूरे क्षेत्र को अस्थिर बना दिया है। उन्होंने कहा कि इस संघर्ष के कारण वैश्विक स्तर पर ऊर्जा संकट गहराता जा रहा है।

भारत के व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति पर असर

पीएम मोदी ने स्पष्ट किया कि इस युद्ध का असर भारत पर भी पड़ा है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार मार्ग प्रभावित हुए हैं, जिससे पेट्रोल, डीज़ल, गैस और उर्वरक की नियमित आपूर्ति में बाधा आई है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति भारत के लिए चिंताजनक है और सरकार लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत हमेशा शांति और संवाद का समर्थक रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि युद्ध किसी के हित में नहीं होता और इससे मानवता को नुकसान पहुंचता है। भारत का लगातार प्रयास है कि सभी पक्ष बातचीत के जरिए इस संकट का शांतिपूर्ण समाधान निकालें।

आत्मनिर्भर भारत मिशन पर जोर

पीएम मोदी ने एक गंभीर चुनौती की ओर इशारा करते हुए बताया कि भारत का 90 प्रतिशत से अधिक व्यापार विदेशी जहाजों के जरिए होता है। वैश्विक संकट के वक्त ये स्थिति भारत को असुरक्षित बनाती है। इसे बदलने के लिए सरकार ने 70,000 करोड़ रुपये का एक महत्वाकांक्षी अभियान शुरू किया है, जिसके तहत स्वदेशी जहाजों का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत को ही वैश्विक संकटों से बचने का एकमात्र विकल्प बताया है।

राज्य सरकारों को दिए टास्क

प्रधानमंत्री ने वर्तमान परिस्थितियों का फायदा उठाने वाले काला बाजारियों और जमाखोरों के खिलाफ सख्त रुख अपनाने का निर्देश दिया है। उन्होंने राज्य सरकारों को दो प्रमुख कार्य सौंपे हैं- पहला, आवश्यक वस्तुओं की निरंतर निगरानी करना और दूसरा, जहां भी जमाखोरी की शिकायत मिले, वहां तुरंत कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि संकट के समय आम जनता को महंगाई से बचाना शासन की प्राथमिकता होनी चाहिए.पश्चिम एशिया में हुए भारी नुकसान की भरपाई में दुनिया को लंबा वक्त लगने की बात कहते हुए पीएम ने भारतीय अर्थव्यवस्था पर भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि हमारे आर्थिक आधार बहुत मजबूत हैं और युद्ध के अल्पकालिक व दीर्घकालिक प्रभावों से निपटने के लिए एक इंटर-मिनिस्ट्रियल ग्रुप बनाया गया है। सरकार एलपीजी के साथ-साथ पीएनजी के इस्तेमाल को भी बढ़ावा दे रही है, ताकि घरेलू गैस की आपूर्ति सुचारू रहे।

अब तक 3.75 लाख से अधिक भारतीय वापस लाए

विदेशों में फंसे भारतीयों को लेकर प्रधानमंत्री ने बताया कि अब तक 3.75 लाख से अधिक लोग वापस लाए जा चुके हैं। ईरान से भी हजार से अधिक भारतीय लौटे हैं, जिनमें बड़ी संख्या में छात्र शामिल हैं। कुछ हमलों में भारतीयों की मृत्यु पर उन्होंने दुख जताया और प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता का भरोसा दिया।

सर्वदलीय बैठक बुधवार शाम

इस बीच, सरकार ने इस मुद्दे पर व्यापक चर्चा के लिए बुधवार शाम 5 बजे सर्वदलीय बैठक भी बुलाई है। विपक्ष लगातार पश्चिम एशिया संकट और उसके भारत पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर सरकार से जवाब मांग रहा है।

राहुल गांधी ने सरकार की विदेश नीति पर उठाए सवाल, कहा

भारत की विदेश नीति जगहंसाई का विषय बनी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बीते 25 दिनों से जारी संघर्ष के चलते अब भारत की राजनीति में सियासी गर्माहट बढ़ गई है। जहां एक तरफ सोमवार को लोकसभा के बाद आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा में भी पश्चिम एशिया संघर्ष पर भारत सरकार का रुख साफ किया। वहीं दूसरी ओर संसद परिसर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर उनकी विदेश नीति को लेकर जमकर निशाना साधा। राहुल गांधी ने कहा कि हमारी विदेश नीति पीएम नरेंद्र मोदी की व्यक्तिगत विदेश नीति है। आज इसके परिणाम देख सकते हैं। यह यूनिवर्सल जोक है। डोनाल्ड ट्रंप यह अच्छी तरह जानते हैं कि पीएम नरेंद्र मोदी क्या कर सकते हैं और क्या नहीं कर सकते। इसलिए अगर पीएम की स्थिति कमजोर होती है, तो हमारी विदेश नीति भी कमजोर हो जाती है। यह सब को दिखाई दे रहा है।

पत्रकारों से बातचीत के दौरान राहुल गांधी ने कहा कि भारत की विदेश नीति अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की निजी विदेश नीति बन गई है। इस बात का असर हम देख पा रहे हैं कि ये एक मजाक बनकर रह गया है। पूरी दुनिया इसे मजाक मानती है। राहुल गांधी ने एक बार फिर पीएम मोदी पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नियंत्रण में होने का आरोप लगाया।

पीएम मोदी पूरी तरह से ट्रंप के नियंत्रण में

राहुल गांधी ने कहा कि पीएम मोदी पूरी तरह से ट्रंप के नियंत्रण में हैं। ट्रंप को पूरा पता है कि पीएम मोदी क्या करने वाले हैं और क्या नहीं। राहुल गांधी ने आगे चेतावनी देते हुए कहा कि अगर प्रधानमंत्री की स्थिति कमजोर हुई, तो देश की विदेश नीति भी कमजोर हो जाएगी। उन्होंने निशाना साधते हुए कहा कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौता कर लिया, कल संसद में बेतुका भाषण दे दिया। इससे भारत के प्रधानमंत्री के रूप में कोई ठोस रुख नहीं दिखाई दिया।

सुप्रीम कोर्ट का एससी-एसटी एक्ट पर ऐतिहासिक फैसला, आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट के फैसले को ठहराया सही, कहा

धर्म परिवर्तन करने पर नहीं मिलेंगे आरक्षण और कानूनी लाभ

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एससी-एसटी एक्ट से जुड़े एक अहम मामले में बड़ा फैसला सुनाया। अदालत ने स्पष्ट किया कि यदि कोई व्यक्ति हिंदू, सिख या बौद्ध धर्म के अलावा किसी अन्य धर्म को अपनाता है, तो उसे अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं माना जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट के पहले के फैसले को भी सही ठहराया। हाई कोर्ट ने कहा था कि जो लोग ईसाई धर्म अपनाते हैं और उसका सक्रिय रूप से पालन करते हैं, वे अनुसूचित जाति का दर्जा बनाए नहीं रख सकते। सुप्रीम कोर्ट ने इस निर्णय को बरकरार रखते हुए स्पष्ट कर दिया कि इस मामले में कानून पूरी तरह स्पष्ट है।

जस्टिस पीके मिश्रा और जस्टिस एनवी अंजारिया की पीठ ने कहा कि किसी अन्य धर्म में धर्मांतरण करने के साथ ही अनुसूचित जाति का दर्जा तुरंत और पूरी तरह समाप्त हो जाता है। कोर्ट ने दो टूक कहा कि यह नियम बिना किसी अपवाद के लागू होता है।

1950 के आदेश का हवाला

अदालत ने अपने फैसले में संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950 का उल्लेख किया। कोर्ट ने कहा कि इस आदेश के क्लॉज 3 में स्पष्ट रूप से बताया गया है कि केवल निर्धारित धर्मों के अंतर्गत आने वाले लोग ही अनुसूचित जाति का लाभ ले सकते हैं। यदि कोई व्यक्ति इन धर्मों के अलावा किसी अन्य धर्म को अपनाता है, तो उसका एससी दर्जा स्वतः समाप्त हो जाएगा।

कानूनी लाभ और आरक्षण पर रोक

न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि जो व्यक्ति अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं माना जाएगा, वह किसी भी कानून के तहत मिलने वाले वैधानिक लाभ, सुरक्षा, आरक्षण या अधिकार का दावा नहीं कर सकता। अदालत ने कहा कि कोई व्यक्ति एक साथ किसी अन्य धर्म को पालन करते हुए अनुसूचित जाति का दर्जा नहीं रख सकता।

कपिल सिब्बल को फटकराते हुए सुप्रीम कोर्ट...

केवल ईडी,ईडी,ईडी की रट मत लगाइये

सिब्बल से पूछा...क्या किसी सरकारी अधिकारी के मौलिक अधिकार नहीं होते

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को अहम सुनवाई करते हुए, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बीच चल रहे विवाद में महत्वपूर्ण सवाल उठाकर पूछा है कि क्या किसी सरकारी अधिकारी के मौलिक अधिकार नहीं होते हैं या केवल सरकारी अधिकारी होने के कारण वे अपने मौलिक अधिकार खो देते हैं? जस्टिस पी.के.मिश्रा और जस्टिस एन.वी.अंजारिया की पीठ ने कहा कि ईडी के कुछ अधिकारियों ने मामले में व्यक्तिगत रूप से याचिका दायर की है। इसके बाद यह तर्क देना कि प्रवर्तन निदेशालय अनुच्छेद 32 के तहत याचिका नहीं दायर कर सकती। यह याचिका ममता बनर्जी पर राजनीतिक कंसल्टेंसी फर्म आई-पैक के खिलाफ की गई तलाशी अभियानों में कथित हस्तक्षेप के आरोप में दायर की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने दो टूक कहा, 'क्या ईडी के अधिकारी हो जाने की वजह से देश के नागरिक नहीं रह जाते? उनके मौलिक अधिकारों का क्या?' पीठ ने कहा कि ईडी के कुछ अधिकारियों ने अपनी व्यक्तिगत क्षमता में अदालत में याचिका दायर की है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने चेताया कि केवल ईडी,ईडी,ईडी कहकर मामले को नहीं देखा जा सकता, बल्कि उन अधिकारियों के अधिकारों पर ध्यान देना जरूरी है जो इस पूरे घटनाक्रम में कथित रूप से प्रभावित हुए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, जस्टिस मिश्रा ने सुनवाई के दौरान टिप्पणी कर कहा, कृपया ईडी के उन अधिकारियों के मौलिक अधिकारों पर ध्यान केंद्रित करें, जिनके संबंध में अपराध किया गया है। अन्यथा, आप मुख्य मुद्दे से भटक जाएंगे। आप उस दूसरी याचिका को नहीं भूल सकते, जिस याचिका को उन व्यक्तिगत अधिकारियों ने दायर किया है, जो इस अपराध के पीड़ित हैं। मैं आपको बता रहा हूं, आप मुश्किल में पड़ जाएंगे। सिर्फ ईडी, ईडी, ईडी की रट न लगाएं।

वहीं पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने दलील दी कि जांच करना कोई मौलिक अधिकार नहीं, बल्कि एक वैधानिक अधिकार है। उन्होंने कहा कि अगर जांच में बाधा आती है, तब उसका समाधान कानून के तहत है, न कि अनुच्छेद 32 के जरिए होना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हम किसी कानून की व्याख्या किसी विशेष परिस्थिति के संदर्भ में करके, आपराधिक कानून की मूल विशेषताओं के विपरीत जाकर मुसीबतों का नहीं खोल सकते।

शॉर्ट सर्विस मामले में सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

अब भारतीय सेना की महिला अफसरों को परमानेंट कमीशन

नई दिल्ली। भारतीय सेना में शॉर्ट सर्विस कमीशन के तहत सेवा देने वाली महिला अधिकारियों के लिए सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने सेना में महिलाओं के खिलाफ होने वाले प्रणालीगत भेदभाव को स्वीकार करते हुए अपनी विशेष संवैधानिक शक्तियों (अनुच्छेद 142) का इस्तेमाल किया। कोर्ट ने उन महिलाओं के पक्ष में फैसला दिया जिन्हें स्थायी कमीशन से वंचित रखा गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है कि जिन महिला अधिकारियों ने अपनी सेवामुक्ति को अदालत में चुनौती दी थी, उन्हें पेंशन के उद्देश्य से 20 साल की सेवा पूरी करने वाला माना जाएगा। इसका अर्थ यह है कि वे अब पेंशन की हकदार होंगी। हालांकि, कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि उन्हें पिछले समय का बकाया वेतन नहीं दिया जाएगा।

सेना में पुरुषों के एकाधिकार नहीं हो सकता

अदालत ने टिप्पणी करते हुए कहा कि सेना में केवल पुरुषों का एकाधिकार नहीं हो सकता। जस्टिस ने साफ किया कि पुरुष अधिकारी यह उम्मीद नहीं कर सकते कि भविष्य के सभी खाली पद केवल उनके लिए ही होंगे। कोर्ट के अनुसार, अवसरों की कमी और गलत तरीके से अनफिट ठहराए जाने के कारण महिला अधिकारियों की योग्यता और उनके करियर की प्रगति पर बुरा असर पड़ा है। यह फैसला उन महिला अधिकारियों के लिए एक बार का उपाय के रूप में आया है जो कानूनी लड़ाई के दौरान सेवा से मुक्त हो गई थीं। ध्यान देने वाली बात यह है कि यह आदेश जेएजी (जज एडवोकेट जनरल) और एईसी (आर्मी एजुकेशन कोर) कैडर की महिला अधिकारियों पर लागू नहीं होगा। साथ ही, कोर्ट ने भविष्य में निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए चयन के तरीकों और कट-ऑफ नियमों की समीक्षा करने का भी निर्देश दिया है।

राजद प्रमुख लालू यादव को हाईकोर्ट से लगा झटका

सीबीआई की एफआईआर रद्द करने की याचिका खारिज

नई दिल्ली। नौकरी के बदले जमीन घोटाला मामले में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रमुख लालू प्रसाद यादव को दिल्ली उच्च न्यायालय से बड़ा झटका लगा है। अदालत ने सीबीआई की एफआईआर और आरोपपत्र को रद्द करने की लालू प्रसाद यादव की याचिका को खारिज कर दिया है।

यह नौकरी के बदले जमीन घोटाला पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर (मध्य प्रदेश) स्थित जोन में ग्रुप डी की नियुक्तियों से संबंधित है। यह नियुक्तियां लालू प्रसाद के रेल मंत्री के कार्यकाल (2004-2009) के दौरान हुई थीं। इन नियुक्तियों के बदले में, कथित तौर पर जमीन के पार्सल लालू प्रसाद के परिवार या सहयोगियों के नाम पर उपहार के तौर पर या हस्तांतरित किए गए थे।

राबड़ी देवी की याचिका पर हाईकोर्ट ने सीबीआई से मांगा जवाब

इससे पहले हाईकोर्ट ने सोमवार को नौकरी के बदले जमीन मामले में बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी की याचिका पर केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जवाब मांगा। न्यायमूर्ति मनोज जैन की एकल पीठ ने राबड़ी देवी की याचिका पर नोटिस जारी किया और मामले की अगली सुनवाई 1 अप्रैल को निर्धारित की है।

14.2 किलोग्राम के घरेलू एलपीजी सिलेंडरों में 10 किग्रा गैस बेचना सिर्फ अफवाह

सरकार ने गैस आपूर्ति दबाव को कम करने के लिए तेज किए कदम

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और एलपीजी आपूर्ति को लेकर चिंताओं के बीच, भारत की तेल विपणन कंपनियां खाना पकाने की गैस की अधिक संतुलित आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कम वजन वाले सिलेंडरों के वितरण पर विचार कर सकती हैं। पेट्रोलियम मंत्रालय के अधिकारियों ने उन रिपोर्टों को खारिज कर दिया है जिनमें कहा गया था कि ओएमसी 14.2 किलोग्राम के घरेलू एलपीजी सिलेंडरों में 10 किलोग्राम गैस बेचना शुरू कर सकती हैं। ऐसे दावों को अटकलबाजी बताया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रिफाइनरियों ने कहा कि इस मामले पर सरकार को एक प्रस्ताव भेजा गया है। एक सरकारी तेल निगम के अधिकारी ने कहा कि इस पर विचार किया जा रहा है, लेकिन अंतिम निर्णय सरकार का होगा। पेट्रोलियम और गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि किसी भी अटकल पर कोई टिप्पणी या स्पष्टीकरण नहीं दिया जा सकता।अफवाहों पर विश्वास न करें। यह पूरी तरह से अटकलबाजी है।

सरकार ने गैस वितरण को सुव्यवस्थित करने और आपूर्ति दबाव को कम करने के लिए कदम तेज कर दिए हैं। इसके तहत शहरों में पाइपलाइन गैस परियोजनाओं के आवेदन तेजी से निपटाने और प्रमुख क्षेत्रों को वाणिज्यिक एलपीजी की आपूर्ति बढ़ाने का निर्देश दिया है, ताकि चुनौतीपूर्ण वैश्विक भू-राजनीतिक हालात के बीच घरेलू और व्यावसायिक जरूरतों को पूरा किया जा सके।

केरल में चुनाव आयोग के संदेश के साथ बीजेपी की मुहर लगा दस्तावेज़ बांटा, मचा बवाल

तिरुअनंतपुरम। केरल के मुख्य चुनाव अधिकारी कार्यालय में एक बड़ी प्रशासनिक लापरवाही का मामला सामने आया है। चुनाव आयोग के एक आधिकारिक संदेश के साथ बीजेपी की मुहर लगा दस्तावेज़ अन्य राजनीतिक दलों को बांट दिया गया। इस घटना के बाद केरल में हड़कंप मच गया और सीईओ ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित असिस्टेंट सेक्शन ऑफिसर को सस्पेंड कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक केरल के मुख्य चुनाव अधिकारी के कार्यालय ने एक्स पर स्पष्ट किया कि यह पूरी घटना एक लिपिकीय त्रुटि का परिणाम थी।

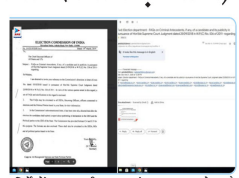

बता दें हाल ही में बीजेपी की केरल इकाई ने चुनाव आयोग से उम्मीदवारों के आपराधिक रिकॉर्ड प्रकाशित करने से जुड़े 2019 के दिशा-निर्देशों पर स्पष्टीकरण मांगा था। अनुरोध के साथ पार्टी ने 2019 के मूल निर्देशों की एक फोटोकॉपी भी संलग्न की थी, जिस पर बीजेपी की आधिकारिक मुहर लगी हुई थी। चुनाव कार्यालय के कर्मचारी बीजेपी द्वारा दी गई उसी फोटोकॉपी पर लगी मुहर को देख नहीं पाए और अनजाने में उसे ही आधिकारिक जानकारी मानकर अन्य सभी राजनीतिक दलों को वितरित कर दिया।

एक चूक के कारण दफ्तर जमा किए गए दस्तावेज पर पार्टी का निशान नहीं देख पाया और गलती से उसे मांगी गई जानकारी के हिस्से के तौर पर दूसरी राजनीतिक पार्टियों को भी बांट दिया, जिस दिशा-निर्देश की बात हो रही है, उसमें 2019 के बाद से कई बदलाव हुए हैं, जिनकी जानकारी पहले ही सभी राजनीतिक पार्टियों को दे दी गई है। इस बात पर जोर देते हुए कि मुख्य चुनाव अधिकारी के दफ्तर ने गलती का पता चलते ही उसे स्वीकार कर लिया, उन्होंने कहा कि डिप्टी मुख्य चुनाव अधिकारी ने 21 मार्च को एक औपचारिक पत्र जारी करके उस गलत दस्तावेज को वापस लेने का निर्देश दिया।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी आवेदकों की समस्या

102 आवेदकों ने दिये अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

प्रत्येक मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई की कड़ी में 24 मार्च को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर जीएस धुर्वे, डीपी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, एमआर कोल, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव ने आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनका निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में 102 आवेदक अपनी समस्या लेकर आए थे।

जनसुनवाई में बालाघाट तहसील के ग्राम बरखो निवासी शिवकुमार मावी भगवान बिरसा मुंडा स्वरोजगार योजना के तहत पशुपालन के लिए ऋण दिलाने की मांग लेकर आये थे। शिवकुमार मावी का कहना था कि वे हाईस्कूल की परीक्षा उत्तीर्ण है और आत्मनिर्भर बनने के लिए अपना स्वयं का व्यवसाय करना चाहता है। उसने बताया कि उसके पास 10 गाय व 20 बकरियाँ है परन्तु पूंजी के अभाव में वे अपना स्वयं का रोजगार नहीं कर पा रहे। शिवकुमार मावी ने कलेक्टर से मांग की है की वह अनुसूचित जनजाति वर्ग से आता है इसलिए उसे शासन की योजना के तहत 50 हजार रूपये की ऋण राशि व 05 प्रतिशत ब्याज के अनुदान कों स्वीकृत कर ले। उसकी समस्या कों सुनते हुए कलेक्टर श्री मीना ने उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवा कों आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

तिरोंगे तहसील के ग्राम नयाटोला निवासी मानसिंह परते कर्ज माफी की मांग लेकर आये थे। उनका कहना था कि उसकी भूमि पर पिछले 04 से 05 वर्षों में धान की फसल नहीं हो पा रही है। राजीव सागर बाँध का पानी लगातार बहने से धान की फसल कों बीमारी लग रही है व फसले पर्याप्त उपज नही मिल रही है। जिसके कारण वह अत्यधिक कर्जे में चला गया है। वह सेंट्रल बैंक शाखा तिरोंगे का 02 लाख का कर्ज अदा नहीं कर पा रहा है। इस पर कलेक्टर श्री मीना ने उपसंचालक कृषि एवं अग्रणी बैंक प्रबंधक को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये है।

जनसुनवाई में ग्राम मानेगांव के मछुआ समाज के ग्रामवासी मछुआ समिति से अपने ग्राम कों जोने की मांग लेकर आये थे। मछुआ समाज के लोगो का कहना था कि हम सभी मछली पालन का काम करते है लेकिन हमारे गांव में कोई भी मछुआ समिति नहीं है। उनका कहना था कि मानेगांव से 03 किलोमीटर पर सुरवाही में मछुआ समिति है व मछुआ समिति का तालाब 05 किलोमीटर दूर है। मछुआ समिति से न जुने के कारण हम सभी ग्रामवासी मछली पालन नहीं कर पा रहे है व हम सभी बेरोजगार हो गए है। बारिश के मौसम में हम सभी कों मजबूरी में नाले के पानी से मछली मारना पता है। समिति से न जुे रहने के कारण हमें शासन की सभी योजनाओं का लाभ भी नहीं मिल रहा है। उनकी समस्या कों सुनते हुए कलेक्टर श्री मीना ने उपसंचालक मत्स्योद्योग को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए है।

लालबर्रा तहसील के ग्राम सोनेवानी निवासी दीपसिंह कुमरे चौकीदार के पद पर नियुक्ति की मांग लेकर आये थे। दीपसिंह कुमरे का कहना था कि वह पा लिखा बेरोजगार है व रोजगार न होने से उसकी आर्थिक स्थिति अत्यंत दयनीय हो गयी है। उसने बताया कि उसका निवास व ग्राम वन परिक्षेत्र लालबर्रा के अंतर्गत आता है। अतः उसे वन विभाग के अंतर्गत चौकीदार की नौकरी मिल जाती है तो वह अपने घर का पालन-पोषण अच्छे से कर पाएगा। इस प्रकरण में वन विभाग के अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए है।

जनसुनवाई में बालाघाट तहसील के ढीमरटोला बूढ़ी निवासी रविशंकर खरोले सीएम स्वरोजगार योजना अंतर्गत ई-रिक्शा की सब्सिडी प्रदान करने की मांग लेकर आये थे। रविशंकर खरोले का कहना था कि उन्होंने सीएम स्वरोजगार योजना के अंतर्गत ई-रिक्शा प्राप्त किया था। उनके द्वारा ई-रिक्शा के लोन की पूरी राशि बैंक में जमा की जा चुकी है लेकिन उसकी सब्सिडी अभी तक प्राप्त नहीं हुई है। उसने बताया कि इस सम्बन्ध में 18 दिसंबर 2025 कों सीएम हेल्पलाइन में भी शिकायत की गयी थीं परन्तु अभी तक इसका कोई समाधान नहीं मिला है। इस पर कलेक्टर श्री मीना ने अग्रणी बैंक प्रबंधक कों आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए है।

लालबर्रा तहसील के ग्राम मोहगांव (ध) की प्रेमलता नगपुरे शिकायत लेकर आयी थी कि वर्ष 2024-25 में उसे मीनाक्षी तालाब स्वीकृत किया गया था। उसके खेत में तालाब का कार्य पूर्ण हो गया है और वह उसमें मंछली पालन का कार्य कर रही है। लेकिन उसे अब तक तालाब निर्माण की सामग्री का भुगतान नही किया गया है। अतः उसे सामग्री का शीघ्र भुगतान किया जाए। इस प्रकरण में जिला पंचायत के मनरेगा पीओ को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

जनसुनवाई में किरनापुर तहसील के ग्राम पल्हेरा के निवासी राहुल सिल्हारे शिकायत लेकर आये थे कि वह वर्ष 2024 में अपनी पत्नी के साथ काम की तलाश में तेलंगाना गया था, वहां पर नागपुरी अनिल पिता कुमार स्वामी द्वारा उसे मिस्त्री और आटो चलाने का कार्य दिया गया था। उसके द्वारा अपनी पत्नी के साथ 02 साल तक वहां पर काम किया गया, लेकिन नागपुरी अनिल पिता कुमार स्वामी द्वारा उसका 04 लाख 69 हजार रुपए का भुगतान नही किया गया है। अतः उसे यह राशि दिलायी जाए। इस पर कलेक्टर श्री मीना ने जिला श्रम पदाधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये है।

बालाघाट तहसील के ग्राम कोसमी निवासी दयाराम नगपुरे शिकायत लेकर आये थे कि उसके पडोसी धरम नगपुरे द्वारा उसे अपने मकान व खेत में जाने के लिए रास्ते का उपयोग नही करने दे रहा है। दयाराम ने बताया कि उसके मकान के बाजू में धरम नगपुरे की प्लाटिंग है, उसने अपने खेत में आने जाने के लिए 01 लाख 10 हजार रुपए एवं मकान में आने जाने के लिए 01 लाख 10 हजार रुपए इस प्रकार के 02 लाख 20 हजार रुपए की राशि धरम नगपुरे को दिया है, लेकिन अब धरम नगपुरे उसे अपने प्लाटिंग के रास्ते में दरवाजा खोलने से मना कर रहा है। अतः धरम नगपुरे के विरूद्ध कार्यवाही की जाए और उसकी राशि वापस दिलायी जाए। इस प्रकरण में एसडीएम बालाघाट को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

खैरलांजी तहसील के ग्राम भोरगढ़ निवासी पतिराम बाहेश्वर पुत्र की मृत्यु के बाद प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना की दावा राशि नही मिलने की शिकायत लेकर आये थे। पतिराम का कहना थाकि उसके पुत्र निलेश की 23 अगस्त 2025 को सडक दुर्घटना में मृत्यु हो गई है। उसका स्टेट बैंक भोरगढ में खाता था और उसने प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना में बीमा कराया था। उसके द्वारा 09 सितम्बर 2025 को दावा राशि के लिए सभी दस्तावेजों के साथ बैंक में आवेदन जमा कर दिया गया है। लेकिन अब तक उसे दावा राशि का भुगतान नही किया गया है। इस प्रकरण में अग्रणी बैंक प्रबंधक को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

जनसुनवाई में ग्राम हीरापुर की अमरूता बाई नेवारे राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना की राशि दिलाने की मांग लेकर आयी थी। अमरूता बाई का कहना था कि उसक परिवार बीपीएल श्रेणी में है और उसके पति की 20 अप्रैल 2025 को मृत्यु हो गई है। उसके द्वारा ग्राम पंचायत में आवेदन दिया गया है, लेकिन उसे अब तक सहायता राशि नही मिली है। इस पर सामाजिक न्याय विभाग के जिला समन्वयक को कार्यवाही करने कहा गया है।

किरनापुर तहसील के ग्राम भुवा के निवासी विरेंद्र टोंडरे पत्नी की मृत्यु के बाद प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना की दावा राशि नही मिलने की शिकायत लेकर आये थे। उनका कहना था कि उसकी पत्नी सुमेश्वरी टोंडरे की 12 अप्रैल 2025 को मृत्यु हो गई है उसका बैंक आफ महाराष्ट्र शाखा भानेगांव में खाता है और उसने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में बीमा कराया था, लेकिन उसे अब तक दावा राशि का भुगतान नही किया गया है। अतः उसे शीघ्र दावा राशि का भुगतान किया जाए। इस प्रकरण में अग्रणी बैंक प्रबंधक को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

श्रीमद् भागवत साधारण कथा नहीं है-विक्रम देशमुख

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत के ग्राम बोटेझरी और ग्राम एकोड़ी के पुसुटोला में सात दिवसीय सार्वजिनक श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। ग्राम बोटेझरी में धर्माचार्य प्रमुख बालमुकुंद महाराज और ग्राम पुसुटोला में आचार्य मनजीत कृष्ण शास्त्री के द्वारा कथा का वाचन किया जा रहा है। इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य विक्रम देशमुख और साथीगण धर्म लाभ लेने उपस्थित हुए। व्यासपीठ की अनुमति से एवं आयोजन

समिति के आग्रह पर विक्रम देशमुख के द्वारा श्रीमद् भागवत कथा के आधुनिक परिवेश के जीवन यापन में कथा की उपयोगिता और महत्व पर प्रकाश डाला गया। साथ ही विक्रम देशमुख द्वारा कथा के माध्यम से अंधश्रद्धा, व्यसन मुक्ति और पारिवारिक शांति में लाभ मिलने के विषय पर जनजागरण किया गया। कथा आयोजन समिति के द्वारा अतिथियों को धर्मदुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया। ग्राम पुसु टोला में रात्रि में प्रसादी स्वरूप समस्त उपस्थित धर्मप्रेमी बंधुओं को खीर का वितरण किया गया । ग्राम बोटेझरी में २७ मार्च को गोपाल काला और महाप्रसादी वितरण होना है। इस अवसर पर कोमल सिंह चंदेल,प्रहलाद बिसेन,संतोष बिसेन, धनीराम सेंद्रे ,भगत सिंह पारधी,पप्पू हरिनखेड़े,टीकाराम ठाकरे,मेगराज भगत, चिरोनजीलाल पारधी,कमलेश परिहार, धनेंद्र बेले आदि उपस्थित रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत लड़सड़ा जनपद पंचायत वारासिवनी जिला बालाघाट म.प्र. नीलामी की सूचना

सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत लड़सड़ा का साप्ताहिक बैठकी, मवेशी बाजार, दैनिक गुजरी एवं पशु पंजीयन फीस संग्रह हेतु निलामी वर्ष २०२६-२७ के लिये अर्थात ०१/०४/२०२६ से ३१/०३/२०२७ तक की अवधी के लिये दिनांक २८/०३/२०२६ दिन शनिवार की दोप १२ बजे तक कार्यालय ग्राम पंचायत भवन लड़सड़ा में निलामी किया जावेगा। निलामी की शर्तें-सभी ठेकों की निलामी पट्टा नियम १९९५ के प्रावधानों के तहत होना है, बोली स्वीकार करने पर बोलीदार को १००० स्टांप पर अनुबंध पत्र कराने एवं बाजार में लिखे नाम बोर्ड लगाने के पश्चात ही वसूली का अधिकार होगा, स्वीकार बोली की पुर्ण राशि तत्काल जमा करना होगा,बोली लगायें जाने हेतु निर्धारित शुल्क जमा करना होगा, विवाद की स्थिति में पंचायत के द्वारा लिया गया निर्णय सर्वमान्य होगा,निलामी की शर्त तथा विस्तृत जानकारी कार्यालयीन समय पर अवकाश का दिन छोड़कर देखी जा सकेंगी,शासन कि सभी शर्तें लागू रहेगी ,बाजार निलामी ठेका राशि नियत समय पर जमा नही करने पर ठेकेदार को सूचना दिये ठेका निरस्त कर दूसरी बोली वाले ठेकेदार को बाजार दिया जावेगा,अंतिम निर्णय लेने का अधिकार ग्राम पंचायत को होगा।

नोट-निलामी के पश्चात निलामी की राशि एक मुश्त जमा करना अनिवार्य होगा। नही करने जो जमा राशि वह वापसी योग्य नही होगी। पर्याप्त बोली नही आने पर ३ दिन के भीतर पुनः निलामी रखी जावेगी।

-विनीत-

श्रीमती कलावंती विशीलाल बघेले सरपंच ,पूर्णा कमलेश खरोले उपसरपंच, दिपेश तुरकर सचिव एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत लड़सड़ा जनपद पंचायत वारासिवनी

न्यायालय नायब तहसीलदार किरनापूर जिला बालाघाट म.प्र.

रा.प्र.क्र./0060/ड-154/वर्ष 2025-26
साकिनः-बिरनपुर प.ह.नं. 73
रा.नि.सं. सेवती तहसील किरनापुर

आम सूचना

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका प्रेमबती पति हीरेसिंह जाति लोधी निवासी ग्राम बिरनपुर द्वारा अपनी माताजी चन्द्रकला धनोले की मृत्यु दिनांक 03/09/2003 को ग्राम बिरनपुर में मृत्यु हो जाने से मत्यु के 1 वर्ष पश्चात पंजीयन की अनुमति मिलने हेतु लोकसेवा केन्द्र किरनापुर के माध्यम से आवेदन पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया है।अतः उक्त के संबंध में हित रखने वाले सभी व्यक्तियों को सूचित किया जाता है, कि वे निश्चित दिनांक 01/04/2026 को या तो स्वयं, किसी अधिभाषक अथवा प्रतिनिधी द्वारा उपस्थित होकर कोई आपत्ति हो तो प्रस्तुत करें। नियत दिनांक के बाद प्रस्तुत आपत्तियों पर कोई विचार नही किया जावेगा। नियत दिनांक के पश्चात प्रस्तुत आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 16/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन की मुहर के अधीन जारी किया गया।

तहसीलदार किरनापुर

गुजरात से चलकर बालाघाट पहुची सरदार पटेल एकता यात्रा

नगर के अम्बेडकर चौक में यात्रा का किया गया भव्य स्वागत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। देश के प्रथम उपमुख्यमंत्री, गृहमंत्री वल्लभभाई पटेल की 150 की जयंती के अवसर पर अहमदाबाद गुजरात से सरदार पटेल एकता यात्रा निकाली गई है। यह यात्रा मध्य प्रदेश एवं गुजरात के 36 जिलों में 40 दिनों पूर्ण होगी।इस एकता यात्रा का बालाघाट आगमन सिवनी से 23 मार्च को बालाघाट जिले के ग्राम बरसोला में हुआ।जहा एकता यात्रा का भव्य स्वागत किया गया।रात्रि विश्राम के पश्चात इस यात्रा मंगलवार 24 मार्च को प्रातः 9 बजे नगर आगमन हुआ, जहा

डॉ अंबेडकर चौक पहुचने पर इस यात्रा का भव्य स्वागत किया गया।इसके उपरांत यह यात्रा हनुमान चौक से इतवारी गंज, सराफा मार्केट,मेन रोड से सुभाष चौक, गुजरी चौक काली पुतली चौक से सीधे भटेरा होते हुए नैनपुर मंडला की ओर रवाना हुई।नगर में इस एकता यात्रा के भव्य स्वागत के दौरान बताया गया कि भारत की एकता व अखंडता के लिए सरदार पटेल ने 562 रियासतों को एक किया था, जिन्हें लोह पुरुष के नाम से भी जाना जाता है।अखिल भारतीय कुनबी,कुर्मी पाटीदार समाज गुजरात के तत्वाधान में यह यात्रा निकाली गई है।यात्रा के साथ ए के पटेल महामंत्री, जयंती भाई पटेल,ट्रस्टी,जीबी पटेल उपाध्यक्ष, बाबू भाई पटेल रथ यात्रा संयोजक, सतीश भाई चौहान गुजरात प्रदेश अध्यक्ष, सहित 20 से अधिक लोग शामिल है।

गुजरात से 5 मार्च को निकाली गई है यात्रा

बताया गया की यात्रा विगत 5 मार्च से प्रारंभ हुई है।वही 6 मार्च से मध्य प्रदेश में यात्रा भ्रमण कर एकता का संदेश दे रही है।इसमे जाति छोड़ो, सामाजिक एकता, शिक्षा क्षेत्र ,औद्योगिक विकास, उन्नत कृषि, बागवानी विकास, महिला सम्मान का प्रचार प्रसार के साथ ही, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, राष्ट्रीय स्वर के खिलाड़ी, समाज की आईपीएस, आईएएस का सम्मान, योग्य युवा युवतियों को आईएएस आईपीएस के लिए सहयोग का संदेश दिया जा रहा है।नगर में यात्रा का स्वागत ,प्रगतिशील कुनबी समाज जिला अध्यक्ष सुनील खोटेले, उपाध्यक्ष शिवशंकर शिवणकर, महामंत्री श्री रामदानी, अनंतराम शेरकर, अरविंद पारधी, मोहन भोरकर ,श्रीमती सीमा सिंघ, स्वाती, श्री अंगूरे, प्रमोद सपाटे, पातीराम कानतोड़े, कैलाश नखाते, संजय सपाटे, विप्लव, संतोष पटेल, डीएसपी लांजी,मनीराम भोयर, संतोष बाहे, चंद्र प्रताप सिंह, और शैलेंद्र सहित अन्य ने सरदार पटेल यात्रा के नगर आगमन पर भव्य स्वागत कर इस यात्रा में भाग लिया।

प्रसूति सहायता नही मिलने संबंधी सीएम हेल्पलाईन की लंबित शिकायतों की कलेक्टर ने की समक्ष में सुनवाई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना ने 24 मार्च को स्वास्थ्य विभाग की प्रसूति सहायता योजना की राशि नही मिलने संबंधी सीएम हेल्पलाईन की 300 से अधिक दिनों से लंबित शिकायतों की समक्ष में सुनवाई की और उनके निराकरण की जानकारी ली। इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप, सिविल सर्जन डॉ. निलय जैन, डीपीएम विक्रम सिंह ठाकुर, खैरलांजी एवं बिरसा के खण्ड चिकित्सा अधिकारी, जिला चिकित्सालय के आफिस मैनेजर एवं लोक सेवा प्रबंधक अनिल लिल्हारे उपस्थित थे।

संध्या पंचेश्वर, मलाजखंड के दिनेश उइके, खैरलांजी की रानू मचाडे, प्रमिला पति देवानंद लाडे, पूजा पति घनश्याम पाण्डे, गीता पति अमित बरोठे एवं बिरसा विकासखंड के ग्राम बहेराखार की विशाखा मरावी द्वारा प्रसूति सहायता योजना की 10 हजार 600 रुपए की राशि एवं जननी सुरक्षा की 1400 रुपए की राशि नही मिलने की शिकायत सीएम हेल्पलाईन में की गई थी। यह सभी शिकायतें 300 से अधिक दिनों से लंबित थी। समक्ष में सुनवाई के दौरान बताया गया कि इन हितग्राहियों को संबल कार्ड की एंट्री अनमोल साफ्टवेयर में अपडेट नही होने के कारण उनका भुगतान रूका हुआ था। जिला चिकित्सालय द्वारा मार्च माह के दूसरे एवं तीसरे सप्ताह में अनमोल पोर्टल पर जानकारी अपडेट कर रोगी कल्याण समिति की राशि से इन हितग्राहियों को राशि का भुगतान कर दिया गया है।

07 दिनों में लंबित शिकायतों का निराकरण नही होने पर आफिस मैनेजर की सेवा समाप्ति की कार्यवाही की जाएगी

प्रसूति सहायता की लंबित शिकायतों की समक्ष में सुनवाई के दौरान पाया गया कि लगभग 600 शिकायतें अनमोल पोर्टल पर निराकरण के लिए लंबित है। कलेक्टर श्री मीना ने इस स्थिति पर नाराजगी जाहिर की और जिला चिकित्सालय में प्रसूति सहायता वितरण शाखा की व्यवस्थाओं में

सुधार करने के निर्देश दिये। उन्होंने सिविल सर्जन डॉ. निलय जैन को इस पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये और कहा कि प्रसूति सहायता का कोई भी प्रकरण अनावश्यक लंबित नही रहना चाहिए। प्रसूति सहायता वितरण शाखा के लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों पर कडी कार्यवाही की जाए। कलेक्टर श्री मीना ने जिला चिकित्सालय के आफिस मैनेजर को चेतावनी देते हुए कहा कि वे 07 दिनों के भीतर प्रसूति सहायता की सभी 600 शिकायतों का निराकरण कर उनका भुगतान सुनिश्चित करें अन्यथा उनकी सेवा समाप्त करने की कार्यवाही की जाएगी। इस दौरान कलेक्टर श्री मीना ने खण्ड चिकित्सा अधिकारियों को भी निर्देशित किया कि प्रसूति सहायता के प्रकरणों पर वे भी अपने स्तर से निगरानी रखे और सुनिश्चित करे कि उनके क्षेत्र की गर्भवती माताओं को प्रसव के उपरांत सहायता राशि अविलंब प्राप्त हो जाए।

अनमोल पोर्टल पर सही जानकारी दर्ज नही करने वाली एएनएम पर होगी कार्यवाही

समक्ष में सुनवाई के दौरान बताया गया कि माता के गर्भवती होते ही अनमोल पोर्टल पर एएनएम द्वारा गर्भवती महिला के संबंध में सभी जानकारी दर्ज की जाती है। जिसके आधार पर प्रसूति सहायता एवं जननी सुरक्षा योजना की राशि हितग्राही महिला को प्रदान की जाती है। लेकिन देखने में आया है कि एएनएम द्वारा अनमोल पोर्टल पर गर्भवती माता की सही जानकारी दर्ज नही की जा रही है, जिसके कारण प्रसूति सहायता एवं जननी सुरक्षा की राशि स्वीकृत करने में परेशानी आ रही है। यदि एएनएम द्वारा अनमोल पोर्टल पर गर्भवती माता की समग्र आईडी, संबल कार्ड, आधार कार्ड, बैंक खाता आदि की सही जानकारी अपडेट की जाएगी तो प्रसूति सहायता की राशि तत्काल स्वीकृत कर दी जाएगी।

कलेक्टर श्री मीना ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया कि अनमोल पोर्टल पर गर्भवती माता की सही सही जानकारी दर्ज नही करने वाली एएनएम की सूची तैयार करें और उनके विरूद्ध कडी कार्यवाही का प्रस्ताव प्रस्तुत करें।

युवक ने चूहा मार का किया सेवन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्रामीण थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम लिंगा में इसी ग्राम के एक युवक अशोक पिता रमेश पांचे 32 वर्ष ने चूहा मार दवाई का सेवन कर लिया ।जिसे जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। बताया गया है कि अशोक पांचे मजदूरी करता है और वह मानसिक तनाव में चल रहा था। 23 मार्च की शाम 7:00 बजे अशोक पांचे ने अपने गांव के हाई स्कूल के पास चूहा मार दवाई का सेवन कर लिया और अपने घर फोन करके बताया तभी उसका छोटा भाई आकाश पांचे आया और उसे मोटरसाइकिल से घर लेकर आया। जहां से अशोक पांचे को 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया है।

आवश्यकता है

ऑफिस कार्य हेतु चपरासी 12वीं पास युवती की आवश्यकता है, बालाघाट एवं आसपास के रहने वाले ही संपर्क करें।

वेतन-12000+ मिलने का समय

शाम 5 बजे से शाम 8.00 बजे तक

संपर्क

बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिएट्स चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स, श्याम टॉकीज एण्ड मॉल द्वितीय तल हनुमान चौक मेन रोड बालाघाट (मप्र)

मो. 9244872544/9201340520

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता

तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स

मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट

फोनः- 07632-243531

मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट सिटी न्यूज़

3
पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

प्राण घातक हमले में गिरफ्तार दो आरोपी को अदालत ने किया गया पेश न्यायिक अभिरक्षा में भेजे गए जेल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खैरलांजी पुलिस ने अलग-अलग क्षेत्र में हुए प्राण घातक हमले के मामले में गिरफ्तार दो आरोपी कृष्णा पिता प्यारेलाल झोड़े ग्राम चिचोली और अर्जुन पिता राजकुमार दमाहे ग्राम खैरलांजी निवासी को वारासिवनी की अदालत में पेश कर दिए। जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भिजवा दिया गया है। ग्राम चिचोली में घरेलू विवाद के चलते कृष्णा झोड़े ने अपने चाचा टेकचंद झोड़े पर बढ़ई के औजार पटास से हमला कर उसके गर्दन पर वार कर दिया था। यह घटना 22 मार्च की शाम 7:00 बजे करीब घरेलू विवाद के चलते उस समय हुई जब टेकचन्द झोड़े अपने घर में बिस्तर पर लेट कर टीवी देख रहा था। गंभीर रूप से घायल टेकचंद झोड़े को खैरलांजी अस्पताल से जिला अस्पताल बालाघाट रैफर किया गया है। इस मामले में कृष्णा झोड़े के खिलाफ धारा 109(1),331(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज किया गया था। इस घटना के ठीक दूसरे दिन 23 मार्च को दोपहर 3:00 बजे ग्राम खैरलांजी में अर्जुन दमाहे ने 70 वर्षीय वृद्धा लक्ष्मी बाई दमाहे के सर मस्तक में बैलगाड़ी की उभारी से मारकर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया था। यह घटना उस समय हुई जब अर्जुन दमाहे की माँ शिला दमाहे अपने घर से भाग कर लक्ष्मीबाई धमाके घर आकर बैलगाड़ी की पीछे छुप गई थी। तभी ढूंढते हुए अर्जुन दमाहे वहा पर आया। जिसे लक्ष्मी बाई द्वारा डांट फटकार लगाने पर उसने इस वारदात को अंजाम दिया था। खैरलांजी पुलिस द्वारा इस मामले में अर्जुन दमाहे के खिलाफ धारा 109 भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज किया गया था। खैरलांजी पुलिस ने प्राण घातक हमले के इस मामले में गिरफ्तार उक्त दोनों आरोपी को 24 मार्च को वारासिवनी की अदालत में पेश कर दिए। जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भिजवा दिया गया है।

शराब के लिए जबरन वसूली और मारपीट, दो आरोपी गिरफ्तार

बूढ़ी रेलवे क्रॉसिंग के पास हुई थी घटना, एक आरोपी अब भी फरार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। उपनगरी क्षेत्र बूढ़ी रेलवे क्रॉसिंग के पास कुछ दिनों पूर्व एक व्यक्ति के साथ जबरन पैसे वसूली, गाली-गलौज और मारपीट की घटना सामने आई थी। इस मामले में कोतवाली पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 24 मार्च को तीन में से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आरोपियों ने शराब पीने के लिए पीड़ित से जबरन पैसे की मांग की थी। विरोध करने पर आरोपियों ने उसके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। घटना के बाद पीड़ित द्वारा की गई शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। वहीं तीसरा आरोपी अभी फरार है, जिसकी तलाश के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है। पुलिस का कहना है कि फरार आरोपी को भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा और मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

बूढ़ी रेलवे क्रॉसिंग के पास हुई मारपीट और जबरन वसूली की घटना में कोतवाली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक आरोपी अभी फरार है, जिसकी तलाश जारी है। कोतवाली थाना प्रभारी कमलेश धूमकेती ने जानकारी देते हुए बताया कि 22 मार्च की रात लगभग 10:30 बजे प्रार्थी कन्हैया उइके मजदूरी कर घर लौट रहा था। इसी दौरान बूढ़ी रेलवे क्रॉसिंग के पास तीन युवकों ने उसका रास्ता रोक लिया और शराब पीने के लिए पैसों की मांग की। जब प्रार्थी ने पैसे देने से मना किया, तो आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की। घटना का एक वीडियो भी सामने आया, जिसके आधार पर पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की। शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस ने विभिन्न धाराओं में प्रकरण पंजीबद्ध कर आरोपियों की तलाश शुरू की। वीडियो फुटेज के विश्लेषण और मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने दो आरोपियों अतुल उर्फ छोटू उइके और अभिषेक फूलमरे को गिरफ्तार कर लिया। मंगलवार को दोनों आरोपियों को मेडिकल जांच के लिए जिला अस्पताल लाया गया, जहां से उन्हें न्यायालय में पेश किया गया। वहीं, तीसरा आरोपी परमवीर कृष्णा शांडिल्य अभी फरार है, जिसकी पुलिस सरगर्मी से तलाश कर रही है। टीआई कमलेश धूमकेती ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी आदतन अपराधी हैं और इनके खिलाफ पहले से ही मारपीट एवं धमकी जैसे मामलों में प्रकरण दर्ज हैं। गौरतलब है कि इससे पहले 4 मार्च को होली के दिन भी शहर में इसी तरह जबरन वसूली की घटना सामने आई थी, जिससे क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ी थी। पुलिस का कहना है कि फरार आरोपी की जल्द गिरफ्तारी कर पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

ग्राम कायदी में रामकथा एवं भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह 27 मार्च से

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के वारासिवनी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कायदी में धार्मिक आस्था का भव्य आयोजन होने जा रहा है। बाजार चौक स्थित हनुमान एवं दुर्गा मंदिर प्रांगण में संगीत में श्रीराम कथा एवं श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ सप्ताह का आयोजन 27 मार्च से 2 अप्रैल तक किया जाएगा। यह आयोजन विश्व शांति एवं विश्व कल्याण की भावना से रामनवमी और हनुमान जयंती के पावन अवसर पर किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ 27 मार्च को शाम 4:00 बजे भव्य कलश शोभायात्रा के साथ होगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।आयोजन के दौरान प्रतिदिन शाम 7:00 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक कथा वाचन किया जाएगा। कथा का रसपान परम पूज्य संत राधिका शरण जी महाराज (वृंदावन धाम), संत राधा किशोरी जी (बरसाना धाम, मथुरा) एवं सुश्री श्याम किशोरी जी (बरसाना धाम) के सानिध्य में कराया जाएगा।कार्यक्रम का समापन 2 अप्रैल को कथा पूर्णाहुति एवं विशाल भंडारे के साथ होगा।जिसमें क्षेत्रभर के श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। यह धार्मिक आयोजन गायत्री परिवार, समस्त महिला मंडल ग्राम पंचायत कायदी द्वारा किया जा रहा है। कार्यक्रम की संरक्षक सरपंच श्रीमती रेखा जितेंद्र नगरगड़े, समस्त पंचगण एवं ग्रामवासी हैं।सरपंच रेखा जितेंद्र नगरगड़े ने ग्राम कायदी सहित आसपास के गांवों के श्रद्धालुओं से इस सप्ताह भर चलने वाले धार्मिक आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर धर्म लाभ लेने की अपील की है।

रानी अवंती बाई की प्रतिमा स्थापना पर विवाद, ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन

आधी रात में प्रतिमा स्थापित करने का आरोप, गांव में तनाव की स्थिति

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मंगलवार को लांजी क्षेत्र के ग्राम लाडसा से लगभग एक दर्जन से अधिक ग्रामीण जिला मुख्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपकर गांव में उत्पन्न विवादित स्थिति से अवगत कराया। ग्रामीणों ने ज्ञापन में बताया कि गांव के जयस्तंभ चौक के समीप कुछ लोगों द्वारा आधी रात के समय रानी अवंती बाई की प्रतिमा स्थापित कर दी गई है। इस अचानक हुई स्थापना के कारण गांव में तनाव का माहौल बन गया है और आपसी विवाद की स्थिति उत्पन्न हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि इस प्रकार बिना प्रशासनिक अनुमति और सार्वजनिक सहमति के प्रतिमा स्थापना से सामाजिक समरसता प्रभावित हो सकती है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई की जाए, ताकि गांव में शांति और व्यवस्था बनी रहे। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते मामले का समाधान नहीं किया गया, तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। वहीं प्रशासन से जल्द हस्तक्षेप कर विवाद को सुलझाने की अपेक्षा जताई गई है। जिले के लांजी क्षेत्र के ग्राम लाडसा में जयस्तंभ चौक पर रानी अवंती बाई की प्रतिमा स्थापित किए जाने को लेकर विवाद की स्थिति बन गई है। गांव के कुछ लोगों ने इस स्थापना पर आपत्ति जताते हुए प्रशासन से उचित कार्रवाई की मांग की है। ग्राम निवासी सुशील टेम्परे ने बताया कि गांव में जयस्तंभ स्मारक वर्षों से स्थापित है, जिसे जयस्तंभ चौक के नाम से सभी लोग जानते और पहचानते हैं। यह स्थान गांव की पहचान और आस्था का प्रमुख केंद्र रहा है। उन्होंने आरोप लगाया की 22 मार्च की देर रात करीब 2 बजे एक समाज विशेष के लोगों द्वारा जयस्तंभ चौक से सटे स्थान पर ही रानी अवंती बाई की प्रतिमा स्थापित कर दी गई। इस अचानक हुई स्थापना से गांव के अन्य वर्गों में असंतोष की स्थिति बन गई है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें रानी अवंती बाई की प्रतिमा स्थापना से कोई आपत्ति नहीं है, बल्कि वे इसका सम्मान करते हैं, लेकिन जिस स्थान पर प्रतिमा स्थापित की गई है, वह विवाद का कारण बन रहा है। उनका मानना है कि प्रतिमा को जयस्तंभ से थोड़ी दूरी पर या किसी अन्य उपयुक्त चौक में स्थापित किया जाना चाहिए था, ताकि भविष्य में किसी प्रकार का विवाद न हो। सुशील टेम्परे ने आशंका जताई कि यदि इस मामले में समय रहते उचित निर्णय नहीं लिया गया, तो अन्य समाजों द्वारा भी अपने-अपने आराध्य महापुरुषों की प्रतिमाएं उसी स्थान पर स्थापित करने की कोशिश की जा सकती है, जिससे स्थिति और अधिक तनावपूर्ण हो सकती है। इसी चिंता को देखते हुए ग्रामीणों ने जिला मुख्यालय पहुंचकर कलेक्टर से मुलाकात की और पूरे मामले में निष्पक्ष जांच कर प्रतिमा को उचित स्थान पर स्थापित कराने की मांग की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे गांव में किसी प्रकार का विवाद नहीं चाहते, बल्कि आपसी सौहार्द बनाए रखते हुए समाधान चाहते हैं।

बिना वैध डिग्री एलोपैथी उपचार करने वाले व्यक्ति पर FIR दर्ज करने के निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप ने लांजी के खण्ड चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया है कि बिना वैध चिकित्सकीय योग्यता के एलोपैथी पद्धति से चिकित्सा करने वाले सालस परवेंदर सिंह के विरूद्ध थाने में एफआईआर दर्ज कराये।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप ने बताया कि सालस परवेन्दर सिंह आर, पिता रनवीर सिंह सरदार, निवासी शिवाजी वार्ड क्रमांक 04, लखनादोन, जिला सिवनी द्वारा दिनांक 01 मार्च 2026 को ग्राम बोलेगांव, तहसील लांजी में बिना राज्य शासन से मान्यता प्राप्त चिकित्सकीय अर्हता के मरीजों का एलोपैथिक पद्धति से उपचार किया जा रहा था। यह कृत्य मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान परिषद अधिनियम 1987 के प्रावधानों का उल्लंघन है।

उक्त मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया गया है कि आरोपी के विरुद्ध अधिनियम की धारा 24 के अंतर्गत एफआईआर दर्ज कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही एफआईआर दर्ज होने के पश्चात उसकी प्रति जिला कार्यालय को उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए गए हैं। जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे केवल प्रमाणित एवं पंजीकृत चिकित्सकों से ही उपचार कराएं तथा किसी भी अवैध चिकित्सा गतिविधि की जानकारी तुरंत संबंधित विभाग को दें।

चैत्र नवरात्र में भक्तिभाव का संगम, मां त्रिपुर सुंदरी मंदिर में 301 ज्योत प्रज्वलित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर में चैत्र नवरात्र का पर्व इस वर्ष भी पूरे हर्षोल्लास, श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है। नगर का प्रमुख आस्था केंद्र मां त्रिपुर सुंदरी मंदिर इन दिनों भक्ति के रंग में रंगा नजर आ रहा है, जहां सुबह से लेकर देर रात तक श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। मां आदिशक्ति की आराधना के लिए भक्त मंदिर पहुंच रहे हैं और विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर मनोकामनाएं मांग रहे हैं।

नवरात्र के पावन अवसर पर मंदिर में इस वर्ष 301 ज्योत प्रज्वलित की गई हैं, जो पूरे नौ दिनों तक अखंड रूप से जल रही हैं। इनमें 51 घी की ज्योत और 250 तेल की ज्योत शामिल हैं। इन ज्योतों के माध्यम से मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की विशेष पूजा की जा रही है। मंदिर परिसर में स्थापित जोत कलश और दीपों की रोशनी से वातावरण अत्यंत दिव्य और आध्यात्मिक हो गया है। चैत्र नवरात्र की पंचमी तिथि पर भी मंदिर में 351 दीपों से भव्य महाआरती का आयोजन किया गया, जिसने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इस महाआरती में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। खास बात यह रही कि भक्त अपने-अपने घरों से दीपक लेकर पहुंचे और उन्हें प्रज्वलित कर सामूहिक रूप से मां की आरती की। दीपों की जगमगाहट, शंख-घंटियों की ध्वनि और जयकारों के बीच पूरा मंदिर परिसर गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से मां की स्तुति की और सुख-समृद्धि की कामना की। इस आयोजन ने न केवल धार्मिक आस्था को मजबूत किया, बल्कि सामूहिक भक्ति का अद्भुत उदाहरण भी प्रस्तुत किया। मंदिर समिति के प्रतिनिधि दामोदर नामदेव ने जानकारी देते हुए बताया कि हर वर्ष शारदीय और चैत्र नवरात्र के दौरान मंदिर में नौ दिनों तक विशेष पूजा-अर्चना, जोत कलश स्थापना और विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। पंचमी के दिन 351 दीपों से महाआरती की परंपरा वर्षों से चली आ रही है, जिसे इस वर्ष भी भव्य रूप से निभाया गया। उन्होंने बताया कि इस बार 301 ज्योत प्रज्वलित कर मां की आराधना की जा रही है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु अपनी भागीदारी निभा रहे हैं। प्रतिदिन सुबह-शाम आरती, भजन-कीर्तन और विशेष अनुष्ठान आयोजित किए जा रहे हैं। नवरात्र के चलते मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में विशेष व्यवस्थाएं भी की गई हैं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। भक्तों की बढ़ती संख्या को देखते हुए मंदिर समिति द्वारा दर्शन, प्रसाद और साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था की गई है।

रोजगार सहायक को हटाने की मांग, ग्रामीणों ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

पेंडरई पंचायत के सरपंच-पंचों ने लगाए गंभीर आरोप, योजनाओं में अनियमितता की शिकायत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला मुख्यालय से लगी ग्राम पंचायत पेंडरई के सरपंच, पंच और लगभग एक दर्जन से अधिक ग्रामीण मंगलवार को जिला मुख्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपकर रोजगार सहायक को हटाने की मांग की। ग्रामीणों ने ज्ञापन में आरोप लगाया कि पंचायत में पदस्थ रोजगार सहायक द्वारा शासकीय योजनाओं का सही तरीके से क्रियान्वयन नहीं किया जा रहा है। इसके कारण योजनाओं का लाभ आमजन तक समय पर और उचित रूप से नहीं पहुंच पा रहा है। सरपंच सहित ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि रोजगार सहायक द्वारा विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाने के नाम पर ग्रामीणों से रुपए की मांग की जाती है, जो गंभीर अनियमितता की श्रेणी में आता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी पाए जाने पर संबंधित रोजगार सहायक को तत्काल हटाया जाए, ताकि पंचायत में पारदर्शिता और सुशासन सुनिश्चित हो सके। जिला मुख्यालय से लगभग 8 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम पंचायत पेंडरई के जनप्रतिनिधि

और ग्रामीण मंगलवार को जनसुनवाई में पहुंचे, जहां उन्होंने रोजगार सहायक को हटाने की मांग को लेकर कलेक्टर को आवेदन सौंपा। ग्राम पंचायत की सरपंच ललिता महेंद्र कुमार नगपुरे के नेतृत्व में पहुंचे पंचों और एक दर्जन से अधिक ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि गांव में पिछले करीब 15 वर्षों से पदस्थ रोजगार सहायक तिलकराम दशहरे की कार्यप्रणाली संतोषजनक नहीं है। ग्रामीणों का कहना है कि रोजगार सहायक द्वारा शासन की विभिन्न योजनाओं का सही ढंग से क्रियान्वयन नहीं किया जा रहा है, जिससे पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पंचायत स्तर पर पारदर्शिता की कमी है और कई कार्यों में लापरवाही बरती जा रही है। कुछ ग्रामीणों ने गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि शौचालय निर्माण जैसी योजनाओं के लिए आवेदन भरने के नाम पर रोजगार सहायक द्वारा लोगों से राशि ली गई, लेकिन इसके बावजूद आज तक कई हितग्राहियों के शौचालय निर्माण नहीं हो सके हैं। इससे ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों और पंचायत प्रतिनिधियों ने मांग की है कि लंबे समय से एक ही स्थान पर कार्यरत रोजगार सहायक को तत्काल प्रभाव से हटाकर अन्य पंचायत में स्थानांतरित किया जाए तथा गांव में नए रोजगार सहायक की नियुक्ति की जाए, ताकि योजनाओं का सही क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके। जनसुनवाई में पहुंचे ग्रामीणों ने प्रशासन से पूरे मामले की जांच कर निष्पक्ष कार्रवाई करने की मांग की है।

सिख समाज ने मनाया महान शहीद-ए-आज़म भगत सिंह का बलिदान दिवस

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सिख यूथ के मार्गदर्शक डॉ. जसबीर सिंह सोंधी एवं अध्यक्ष जस्मीत सिंह नरडे ने जानकारी देते हुए बताया कि आज महान क्रांतिकारी शहीद-ए-आज़म भगत सिंह जी के बलिदान दिवस के अवसर पर सिख समाज एवं सभी देशभक्त व क्रांतिकारी विचारधारा से जुड़े लोगों द्वारा जिला चिकित्सालय स्थित शहीद भगत सिंह जिला चिकित्सालय में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।उन्होंने बताया कि भगत सिंह जी ने बहुत कम उम्र में देश की आज़ादी के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। उनके साहस, देशभक्ति और बलिदान की भावना आज भी युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। अंग्रेज़ों के खिलाफ उनके संघर्ष और इंकलाब जिंदाबाद के नारे ने पूरे देश में स्वतंत्रता की अलख जगाई।इस अवसर पर उपस्थित जनों द्वारा मरीजों एवं उनके परिजनों को फल वितरित कर सेवा कार्य भी किया गया तथा उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया।इस कार्यक्रम में श्री गुरु सिंघ सभा के अध्यक्ष हरमिंदर सिंह अटलिया, उपाध्यक्ष अमरिक सिंह सोंधी, सचिव गुरदयाल सिंह भाटिया, सतनाम सिंह सलूजा, हरचरण सिंह नरडे, वैभव कश्यप (आरएसएस), लता अल्कर (पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, महिला मोर्चा भाजपा), रमेश रंगलानी (पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष), खागेश कावरे (पार्षद, वार्ड क्रमांक 28),गजेंद्र भारद्वाज(पूर्व युवा मोर्चा अध्यक्ष), रामाकांत ढाका (उत्तर मंडल अध्यक्ष, भाजपा), दर्शन सिंह ढिल्लों, राम सिंह भाटिया, अनिल शुक्ला, यशवंत गडवे, राज बाजपेयी, जसकरण सिंह सोंधी, प्रभांशु सानेकर, सतनाम सिंह, रघुवीर सिंह, अरमान सिंह, विक्रम सिंह एवं समस्त यूथ व सिख समाज के लोग उपस्थित रहे।

आस-पास की खबरें

माँ सतबहनी मंदिर में 62 कलश हुए प्रज्वलित

भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा चैत्र नवरात्र पर्व

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित माँ सतबहनी मंदिर में गत 19 मार्च की रात 8 बजे विधि-विधान से पूजा अर्चन कर ज्योति कलश एवं जवारे बोकर चैत्र नवरात्र पर्व धार्मिक आस्थाओं एवं भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा

है। चैत्र नवरात्र पर्व के अवसर पर 19 मार्च की रात 8 बजे माँ सतबहनी स्थित माता-रानी की उपस्थितजनों ने विधि-विधान से पूजा अर्चना की तत्पश्चात 52 तेल व 10 घी के मनोकामना कलश प्रज्वलित कर जवारे बोये गये। जिसके बाद आरती कर प्रसादी का वितरण किया गया। इसी तरह नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में स्थित मंदिरों एवं घरों में श्रध्दालुओं के द्वारा मनोकामना कलश व जवारे बोकर चैत्र नवरात्र पर्व भक्तिभाव के साथ मनाया जा रहा है एवं विविध धार्मिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जा रहे है। वहीं मंदिरों में सुबह-शाम 8 बजे आरती की जा रही है। साथ ही चहुंओर माता-रानी के जयकारों की गीत सुनाई दे रहे है जिससे पुरा क्षेत्र माता-रानी के जयकारों से गुंजमान्य हो उठा है। माँ सतबहनी मंदिर समिति के सचिव पवन नामदेव ने बताया कि माँ सतबहनी मंदिर में चैत्र नवरात्र पर्व के अवसर पर 19 मार्च को पूजन अर्चन कर 52 तेल व 10 घी के कलश प्रज्वलित कर जवारे बोये गये तत्पश्चात आरती कर प्रसादी का वितरण किया गया। साथ ही यह भी बताया कि प्रतिदिन महिला जस गायन का आयोजन किया जा रहा है एवं अष्टमी पर हवन-पूजन एवं नवमी के दिन कलश व जवारों के विसर्जन के बाद भंडारा का आयोजन किया गया है और क्षेत्रीयजन माता-रानी के दरबार में पहुंचकर पूजा अर्चना कर धर्मलाभ अर्जित कर रहे है। इस अवसर पर क्षेत्रीय भक्तजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित करने की अपील माँ सतबहनी मंदिर समिति के पदाधिकारी एवं सदस्यों ने की है।

आपसी विवाद के चलते पति ने पत्नि पर किया प्राणघातक हमला, पत्नि की मौत

मामला ग्राम पंचायत अमोली का, जांच में जुटी पुलिस

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली में मंगलवार शाम एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। मामूली घरेलू विवाद में एक पति इस कदर हैवान बन गया कि उसने अपनी पत्नि के सिर पर लोहे के पाइप से ताबड़तोड़ प्रहार कर उसकी जान ले ली। हमले में महिला की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में मातम और सनसनी का माहौल निर्मित हो गया है। वहीं मृतिका महिला अमोली के गाडर आमाटोला रोड़ निवासी 30 वर्षीय मंजू यादव है। जिसके तीन साल की बेटी एवं 4 माह का दुधमुंहा बेटा है। इस घटना के बाद से लोगों में आक्रोश व्याप्त है और जिन लोगों को इस वारदात की जानकारी लगी तो वे सुनकर हतप्रब्ध रह गये। वहीं पति ने आपसी विवाद में ही पत्नि को मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने आरोपी पति को अभिरक्षा में ले लिया है एवं मामले की जांच शुरू कर दी है।

विवाद के बाद खोया आपा

प्राप्त जानकारी के अनुसार अमोली के वार्ड नंबर 15 निवासी रितेन्द्र यादव आमाटोला पहुंच मार्ग गाडर के आगे नदी किनारे परिवार के साथ निवास करते थे और जिनकी शादी वर्ष 2018 में श्रीमती मंजू यादव से कुमानगांव परसवाड़ा से हुई थी, जिनकी तीन वर्ष की बेटी और 4 माह का बेटा है एवं उनकी माँ गायली यादव उनके साथ में रहती है। वहीं रितेन्द्र यादव मजदूरी कार्य करता है, मंगलवार की शाम 4 से 5 बजे के बीच 30 वर्षीय श्रीमती मंजू यादव अपने घर पर रोजाना की तरह घरेलू कार्य कर रही थी। इसी दौरान उसका पति 38 वर्षीय रितेन्द्र यादव काम कर वापस घर लौटा और इसी बीच दोनों पति-पत्नि में आपसी विवाद होने पर उसने अपनी पत्नि को लोहे की पाइप से सिर पर वार कर दिया। जिससे उसकी पत्नि बेसुध हो गई। वहीं घटनाकारित करने के बाद रितेन्द्र बाहर काम कर रही अपनी माँ से बोला की बच्चों को देखों मैं आ रहा हूं। जिसके कुछ देर बाद उनकी देवरानी घर पहुंची तो देखी की उनकी जेठानी लहूलुहान अवस्था में दरवाजे के समीप पड़ी थी। जिससे देखकर वे घबरा गई और पड़ोसी व परिजनों को घटना की जानकारी दी। जिसके बाद यह सनसनी खबर पूरे ग्राम में फैल गई और थोड़ी देर में ही घटना स्थल में लोगों की भीड़ जमा हो गई। वहीं आरोपी पति ने ही इस घटना की जानकारी पुलिस व परिजनों को दी है। जिसके बाद पुलिस घटना स्थल पहुंची और आरोपी पति को अभिरक्षा में लेकर घटना की जांच में जुट गई है। बताया जा रहा है कि रितेन्द्र यादव के घर पहुंचते ही दोनों पति-पत्नि के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ा कि आक्रोश में आकर रितेंद्र ने घर में रखे लोहे के एक भारी पाइप से मंजू के सिर पर जोरदार हमला कर दिया। प्रहार इतना घातक था कि मंजू ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

मासूम बच्चों के सिर से उठा माँ का साया

अमोली में घटित इस रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना ने दो मासूमों के सिर से उनकी माँ का साया ही छीन लिया है। मृतिका मंजू और रितेंद्र के दो छोटे बच्चे हैं। जिनमें एक की उम्र महज 3 साल है वहीं दुसरा 4 माह का दुधमुंहा बच्चा है। वहीं स्थानीयजनों से प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतिका मंजू यादव का मायका परसवाड़ा के कुमानगांव का है। जिनका विवाह वर्ष 2018 में अमोली निवासी रितेन्द्र यादव के साथ हिन्दु रीति-रीवाजों से संपन्न हुआ था और कुछ वर्षों से अमोली बस्ती छोड़कर वैनगंगा बड़ी नहर अमोली गाडर के आगे टोले में परिवार के साथ निवास कर रहा है। दोनों पति-पत्नि में छोटी-मोटी बातों को लेकर कहासुनी होते रहती थी बताया जा रहा है। लेकिन 24 मार्च को दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि पति ने अपनी पत्नि पर आवेश में आकर घर में रखे लोहे के पाइप से प्राणघातक हमला कर दिया। वहीं हमला इतना घातक था की महिला की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। वहीं पुलिस को घटना की जानकारी मिलने पर तत्काल थाना प्रभारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और एफएसएल की टीम को जानकारी दे दी गई है। वहीं आरोपी पति को पुलिस ने अभिरक्षा में लेकर जांच शुरू कर दी है।

मैं बाड़ी काम काम कर रही थी -

गायती

मृतिका की सास श्रीमती गायती यादव ने बताया कि घटना के दौरान पति-पत्नि दोनों कमरे में थे और मैं बड़ी में पीछे काम कर रही थी तभी रितेन्द्र यादव आया और मुझे बच्चों को देखने के लिए कहा। साथ ही यह भी बताया कि घटना घटित होने के पूर्व बच्चों को लेकर दोनों पति-पत्नि डॉक्टर के पास गये थे और डॉक्टर के पास से इलाज करवा कर साथ में ही घर लौटे थे। किस बात को लेकर दोनों पति-पत्नि में विवाद हुआ पता नही, मकान के समीप आकर देखे तो बहु मृत अवस्था में पड़ी हुई थी। पुलिस को सूचना भी बेटे के द्वारा दी गई है। पूर्व में भी दोनों पति-पत्नि में विवाद होते थे, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

इनका कहना है-

अमोली में पति-पत्नि में आपसी विवाद होने पर महिला के सिर में अधिक चोट लगने से उसकी मृत्यु हुई है, मामले की जांच की जा रही है।

सुनिल चतुर्वेदी
थाना प्रभारी
लालबर्रा।

महाविद्यालय में जल गंगा संवर्धन अभियान कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशों के परिपालन में नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में सोमवार को जल गंगा संवर्धन अभियान कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर विद्यार्थियों में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जागरूकता के लिए निबंध, पोस्टर, रंगोली प्रतियोगिता आयोजित कर जल संरक्षण के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही जल है, तो कल है एवं भूजल स्तर को बनाये रखने के लिए जल के मितव्यता के साथ उपयोग करने पर बल दिया गया एवं पृथ्वी को हरा-भरा बनाये रखने के लिए वृक्षारोपण के लिए प्रेरित किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सुमन बरवा के मार्गदर्शन एवं कार्यक्रम के संयोजक डॉ. प्रदीप कुमार भिमटे की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. सुरेन्द्र कुमार खण्डायत, डॉ. संगीता मेश्राम, डॉ. देवराज चौरे, श्री नरेश सौलखे, डॉ. ऋ षिकेश पटेल, श्रीमती संध्या भलावे, मनीष शिवहरे, डॉ. आशीष बागडे, डॉ. कामाक्षा बिसेन, डॉ. आशा कारे, डॉ. आरती विश्वकर्मा, यादोराव राजुरकर, व्यकंट नगपुरे, श्रीमती सरिता ऐडे, पीतम मुरते, रामदयाल मथारे, लकेश गेडाम, श्रीमती वंदना कुर्वे, प्रसिक हुमनेकर, कु. सोनम हरिनखेडे, मिनेश पंचेश्वर, निशांत तलवरे एवं विद्यार्थियों का

विधायक गौरव पारधी ने सपरिवार कंजई के बंजारी माता मंदिर में की पूजा-अर्चना

पूजा-पाठ कर महाप्रसादी का किया वितरण, माता रानी से क्षेत्र की सुख-समृध्दि एवं खुशहाली की कामना की

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। लालबर्रा से सिवनी हाईवे रोड स्थित ग्राम कंजई के प्रसिध्द बंजारी माता मंदिर में चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर कटंगी विधायक गौरवसिंह पारधी मंगलवार को सपरिवार पहुंचे। इस दौरान उन्होंने विधि-विधान से माँ बंजारी माता के दर्शन कर श्रध्दा एवं भक्ति-भाव से पूजन-अर्चन किया तथा क्षेत्र की सुख-समृध्दि, शांति और खुशहाली की कामना की। मंदिर परिसर में इस अवसर पर भक्तिमय वातावरण बना रहा और श्रध्दालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। वहीं पूजा-अर्चना करने के पश्चात विधायक श्री पारधी ने मंदिर परिसर में उपस्थित श्रध्दालुओं के साथ-साथ रोड से गुजरने वाले राहगीरों को भी महाप्रसादी का वितरण किया। इस सेवा कार्य में लोगों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई और प्रसाद ग्रहण कर माता-रानी के प्रति अपनी आस्था प्रकट की। इस दौरान पूरे क्षेत्र में भक्ति, सेवा, सद्भाव का सुंदर माहौल देखने को मिला। वहीं विधायक गौरव पारधी ने माँ भगवती से प्रार्थना करते हुए कहा कि वे समस्त क्षेत्रवासियों के जीवन में सुख, शांति और समृध्दि प्रदान करें तथा सभी की मनोकामनाएं पूर्ण करें। साथ ही सभी नागरिकों को चैत्र नवरात्रि पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए समाज में आपसी भाईचारा और सकारात्मकता बनाये रखने का संदेश भी दिया है।

जाम में ऑल इंडिया महिला-पुरूष कबड्डी प्रतियोगिता जारी

विभिन्न राज्यों के खिलाड़ी दिखा रहे दम, फाइनल आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। खेल प्रतिभाओं को मंच देने और कबड्डी के प्रति उत्साह बढ़ाने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत जाम के बाजार चौक में चार दिवसीय ऑल इंडिया महिला-पुरूष कबड्डी प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया जा रहा है। 22 मार्च की शाम से शुरू हुई इस प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों और जिलों की टीमें हिस्सा ले रही हैं, जो मैदान पर अपने कौशल और तकनीक का शानदार प्रदर्शन कर रही हैं। वहीं प्रतिदिन शाम 7 बजे से सज रहा मैदान, जिसके बाद रोजाना मैच खेले जा रहे है और महिला व पुरूष खिलाडियों के द्वारा अपने खेल का जौहर दिखा रहे है। जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में क्षेत्रीयजन पहुंचकर ऑल इंडिया महिला-पुरूष कबड्डी प्रतियोगिता का लुप्त उठा रहे है। वहीं 4 दिवसीय ऑल इंडिया महिला-पुरूष कबड्डी प्रतियोगिता का 25 मार्च को फाइनल खेल के साथ समापन किया जायेगा। आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि 22 मार्च से जाम के बाजार चौक में ऑल इंडिया महिला एवं पुरूष कबड्डी प्रतियोगिता जारी है और रोजाना शाम 7 बजे से मैचों की शुरूआत होती है। जैसे-जैसे सूरज ढलता है, फ्लड लाइट्स की रोशनी में खिलाड़ियों का जोश और दर्शकों का उत्साह बढ़ता जाता है। साथ ही क्षेत्रीय खेल प्रेमी बड़ी संख्या में पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन कर रहे हैं और कबड्डी के इस महाकुंभ का आनंद ले रहे हैं। आगे बताया कि प्रतियोगिता में शामिल होने वाली टीमों के लिए आकर्षक पुरस्कार राशि रखी गई है जिसमें पुरूष वर्ग में प्रथम पुरस्कार 71,000 रूपये, द्वितीय पुरस्कार 41,000 रूपये, तृतीय पुरस्कार 21,000 रूपये, महिला वर्ग में प्रथम पुरस्कार 31,000 रूपये, द्वितीय पुरस्कार 21,000 रूपये एवं तृतीय पुरस्कार 11,000 रूपये दिये जायेंगें और चार दिनों तक चलने वाले इस खेल उत्सव का समापन 25 मार्च को होगा। इसी दिन महिला-पुरूष दोनों वर्गों के फाइनल मुकाबले खेले जायेंगें। जिसमें विजेता टीमों को ट्राफी और नकद राशि से पुरस्कृत किया जायेगा। इस अवसर पर जिलेभर के खेलप्रेमियों व खिलाड़ियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील आयोजन समिति अध्यक्ष, जाम सरपंच सुरेन्द्र बलोने, उपाध्यक्ष, पूर्व सरपंच प्रतिनिधि देवराज ठकरेले, कोषाध्यक्ष, सेन समाज जिलाध्यक्ष सत्यनारायण श्रीवास, मैनेजर राजेश नगपुरे, कोच रमेश चौहान, व्यवस्थापक, पूर्व जनपद सदस्य अशोक नगपुरे, सर्वसमाज अध्यक्ष गनपत तरवरे, कार्यक्रम प्रभारी, समाजसेवी डॉ. कपिल लिल्हारे, सचिव पंडित अखिलेश तिवारी सहित अन्य पदाधिकारियों ने की है।

लालबर्रा में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह 19 अप्रैल को

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। क्षेत्र के निर्धन परिवारों की कन्याओं के विवाह के लिए मध्यप्रदेश शासन की महत्वपूर्ण मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत जनपद पंचायत लालबर्रा के द्वारा आगामी 19 अप्रैल को स्थानीय शासकीय महाविद्यालय ग्राउण्ड में मुख्यमंत्री सामूहिकविवाह कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। वहीं इस योजना के तहत विवाह हेतु आवेदन जमा करने की अंतिम तारीख 26 मार्च है। चर्चा में मुख्य कार्यपालन अधिकारी चंदरसिंह मंडलोई ने बताया कि लालबर्रा में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत सामूहिक विवाह का आयोजन 19 अप्रैल को संपन्न होगा। इस योजना के तहत विवाह करने वाले अभ्यर्थी 26 मार्च तक आवेदन जमा कर सकते है और 200 ही आवेदन जमा किये जायेंगें। वहीं आवेदन पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर स्वीकार किये जायेंगें। इस तरह से मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत सामूहिक विवाह कार्यक्रम में विवाह हेतु प्रथम आवेदन से लेकर केवल अंतिम 200 आवेदनों को ही इस सामूहिक विवाह कार्यक्रम के लिए स्वीकार किया जायेगा। इसलिए जो लोग मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत विवाह करना चाहते है वे समयावधि पर जनपद पंचायत कार्यालय पहुंचकर आवेदन जमा कर इस योजना का लाभ ले सकते है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी चंदरसिंह मंडलोई ने क्षेत्र के समस्त पात्र परिवारों से अपील की है कि वे समय पर आवेदन कर शासन की इस कल्याणकारी योजना का लाभ उठाये।

थानेगांव से गर्रा मार्ग बना हादसों का सफर

खस्ताहाल सड़क से राहगीर परेशान मरम्मत करने की मांग

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम थानेगांव से ग्राम गर्रा को जोड़ने वाला मुख्य डामर मार्ग इन दिनों अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। उक्त मार्ग पर राहगीरों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क की स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि डामर की परत उखड़ती जा रहा है। सड़क के बीचों बीच बड़े बड़े गड्ढे हो गए हैं जो आए दिन दुर्घटनाओं को न्योता दे रहे हैं। इतना ही नहीं सड़क के साइड शोल्डर किनारे भी पूरी तरह से उखड़ रहे हैं। जिससे सामने से आने वाले वाहनों को साइड देते समय दुपहिया वाहन चालकों के फिसलने का डर बना रहता है। यह मार्ग केवल दो गांवों को ही नहीं जोड़ता बल्कि यह वारासिवनी से रामपायली जाने के लिए सीधा और प्रमुख रास्ता है। रोजाना सैकड़ों की संख्या में लोग अपने व्यापार खेती और अन्य जरूरी कार्यों के लिए इसी मार्ग का उपयोग करते हैं। सड़क खराब होने से सफर का समय दोगुना हो गया है धूल और मलबे के कारण स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ रही हैं। रात के समय इस मार्ग पर चलना जान जोखिम में डालने के समान है। सड़क की हालत इतनी खराब है कि गाड़ी चलाना दूभर हो गया है। यदि बरसात से पहले यदि इस मार्ग की मरम्मत नहीं की गई तो स्थिति और भी भयावह हो सकती है। ग्रामीणों ने शासन प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की है कि इस डामर मार्ग का जल्द से जल्द नवीनीकरण या मरम्मत कराया जाए ताकि क्षेत्र के लोग सुरक्षित सफर कर सकें।

मार्ग की हालत जर्जर हो चुकी है-यशवंत रहागंडाले

ग्रामीण यशवंत रहाँगडाले ने बताया कि सिकंद्रा से रामपायली मार्ग है यह जर्जर हो गया है। कई स्थानों पर गड्ढे हो गए हैं डामर भी उखाड़ रहा है इधर अभी मरम्मत नहीं की गई है। बीच में मरम्मत का मुझे ध्यान नहीं है गर्रा टोला तरफ बहुत ज्यादा दिक्कत हैं। दुर्घटना तो सभी जगह होती है परंतु गड्ढे के कारण बहुत ज्यादा दुर्घटना बढ़ जाती है। यहां पर कई बार लोगों की गाड़ियां अनियंत्रित होती है रामपायली तक यह सड़क खराब है। इस पर यातायात बहुत ज्यादा है वारासिवनी नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र के लोग रोजाना आना जाना करते हैं इसकी मरम्मत होना चाहिए।

मार्ग में बहुत ज्यादा गड्ढे हो गए जिससे दुर्घटनाएं कभी भी हो सकती है-अनिल कटरे

ग्रामीण अनिल कटरे ने बताया कि इस मार्ग का उपयोग करीब १० गांव के लोग सहित नगर के लोगों के द्वारा किया जाता है। वह अपने विभिन्न कार्यों के लिए एवं ग्रामीण क्षेत्र के लिए आना जाना करते हैं। यहां पर सड़क का जो साइड शोल्डर है वह कटने लगा है मार्ग में बहुत ज्यादा गड्ढे भी हो गए हैं दुर्घटनाएं कभी भी हो सकती है। चौपन नगरी और गर्रा टोला में हमने देखा है बहुत ज्यादा रोड़ खराब है पिछली बार मरम्मत सिकंद्रा के तरफ की गई थी इधर नहीं की गई है इस कारण यहां पर सड़क की जर्जर स्थिति है। रात्रि के समय मोटरसाइकिल अनियंत्रित हो जाती है करीब एक वर्ष से अधिक का समय हो गया है मरम्मत नहीं हुई है। जबकि मरम्मत पर विशेष ध्यान देना चाहिए और बारिश खत्म होने के बाद तो मरम्मत कर देना था परंतु इस सड़क पर क्यों ध्यान नहीं दिया गया यह समझ से परे है।

वारासिवनी बार एसोसिएशन चुनाव २०२६ आज

किसके सर बंधेगा अध्यक्ष का ताज मतदान आज

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी अधिवक्ता संघ के दो वर्षीय कार्यकाल २०२६-२८ के लिए कल यानी २५ मार्च २०२६ को होने वाले चुनाव की सरगर्मियां चरम पर पहुंच गई हैं। कुल ४ महत्वपूर्ण पदों पर ८ उम्मीदवारों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिल रहा है, जबकि १० कार्यकारिणी सदस्य पहले ही निर्विरोध चुने जा चुके हैं। कुल २०२ मतदाता अधिवक्ता अपने वोटो से इनके भाग्य का फैसला करेंगे। रिटर्निंग अधिकारी अधिवक्ता रामकिशोर बिसेन और सहायक रिटर्निंग अधिकारी अधिवक्ता मनोज कुमार शर्मा ने मतदान केंद्र का जायजा लिया और पूरे परिसर को चकाचौबंद कर दिया है। उन्होंने सभी अधिवक्ताओं से शत प्रतिशत मतदान की अपील की है। मतदान पूरी पारदर्शिता के साथ बैलेट पेपर से होगा। आचार संहिता की सख्ती से पालन हो रहे है और किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। पहले ही तय हो चुके १० निर्विरोध विजेता कार्यकारिणी सदस्य रितेश शुक्ला ,मनोज कुमार दमाहे ,मोहेन्द्र नगपुरे ,शिशुपाल पारधी ,मुकेश पटले ,कचरूलाल पंचतिलक ,अजय कुमार डहाके, श्रीमती भुवनेश्वरी सोनकुसरे, श्रीमती रीना मरार, कुमारी मनीषा जायसवाल, कोषाध्यक्ष अधिवक्ता शैलेष पाठक, ग्रंथपाल अधिवक्ता संदेश इंदुरकर अब रोमांचक मुकाबला अध्यक्ष पद के लिये रमेश कुमार ब्रम्हे अधिवक्ता, संदीप नगपुरे अधिवक्ता के बीच है। इसी प्रकार उपाध्यक्ष पद के लिये नागेन्द्र परिहार अधिवक्ता ,श्रीमती वंदना बनोटे अधिवक्ता ,सचिव पद के लिये अभिजीत शुक्ला अधिवक्ता, प्रदीप पटले अधिवक्ता ,सहसचिव पद के लिये श्रीमती अनामिका शुक्ला अधिवक्ता ,कुलदीप बागड़े अधिवक्ता के मध्य हैं। ये चारों मुकाबले बेहद नजदीकी और दिलचस्प माने जा रहे हैं। अधिवक्ता वर्ग में जोर आजमाई चल रही है कौन बनेगा नया नेतृत्व कौन अपनी टीम के साथ बार एसोसिएशन को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा सस्पेंस अपने चरम पर है। इन पदों के लिये २५ मार्च की सुबह १०.३० बजे से दोपहर ३ बजे तक मतदान फिर शाम ४ बजे मतगणना कर परिणाम की घोषणा होंगी। इस अवसर पर रिटर्निंग अधिकारी के द्वारा वारासिवनी के अधिवक्ता गणों से अपना बहुमूल्य वोट जरूर देने और लोकतंत्र की इस छोटी सी मिसाल को सफल बनाएं जाने अपील की हैं।

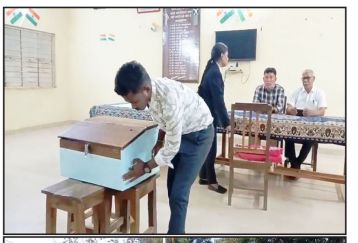

संत शिरोमणि रविदास जयंती पर विधायक पारधी ने जाम में किया प्रतिमा का लोकार्पण

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी/कटंगी। ग्राम जाम में संत शिरोमणि संत रविदास जयंती समारोह के पावन अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन करते हुए संत रविदास की प्रतिमा का लोकार्पण किया गया। इस गरिमामय कार्यक्रम में वधायक गौरव सिंह पारधी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विधायक गौरव सिंह पारधी ने संत रविदास की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा ग्राम के देवी.देवताओं एवं महापुरुषों का स्मरण करते हुए सभी को नमन किया। उन्होंने उपस्थित मातृशक्ति एवं ग्रामवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि संत रविदास के विचारों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है और यह उनके लिए गर्व का विषय है कि वे इस प्रयास में सहभागी बन पा रहे हैं। विधायक पारधी ने कहा कि संत रविदास ने प्रेम, समानता और भाईचारे का जो संदेश दिया। वही समाज को सशक्त और संगठित बनाने का आधार है। समाज को जोड़ने की भावना को मजबूत करना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने संगठन की पहल की सराहना करते हुए कहा कि जब हम सब मिलकर चलते हैं तभी समाज में सकारात्मक परिवर्तन संभव होता है। इस अवसर पर अमीरचंद छिपेश्वर पूर्व जिला पंचायत सदस्य ,शंकरलाल टांडेकर, दयाल पन्दरे,नजेंद्र बोपचे, टेकचंद मनघटे, राधेश्याम कनोजे, संजय चौरे, दिलीप कुभरे, हंसराज जगने,कैलाश तुरकने,दिनदयाल बाटेकर, घनश्याम खरोले सहित अन्य ग्रामवासी उपस्थित रहे।

कम्यूनिटी हेल्थ ऑफिसरो ने अपनी मांगों को लेकर विधायक पटेल को सौंपा ज्ञापन

कम्यूनिटी हेल्थ ऑफिसर के नियमों को वापस ले प्रदेश सरकार-विवेक पटेल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। कार्य आधारित प्रोत्साहन राशि के मापदंडों में अप्रत्याशित बदलाव से असंतुष्ट कम्युनिटी हेल्थ ऑफि सर ने मंगलवार को विधायक जनसंपर्क कार्यालय पहुंचकर अपनी आठ सूत्रीय मांगों को लेकर विधायक विवेक पटेल को ज्ञापन सौंपकर नियमों को वापस लेने और पुरानी व्यवस्था बहाल करने की मांग की है। कम्युनिटी हेल्थ आफि सर का कहना है कि नए मापदंड अव्यवहारिक है जिससे उन्हें प्रोत्साहन राशि प्राप्त करने में काफी मुश्किल हो रही है। जिससे उनके मनोबल पर असर पड़ रहा है। इस दौरान वैशाली बोपचे, जानेश्वरी खरे, रीता गौतम, योगेश्वरी डहारे,सोनम गौतम,प्रियंका बोपचे, श्रद्धा तुमराने, ईशा नागेंद्र, अंकिता मर्सकोले, प्रिया बिसेन, दीक्षा चित्रिव, स्मृति धारने, ललिता पांचे, अश्विनी पटले, प्रतिमा भगत, आराधना तुमरे, अनीता लिल्हारे, कोनी कुशराम, टीना मर्सकोले, भूमेश्वरी लिल्हारे सहित अन्य लोग मौजूद रहे। प्रतिमा भगत ने कहा कि हम सभी कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर हमेशा ईमानदारी के साथ काम करते है। उसके बावजूद भी हमें १० माह से कार्य प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहित राशि नहीं मिल रही है कई बार हमारे द्वारा उच्च अधिकारियों को अवगत कराया जा चुका है। परंतु अभी तक कोई समाधान नहीं हो पाया है कोरोनाकाल में भी हमने अपनी जीवन की परवाह ना करते हुए पूरी मेहनत और ईमानदारी के साथ स्वास्थ्य विभाग में सेवा दी है। बावजूद इसके हमें अपना हक नहीं मिल पा रहा है जब भी अधिकारियों से पूछते है तो हमें शासन से बजट नहीं होने का कारण बता दिया जाता है। कम्यूनिटी हेल्थ ऑफि सर वैशाली पारधी ने बताया कि असंचारीरोग का राष्ट्रीय लक्ष्य एक हजार की संख्या पर ३७ प्रतिशत है ३७ प्रतिशत का १५ प्रतिशत भाग मासिक लक्ष्य के रूप में रखा गया है। जो कि पूर्ण पाना संभव नहीं है। वहीं ओरल कैंसर का मासिक स्क्रीनिंग का लक्ष्य टारगेट ३७ प्रतिशत रखा गया है। पोर्टल पर पांच वर्ष में एक बार ही स्क्रीनिंग की जा सकती है आयुष्मान आरोग्य मंदिर की जनसंख्या भी अत्यधिक है। जिसके कारण स्क्रीनिंग का लक्ष्य लगभग प्रतिमाह पूर्ण हो रहा है। वहीं कुछ आयुष्मान आयोग्य मंदिर की जनसंख्या कम है जहां शतप्रतिशत स्क्रीनिंग पहले ही की जा चुकी है। शासन ने जो पहले टारगेट रखा था वही रखा जाए। अगर हमारी मांगे पूरी नहीं होती तो बहुत जल्द हम सभी हड़ताल में जायेंगे। विधायक विवेक पटेल ने कहा कि वारासिवनी खैरलांजी क्षेत्र के कम्यूनिटी हेल्थ ऑफिसर को अतिरिक्त कार्य का बोझ दिया जा रहा है। उन्हें भत्ते नहीं दिया जा रहा है उनसे कार्य अत्यधिक कराया जा रहा है। हम उनकी सभी मांगो को एनएचएम भोपाल तक पहुंचाएंगे।

काली माता मंदिर में २७४ मनोकामना ज्योति कलश प्रज्वलित

महाष्टमी पर हवन महानवमी पर होगा जवारो का विसर्जन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी बालाघाट मार्ग पर स्थित ग्राम पंचायत वारा के अंतर्गत मां काली माता मंदिर में प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी हर्षोल्लास एवं धार्मिक मान्यताओं के अनुरूप चैत्र नवरात्र पर्व मनाया जा रहा है। जिसमें १९ मार्च को चैत्र नवरात्र पर्व की प्रथम तिथि पर विधि विधान से वेद मंत्र के उच्चारण के साथ पूजा अर्चना करने के पश्चात २७४ मनोकामना ज्योति कलश प्रज्वलित कर आरती की गई। जिसके बाद से प्रतिदिन सुबह शाम ८.३० बजे दुर्गा पाठ एवं आरती कर मां भगवती के नौ रूपों की आराधना की जा रही है। जहां पर २६ मार्च को हवन पूजन कर आयोजन महाष्टमी के अवसर पर किया जायेगा साथ ही मां भगवती की विशेष पूजा आराधना होगी। इसका समापन महानवमी पर २७ मार्च को विधि विधान से मां भगवती की पूजा अर्चना एवं जवारे विसर्जन कर किया जाएगा। नगर व आसपास में मां काली माता मंदिर एक प्रसिद्ध मंदिर है जहां बालाघाट जिला सहित अन्य जिलों के भी लोग मां भगवती के दर्शन करने के लिए पहुंच रहे हैं। वही सुबह शाम मंदिर में माता के दर्शन के लिए भक्तों की भीड़ लग रही है जो मां भगवती की पूजा अर्चना कर मनोकामना मांग रहे हैं। ऐसे कई लोग हैं जिनकी मांगी गई मनोकामना पूर्ण भी हुई है जो हर वर्ष आते है। मां काली माता मंदिर में वारासिवनी नगर सहित बालाघाट जिला व अन्य जिले जैसे छिंदवाड़ा, गोंदिया ,बिलासपुर ,रायपुर ,भंडारा व अन्य जिलों के भी लोगों की काली माता मंदिर में खासी आस्था है। जो शारदेय एवं चैत्र नवरात्र पर्व पर मंदिर में ज्योति कलश की स्थापना करते हैं माता के दर्शन के लिए आते हैं। यह वही लोग हैं जिन्हें मंदिर से लाभ हुआ है या वारासिवनी के निवासी है जो अब बाहर रहने लगे हैं। इनके द्वारा प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी ज्योति कलश की स्थापना की गई है जिसमें कुल २७४ ज्योति कलश स्थापित किए गए हैं जिसमें २९ घी एवं २४५ तेल के है। मंदिर के पुजारी ने बताया कि काली माता मंदिर में शारदेय और चैत्र दोनों नवरात्र पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाए जाते हैं। जिसमें चैत्र प्रतिपदा के दिवस शाम ५ बजे से विशेष पूजा अर्चना उपरांत २७४ मनोकामना ज्योति कलश प्रज्वलित किए गए थे। इस दौरान भजन जस कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया प्रतिदिन सुबह शाम आरती कर मां भगवती के नौ रूपों की आराधना की गई। महाष्टमी के अवसर पर हवन पूजन कर विशेष पूजा एवं नवमी के अवसर पर जवारो का विसर्जन उपरांत नवरात्र पर्व का समापन किया जाएगा। इस अवसर पर लोगों से अपील है कि वह आधिकाधिक संख्या में मंदिर में उपस्थित होकर मां भगवती का आशीर्वाद ग्रहण करें।

सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कक्षा ९ वीं एवं ११ वीं का परीक्षा परिणाम घोषित

कक्षा 9 वी में माही बोरकर और कक्षा 11वीं में हेमा उईके प्रथम

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शासकीय सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक के प्राचार्य हुमराज पटले ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि वर्ष २०२५-२६ में स्थानीय कक्षा ९वीं एवं ११वीं इस वर्ष का परीक्षा परिणाम विगत वर्ष के परीक्षा परिणाम से बेहतर एवं सराहनीय रहा। इस वर्ष विद्यालय में कक्षा ९ वीं की परीक्षा में ३६२ विद्यार्थियों में ३५९ परीक्षार्थी प्रविष्ठ हुए, जिनमें प्रथम श्रेणी में १८४, द्वितीय श्रेणी में १०६ तथा तृतीय श्रेणी में निरंक विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए। इस प्रकार कुल २२० छात्र/छात्राए उत्तीर्ण हुए कुल परीक्षा परिणाम ६१.२८ प्रतिशत रहा। विद्यालय में प्रथम स्थान पर माही बोरकर ने ९४.८३ प्रतिशत अंक लेकर संस्था में सर्वोत्कृष्ट स्थान पाया। वहीं द्वितीय स्थान पर कृति बिसेन ९२.५ प्रतिशत तथा ९२ प्रतिशत लेकर तृतीय स्थान पर आदित्य गौतम और आरूषी पटले रही। इसी प्रकार कक्षा ११वीं की परीक्षा में विद्यालय के सभी संकायो में कुल दर्ज ३५८ परीक्षार्थीयों में ३५६ परीक्षार्थी सम्मिलित हुए। जिनमें प्रथम श्रेणी में १८४, द्वितीय श्रेणी में १०६ एवं तृतीय श्रेणी में निरंक परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए। इस प्रकार कुल २९० छात्र/छात्राएं उत्तीर्ण हुए कुल परीक्षाफल ८१.४६ प्रतिशत रहा। विद्यालय में कक्षा ११वीं में प्रथम स्थान पर हेमा उईके ने ९२.६ प्रतिशत अंक लेकर संस्था में सर्वोत्कृष्ट स्थान पाया। वहीं द्वितीय स्थान पर मानष बंसोड़ ८८ प्रतिशत तथा ८६.८ प्रतिशत लेकर तृतीय स्थान पर रीया नागेश्वर रही। विद्यार्थियों की इस सफलता पर विद्यालय प्राचार्य हुमराज पटले , लखन रिनायत, श्रीमती वंदना शर्मा, डेलेन्द्र मेश्राम ,प्रवीण राणा, शरद सोनी, राम कुमार चौहान, डी.एस.तुरकर,अमित डोंगरे सहित समस्त शाला परिवार ने अपनी बधाईयाँ प्रेषित की साथ ही भविष्य की शुभकामनाएं भी प्रेषित की है। संस्था प्राचार्य एवं शिक्षकों ने अनुत्तीर्ण हुए परिक्षार्थियों को निराश नही होकर पढ़ाई करने की बात कही। जिसके लिए हर संभव इन परिक्षार्थियों को मदद देने हेतु संस्था के सभी शिक्षक कृतसंकल्पित है।

तकनीक का लोकतंत्रीकरण और सृजन का नया युग

वैश्विक क्षितिज पर भारत का डिजिटल परिदृश्य आज जिस तीव्र गति से बदल रहा है,वह केवल तकनीकी प्रगति का शुभ संकेत दी नहीं,बल्कि एक व्यापक सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन का परिचायक भी है। इस क्रान्तिकारी परिवर्तन के केंद्र में वह सोच है,जो तकनीक को कुछ विशेष वर्गों तक सीमित न रखकर उसे आम जन तक पहुँचाने की वकालत करती है। इसी दृष्टि को साकार करते हुए केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा आरंभ की गई तीन नई पहलें एक नए भारत की डिजिटल आकांक्षाओं को आकार देती दिखाई देती हैं। आज के कार्यक्रम में उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सरकार का उद्देश्य तकनीक को सुलभ,सस्ता और सर्वसुलभ बनाना है,ताकि देश का हर नागरिक डिजिटल क्रांति का भागीदार बन सके। उन्होंने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की उस सोच को दोहराया,जिसमें तकनीक को लोकतांत्रिक बनाने पर विशेष बल दिया गया है। उनके अनुसार,इन पहलों के माध्यम से न केवल तकनीक की पहुँच बढ़ेगी,बल्कि यह आम लोगों के जीवन को सरल और सशक्त भी बनाएगी। मंत्री ने एमवाईडब्लूएवीईएस प्लेटफॉर्म को एक ऐसे सशक्त मंच के रूप में रेखांकित किया,जहाँ देश का हर नागरिक अपनी रचनात्मकता को अभिव्यक्त कर सकता है। उन्होंने अपने उदगार में उल्लेख किया कि आज का भारत केवल कंटेंट का उपभोक्ता नहीं रहना चाहता,बल्कि वह कंटेंट निर्माण में भी वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने रचनाकारों से आह्वान किया कि वे अपने क्षेत्र, संस्कृति और परंपराओं की कहानियों को इन मँचों के माध्यम से दुनिया तक पहुँचाएँ,जिससे भारत की विविधता और समृद्धि को एक नई पहचान मिल सके। राष्ट्रीय ए आई स्किलिंग पहल पर बोलते हुए अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यह कार्यक्रम आनेवाले समय की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। आज लगभग 15 हजार युवाओं को नि:शुल्क प्रशिक्षण देकर उन्हें भविष्य की तकनीकों के लिए तैयार किया जाएगा। उनके शब्दों में, 卐यह पहल युवाओं को केवल कौशल ही नहीं देगी,बल्कि उन्हें वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के योग्य बनाएगी। 卐 यह कथन इस बात का संकेत है कि सरकार एआई को केवल एक तकनीक नहीं,बल्कि एक अवसर के रूप में देख रही है। आज के इस कार्यक्रम में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव संजय जाजू ने भी इन पहलों की व्यापकता और प्रभाव को रेखांकित करते हुए कहा कि यह तीनों पहलें एक साझा नीति दिशा को प्रतिबिंबित करती हैं। उन्होंने अपने उद्गार में स्पष्ट किया कि पहली पहल लोगों को सक्षम बनाएगी,दूसरी उन्हें नए अवसर प्रदान करेगी और तीसरी यह सुनिश्चित करेगी कि कंटेंट की पहुँच समाज के अंतिम व्यक्ति तक हो। उनके अनुसार,यह केवल योजनाएँ नहीं हैं,बल्कि एक मजबूत और समावेशी डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण की दिशा में ठोस कदम हैं। यदि इन उद्गारों को व्यापक संदर्भ में देखा जाए,तो यह स्पष्ट होता है कि सरकार की सोच बहुस्तरीय है। एक ओर जहाँ कौशल विकास के माध्यम से युवाओं को तैयार किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर उन्हें अभिव्यक्ति और अवसर के मंच भी प्रदान किए जा रहे हैं। साथ ही,तकनीकी अवरोधों को कम करके यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि इन अवसरों का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुँचे। इंडियन इंस्चूयूट क्रियेटेवी ट्रेकनालाँजी के माध्यम से संचालित राष्ट्रीय एआई स्किलिंग पहल इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कड़ी है।

तेज होती हथियारों की होड़ और अस्थिर होती विश्व व्यवस्था

तेज होती हथियारों की होड़ और अस्थिर होती विश्व व्यवस्था आज मानव सभ्यता के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बनकर खड़ी है। दुनिया एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गई है जहां युद्ध केवल सीमाओं पर लड़े जाने वाले संघर्ष नहीं रह गए हैं, बल्कि उनका प्रभाव पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा व्यवस्था, पर्यावरण, सृष्टि-संतुलन, खाद्य सुरक्षा और सामाजिक स्थिरता तक पहुंच रहा है। पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव, ईरान और इजरायल के बीच हमलों का नया दौर, अमेरिका की रणनीतिक भूमिका, रूस-यूक्रेन युद्ध और चीन-ताइवान तनाव जैसे अनेक घटनाक्रम मिलकर यह संकेत दे रहे हैं कि दुनिया एक बार फिर हथियारों की दौड़ और शक्ति संतुलन की राजनीति की ओर लौट रही है। यह स्थिति केवल राजनीतिक या सामरिक नहीं, बल्कि मानवीय संकट का संकेत भी है, क्योंकि जब दुनिया हथियारों पर ज्यादा खर्च करती है तो विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण जैसे क्षेत्र पीछे छूट जाते हैं।

आज हर देश अपनी सुरक्षा के नाम पर हथियार खरीद रहा है, सेना को मजबूत कर रहा है और सैन्य बजट बड़ा रहा है। यह एक ऐसी दौड़ बन गई है जिसमें कोई भी देश पीछे नहीं रहना चाहता। लेकिन विडंबना यह है कि जितने अधिक हथियार बढ रहे हैं, दुनिया उतनी ही असुरक्षित होती जा रही है। सुरक्षा की यह मानसिकता वास्तव में असुरक्षा का ही परिणाम है। एक देश हथियार बढ़ाता है तो दूसरा देश भी हथियार बढ़ाता है और इस तरह एक अविश्वास का वातावरण बन जाता है। यह अविश्वास ही युद्ध की जमीन तैयार करता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि आने वाले वर्षों में दुनिया का सैन्य खर्च कई गुना बढ़ जाएगा और यह पैसा मानव विकास के बजाय विनाश की तैयारी में खर्च होगा। यह स्थिति मानव सभ्यता के लिए शुभ संकेत नहीं है। पश्चिम एशिया का संकट इस समय दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा बनता दिखाई दे रहा है। ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते हमले, समुद्री मार्गों की सुरक्षा को लेकर तनाव और बड़े देशों की प्रत्यक्ष या परोक्ष भागीदारी ने इस क्षेत्र को युद्ध के कगार पर खड़ा कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा समुद्री मार्ग खोलने की चेतावनी को खारिज करते हुए ईरान ने इजरायल पर हमलों का नया दौर शुरू किया है, जिससे यह संकट और अधिक गंभीर हो गया है। यदि यह संघर्ष लंबा चलता है तो इसका प्रभाव केवल इस क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया पर पड़ेगा, क्योंकि यह क्षेत्र दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति का केंद्र है।

दुनिया की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा तेल और गैस पर निर्भर है और पश्चिम एशिया तेल उत्पादन का सबसे बड़ा क्षेत्र है। यदि वहां युद्ध बढ़ता है या समुद्री मार्ग बाधित होते हैं तो तेल की कीमतें तेजी से बढ़ेंगी। तेल महंगा होगा तो पेट्रोल-डीजल महंगा होगा, परिवहन महंगा होगा, उत्पादन लागत बढ़ेगी और अंतत: हर वस्तु महंगी हो जाएगी। यानी एक वैश्विक महंगाई का दौर शुरू हो सकता है। महंगाई बढ़ने से गरीब और मध्यम वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित होगा। इसके साथ ही व ै ि श्व क अर्थव्यवस्था मंदी की ओर भी जा सकती है। पहले से ही कई देश आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं और यदि ऊर्जा संकट ब?ता है तो स्थिति और गंभीर हो जाएगी। भारत जैसे देश भी इस स्थिति से अछूते नहीं रह सकते, क्योंकि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है। इसी खतरे को देखते हुए भारत सरकार ने ऊर्जा आपूर्ति, पेट्रोल-डीजल, गैस और उर्वरकों की उपलब्धता बनाए रखने को लेकर तैयारी शुरू कर दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंत्रियों के साथ आपात बैठक कर ऊर्जा आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने और संभावित संकट से निपटने की रणनीति पर चर्चा की। केवल केंद्र सरकार की तैयारी पर्याप्त नहीं होगी, राज्य सरकारों को भी इस स्थिति को समझते हुए ऊर्जा संरक्षण, आपूर्ति प्रबंधन और आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में कदम उठाने होंगे।

इस पूरे परिदृश्य में सबसे बड़ी चिंता यह है कि दुनिया युद्ध को रोकने के बजाय उसकी तैयारी ज्यादा कर रही है। युद्ध शुरू करना आसान होता है, लेकिन उसे रोकना बहुत कठिन होता है। इतिहास गवाह है कि कई युद्ध ऐसे हुए जो कुछ दिनों के लिए शुरू हुए लेकिन वर्षों तक चलते रहे और उन्होंने पूरी दुनिया को प्रभावित किया। आज भी यदि पश्चिम एशिया का युद्ध फैलता है तो यह केवल दो या तीन देशों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि बड़े देशों की भागीदारी से यह वैश्विक संघर्ष का रूप ले सकता है। इसलिए यह जरूरी हो गया है कि विश्व के बड़े देश आगे बढ़कर युद्ध विराम की पहल करें और वार्ता का रास्ता निकालें। अमेरिका की भूमिका इस पूरे संकट में बहुत महत्वपूर्ण है। यदि अमेरिका चाहे तो वह इजरायल पर दबाव डाल सकता है, ईरान के साथ वार्ता शुरू करा सकता है और संयुक्त राष्ट्र के माध्यम से युद्ध विराम की दिशा में कदम उठा सकता है। कूटनीति का रास्ता हमेशा युद्ध से बेहतर होता है, क्योंकि युद्ध में अंततः नुकसान सभी का होता है। युद्ध में सैनिक मरते हैं, नागरिक मरते हैं, शहर बर्बाद होते हैं, अर्थव्यवस्था टूटती है और आने वाली पीढ़ियां तक उसके दुष्परिणाम झेलती हैं। इसलिए आज दुनिया को हथियारों की दौड़ नहीं, शांति की दौड़ की जरूरत है।

हथियारों की होड़ का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि इससे विकास रुक जाता है। दुनिया के कई देश ऐसे हैं जहां आज भी लोग गरीबी, भूख, बीमारी और अशिक्षा से जूझ रहे हैं, लेकिन सरकारें शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च बढ़ाने के बजाय हथियारों पर खर्च बड़ा रही हैं। यह मानवता के साथ एक तरह का अन्याय है। यदि दुनिया का सैन्य बजट का एक छोटा हिस्सा भी शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च कर दिया जाए तो दुनिया से गरीबी और भूख को काफी हद तक खत्म किया जा सकता है। लेकिन दुर्भाग्य से दुनिया की राजनीति अभी भी शक्ति संतुलन और सैन्य प्रभुत्व के इर्द-गिर्द घूम रही है। आज आवश्यकता इस बात की है कि विश्व नेतृत्व यह समझे कि असली शक्ति हथियारों में नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था, विज्ञान, शिक्षा और मानव विकास में होती है। जो देश अपने नागरिकों को बेहतर जीवन देता है, वही वास्तव में शक्तिशाली देश होता है। युद्ध और हथियार केवल विनाश लाते हैं, विकास नहीं। इसलिए दुनिया को यह तय करना होगा कि उसे हथियारों की दुनिया बनानी है या मानवता की दुनिया।

यदि वर्तमान परिस्थितियों में युद्ध नहीं रुके और हथियारों की होड़ इसी तरह बढ़ती रही तो आने वाले वर्षों में दुनिया को महंगाई, बेरोजगारी, आर्थिक मंदी, ऊर्जा संकट और सामाजिक अस्थिरता जैसे अनेक संकटों का सामना करना पड़ सकता है। यह स्थिति पूरी मानवता के लिए खतरनाक होगी। इसलिए अब समय आ गया है कि विश्व के सभी देश अपने संकीर्ण राष्ट्रीय हितों से ऊपर उठकर वैश्विक हितों के बारे में सोचें और युद्ध के बजाय शांति, सहयोग और सहअस्तित्व का मार्ग अपनाएं। मानव सभ्यता का भविष्य हथियारों से नहीं, बल्कि शांति, संवाद और सहयोग से सुरक्षित हो सकता है। यही समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और यही मानवता की सबसे बड़ी जिम्मेदारी भी।

युद्ध का अंधेरा मानवता को केवल विनाश, महंगाई, भय और अस्थिरता देता है, जबकि दुनिया को आज शांति, संवाद और स्थिरता का उजाला चाहिए, और इस दिशा में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकती है। आज वैश्विक परिदृश्य में भारत केवल एक उभरती अर्थव्यवस्था नहीं बल्कि एक नैतिक शक्ति के रूप में देखा जा रहा है, और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का व्यक्तित्व एक ऐसे विश्व नेता के रूप में उभरा है जो युद्ध नहीं, संवाद-संघर्ष नहीं, सहयोग और हिंसा नहीं, सहअस्तित्व की बात करता है। भारत बुद्ध, महावीर और गांधी की अहिंसा की परंपरा का देश है, इसलिए भारत यदि सक्रिय कूटनीतिक पहल करे, युद्धरत देशों के बीच संवाद का सेतु बने, संयुक्तराष्ट्र के मंच पर युद्ध विराम की ठोस पहल करे, तो वह विश्व राजनीति को नई दिशा दे सकता है। मोदी यदि शांति, अहिंसा, वैश्विक संवाद और आर्थिक सहयोग के चार सूत्रों पर विश्व को साथ लाने की पहल करें तो भारत वास्तव में विश्व शांति का मार्गदर्शक बन सकता है और युद्ध की दिशा में बढ़ती दुनिया को शांति और स्थिरता की दिशा में मोड़ने में ऐतिहासिक भूमिका निभा सकता है।

- ललित गर्ग

कहो तो कह दू-जब कलेक्टर गांव में रात नहीं बिता रहे तो मंत्रियों की तो बात ही छोड़ दो

-चैतन्य भट्ट

अभी तक तो प्रदेश के मुखिया अपने अफसरों विशेष कर कलेक्टर और कमिश्नरों को गांव में रात बिताने का उपदेश देते रहे लेकिन किसी ने ये हिम्मत नहीं दिखाई अब ये पता लगा है कि प्रदेश के मुखिया जी ने मंत्रियों को भी अपने-अपने प्रभार के जिलों में रुकने और जिले के किसी गांव में रात बिताने और बैठक लेने के निर्देश दिए थे लेकिन जो खबरें आई है उसमें ये पता लगा है कि किसी प्रभारी मंत्री ने एक या दो बैठक ली तो किसी ने मात्र एक दिन उस शहर में बिताया अब आप ही बताओ कि जब कलेक्टर कमिश्नर गांव में रात बिताने तैयार नहीं तो फिर मंत्रियों से कैसे उम्मीद की जा सकती है । अपने को तो कई बरस हो गए ये फरमान सुनते और अखबारों में पढ़ते, जो भी सरकार आती है जो भी मुख्यमंत्री बनता है तो वो अपने मंत्रियों को कहता है कि आप लोगों को जिस जिले का प्रभार दिया गया है वहां बैठकें करे उधर की समस्याओं से दो चार हों , बेहतर हो कि अगर उस इलाके के किसी गांव में आप अगर रात बिताते हैं तो वहां की समस्याओं से आप परिचित हो पाएंगे पर अपने को तो अभी तक का इतिहास ये बताता है कि ये एक फॉर्मेलिटी है जिसे हर मुख्यमंत्री और सरकार निभाती रहती है, इधर मंत्री भी इस निर्देश के बाद सोचते है कि हम लोगों ने रात दिन मेहनत की है तब कहीं जाकर मंत्री बने हैं कितने पापड़ बेलने पड़े तब जाकर ये जलवा अपने कब्जे में आ पाया है और क्या इसलिए मंत्री बने हैं कि अपना बड़ा बंगला, अपना एयर कंडीशन ऑफिस, छोड़कर गांव में जाकर रात बिताए, पेड़ के नीचे खटिया बिछा कर सोएं, अपने आप को मच्छरों से कटवाए ,दिशा मैदान के लिए जंगल जाएं । हम लोग तो राज करने के लिए पैदा हुए और राज करते रहेंगे , वैसे भी फुर्सत किसको है अपने प्रभार वाले जिले में जाने की और बैठकें लेने की । आजकल तो टेक्नालॉजी इतनी आगे बढ़ गई है कि हम भोपाल में बैठे बैठे अपने जिले के अफसरों की बैठक वीसी के माध्यम से ले सकते हैं तो फिर काहे को राजधानी छोड़कर इधर उधर मारे मारे फिरें और फिर आजकल भरोसा भी तो नहीं है कुर्सी का ,कब नीचे से खिसक जाए इसलिए राजधानी में रहकर कुर्सी को मजबूती से पकड़ कर रखना भी तो मजबूरी है । दो ढाई तीन एकड़ में हमारा बंगला होता है जहां हम सब्जी भाजी भी उगा लेते हैं अब आप बताइए कि जब ऐसा ऐशो आराम हमारे साथ है तो हम जिले या गांव में जाकर करेंगे क्या? झोपड़ी में रहेंगे, हैंड पंप चलाकर अपनी प्यास बुझाएंगे, ये सब अपने से ना हो सकेगा गांव वालों को या प्रभार वाले जिले के लोगों को कोई परेशानी है तो आ जाएं भोपाल, हम यहीं बैठे बैठे सब ठीक कर देंगे। अपन शर्त लगा सकते हैं कि आज तक किसी अफसर ने गांव में रात नहीं बिताई तो जब अफसर रात बिताने में पीछे हैं तो मंत्रियों की तो बात ही छोड़ दो।

आलू कहना महंगा पड़ गया

ब्रिटेन के एक इंजीनियर को एक आयरिश महिला को आलू कहना इतना महंगा पड़ गया कि उस बेचारे को 29 लख रुपए का मुआवजा देना पड़ गया । दरअसल आयरलैंड आलू की फसल उगाने में सबसे आगे है वहां आलू का सबसे ज्यादा उत्पादन होता है इसलिए जब ब्रिटेन के एक इंजीनियर को आयरिश महिला दिखाई दी तो उसने उसे आलू कहकर पुकार लिया, बस फिर क्या था महिला तो महिला और फिर आइरिश, उसने तत्काल में उस इंजीनियर पर मानहानि का मामला दर्ज करवा दिया उसका कहना था कि यदि किसी देश में भिंडी ज्यादा उत्पादित हो रही हो तो क्या वहां की महिलाओं को भिंडी करके बुलाओगे, या कहीं सकले का ज्यादा उत्पादन हो रहा हो तो क्या वहां के पुरुष को सकलाकहकर बुलाओगे किसी देश में गोभी की फसल ज्यादा हो रही है तो क्या किसी महिला को गोभी के नाम से पुकारोगे ,मामला चला और फिर ये आदेश हुए कि आलू नाम से जिस महिला को पुकारा गया है वो उसके सम्मान पर कुठाराघात है इसलिए इंजीनियर साहब आप 29 लाख रुपया उस महिला को बतौर मुआवजा दो। अपने को तो पता लगा है कि इतना पैसा देने के बाद वो इंजीनियर इतना डर गया है कि अब उसने आलू तक खाना छोड़ दिया है कि क्या पता कब मुंह से आलू शब्द निकल जाए और कोई उस पर मानहानि का मुकदमा ठोक दे, हाल ये है कि अगर उसको सपने में भी आलू दिख जाता है तो बेचारा घबरा के उठ जाता है और रात भर नहीं सोता लोग बाग कहते हैं कि आलू सबसे दमदार सब्जी मानी जाती है इस बात पर अब पूरा भरोसा हो गया कि आलू से बढ़कर दुनिया में कोई नहीं है एक आलू 29 लाख का मुआवजा दिला सकता है इससे बड़ी बात क्या हो सकती है ।

मोहब्बत हो तो ऐसी

मोहब्बत के कई किस्से अपन ने सुने हैं लैला मजनू, शीरी फरहाद, रोमियो जूलियट,सलीम अनारकली जिन्होंने अपनी मोहब्बत के लिए पता नहीं क्या-क्या कर डाला। फरहान ने तो शीरी के लिए नहर खोद डाली थी, मजनू रेगिस्तान के जंगलों में लैला लैला पुकारता हुआ घूमता था, लेकिन ये सब बालिग प्रेमी थे इसलिए उनकी मोहब्बत भी बालिग हो गई थी लेकिन जर्मनी में एक नाबालिक 15 वर्षीय बालक ने अपनी गर्लफ्रेंड जो कुल जमा 14 साल की थी उसे स्कूल ले जाने के लिए एक बस चुरा ली और 130 किलोमीटर दूर स्कूल में उसको स्कूल छोड़कर आ गया, बेचारा जब वापस लौट रहा था तब पुलिस ने जीपीएस के सहारे उसको धर पकड़ा और बस जप्त कर ली । अरे भाई उसको तो इनाम देना चाहिए जो अपनी मोहब्बत को स्कूल छोड़ने के लिए 130 किलोमीटर बस चला कर ले गया सोचो उसका शिक्षा के प्रति कितना अनुग्रह था उसको लगा कि एक दिन भी उसकी गर्लफ्रेंड स्कूल नहीं पहुंच पाएगी तो उसका ज्ञान कमजोर हो जाएगा उसने भी आव देखा न ताव एक बस चुराई और अपनी गर्लफ्रेंड को स्कूल तक पहुंचा दिया बहरहाल चूंकि वह नाबालिक था इसलिए कानूनी कार्यवाही नहीं हुई लेकिन कहते हैं ना कि मोहब्बत में इंसान कुछ नहीं देखता और इसलिए उसने भी ये नहीं देखा कि अगर वह बस चुरायेगा तो कहीं ना कहीं पकड़ तो जाएगा लेकिन उसे इस बात का संतोष है कि उसने अपनी गर्लफ्रेंड को सही टाइम पर स्कूल पहुंचा दिया ।

अहंकार की आग में झुलसती दुनिया और युद्ध की राख में दबती मानवता का भविष्य

पश्चिम एशिया काभू-राजनीतिक परिदृश्य एक बार फिर उस मोड़ पर खड़ा है, जहां हर अगला कदम केवल तनाव को और गहरा करने वाला साबित हो सकता है। हाल के घटनाक्रमों में डोनाल्ड ट्रम्प की चेतावनियों, ईरान की आक्रामक प्रतिक्रिया और इजरायल पर हुए हमलों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यह संघर्ष अब केवल सीमित क्षेत्रीय टकराव नहीं रह गया, बल्कि वैश्विक स्थिरता के लिए गंभीर खतरा बनता जा रहा है।

होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर पैदा हुआ विवाद इस संकट का केंद्र बन चुका है। यह मार्ग दुनिया के ऊर्जा आपूर्ति तंत्र की धुरी माना जाता है। यहां किसी भी प्रकार की रुकावट न केवल तेल बाजार को झकझोरती है बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी संकट में डाल देती है। जब अमेरिका ने 48 घंटे का अल्टीमेटम देकर इस मार्ग को खोलने की मांग की, तो यह केवल एक कूटनीतिक बयान नहीं था, बल्कि शक्ति प्रदर्शन का संकेत भी था।

दूसरी ओर, ईरान ने जिस तरह से जवाबी हमलों की चेतावनी दी और यह स्पष्ट किया कि उसके ऊर्जा ठिकानों पर हमला हुआ तो वह पूरे क्षेत्र के महत्वपूर्ण ढांचे को निशाना बनाएगा, उसने इस संघर्ष को और अधिक खतरनाक बना दिया है। विशेष रूप से डीसैलिनेशन प्लांट्स और फ्यूल डिपो जैसे लक्ष्यों की बात करना इस ओर इशारा करता है कि आने वाले समय में यह संघर्ष आम नागरिकों के जीवन पर सीधा प्रभाव डाल सकता है। पानी जैसी बुनियादी जरूरत पर संकट उत्पन्न होना किसी भी क्षेत्र को मानवीय आपदा की ओर धकेल सकता है।

इस पूरे घटनाक्रम में सबसे चिंताजनक बात यह है कि दोनों पक्ष अपने-अपने रुख पर अडिग नजर आते हैं। अमेरिका अपनी वैश्विक शक्ति के भरोसे दबाव बनाने की नीति अपनाता रहा है, जबकि ईरान ने यह दिखाने की कोशिश की है कि वह किसी भी कीमत पर पीछे हटने को तैयार नहीं है। यह टकराव केवल सैन्य ताकत का नहीं, बल्कि राजनीतिक अहंकार का भी प्रतीक बन चुका है।

इतिहास गवाह है कि जब भी महाशक्तियों ने अपने अहंकार के कारण निर्णय लिए हैं, उसका परिणाम व्यापक विनाश के रूप में सामने आया है। चाहे वह शीत युद्ध का दौर रहा हो या मध्य पूर्व के पिछले संघर्ष, हर बार आम जनता को इसकी सबसे बड़ी कीमत चुकानी पड़ी है। आज भी वही स्थिति दोहराई जाती नजर आ रही है।

ईरान द्वारा इजरायल के शहरों पर किए गए मिसाइल हमलों और उसके बाद हुए नुकसान ने यह साबित कर दिया है कि युद्ध में कोई भी पक्ष पूरी तरह सुरक्षित नहीं रह सकता। आधुनिक तकनीक और उन्नत हथियारों के बावजूद, हमलों का प्रभाव सीधे नागरिक क्षेत्रों तक पहुंचता है। अस्पताल, जल संयंत्र, बिजली व्यवस्था और संचार तंत्र—सब कुछ इस आग की चपेट में आ जाता है।

इस संघर्ष में एक और महत्वपूर्ण पहलू वैश्विक प्रतिक्रिया का है। जी-7 देशों द्वारा ईरान के हमलों की निंदा और सऊदी अरब द्वारा ईरानी अधिकारियों को निष्कासित करना यह दर्शाता है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी ध्रुवीकरण तेज हो रहा है। ऐसे में किसी भी छोटी घटना का बड़े युद्ध में बदलना अब पहले से कहीं अधिक आसान हो गया है।

अमेरिका का रुख केवल ईरान तक सीमित नहीं दिखता। क्यूबा और वेनेजुएला जैसे देशों के प्रति उसकी नीति यह संकेत देती है कि वह वैश्विक स्तर पर अपने प्रभाव को बनाए रखने के लिए आक्रामक रणनीति अपनाने को तैयार है। क्यूबा के साथ दशकों पुरानी दुश्मनी और उस पर लगाए गए प्रतिबंध इस बात का उदाहरण हैं कि कैसे राजनीतिक मतभेद आम जनता के जीवन को कठिन बना देते हैं।

यहां सबसे बड़ा प्रश्न यह उठता है कि क्या शक्ति प्रदर्शन वास्तव में समाधान है? क्या सैन्य कार्रवाई से स्थायी शांति स्थापित की जा सकती है? इतिहास का उत्तर स्पष्ट है—नहीं। युद्ध कभी समाधान नहीं रहा, बल्कि समस्याओं को और जटिल बनाने का माध्यम बना है।

भारत जैसे देशों का दृष्टिकोण इस संदर्भ में महत्वपूर्ण हो जाता है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने तटस्थ और संतुलित विदेश नीति अपनाने की कोशिश की है। यह नीति न केवल रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह वैश्विक शांति के लिए एक सकारात्मक संदेश भी देती है। भारत ने हमेशा संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता दी है, जो आज के समय में सबसे आवश्यक है।

जब दुनिया के बड़े देश शक्ति संतुलन की राजनीति में उलझे हुए हैं, तब भारत का यह दृष्टिकोण एक वैकल्पिक मार्ग प्रस्तुत करता है। यह मार्ग बताता है कि संवाद, सहयोग और आपसी सम्मान के आधार पर भी अंतरराष्ट्रीय संबंधों को मजबूत किया जा सकता है।

युद्ध का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि यह केवल सैनिकों तक सीमित नहीं रहता। इसके प्रभाव समाज के हर वर्ग पर पड़ते हैं। बच्चों की शिक्षा बाधित होती है, स्वास्थ्य सेवाएं चरमरा जाती हैं और आर्थिक गतिविधियां ठप हो जाती हैं। इसके अलावा, युद्ध के बाद पुनर्निर्माण की प्रक्रिया वर्षों तक चलती है, जिसमें अपार संसाधनों की आवश्यकता होती है।

आज के समय में जब दुनिया जलवायु परिवर्तन, आर्थिक असमानता और महामारी जैसी चुनौतियों से जूझ रही है, ऐसे में युद्ध जैसे संघर्ष इन समस्याओं को और गंभीर बना देते हैं। संसाधनों का उपयोग जहां विकास और कल्याण के लिए होना चाहिए, वहीं वे विनाश के उपकरणों में बदल जाते हैं।

अहंकार और शक्ति की राजनीति का यह खेल अंतत: मानवता को ही नुकसान पहुंचाता है। जो देश युद्ध शुरू करता है, उसे भी इसकी कीमत चुकानी पड़ती है और जिस पर हमला होता है, उसकी स्थिति तो और भी दयनीय हो जाती है। यही कारण है कि कहा जाता है—युद्ध में कोई विजेता नहीं होता, केवल हारने वाले होते हैं।

इसलिए आज जरूरत है कि विश्व के सभी देश अपने मतभेदों को संवाद के माध्यम से सुलझाने का प्रयास करें। कूटनीति और सहयोग ही वह रास्ता है जो स्थायी शांति की ओर ले जा सकता है।

यदि समय रहते यह समझ नहीं आई, तो आने वाला भविष्य और भी भयावह हो सकता है। एक ऐसा भविष्य, जहां विकास के स्थान पर विनाश की कहानियां लिखी जाएंगी और जहां मानवता केवल संघर्षों की राख में अपना अस्तित्व तलाशती नजर आएगी।

-कांतिलाल मांडोत

रियल एस्टेट में सीमित सुधार, आईटी शहरों में मांग तेज, महंगाई बनी चुनौती

नई दिल्ली। एजेंसी। फरवरी 2026 में देश के रियल एस्टेट सेक्टर में हल्का सुधार देखने को मिला है। घरों की बिक्री वैल्यू के लिहाज से करीब 18 प्रतिशत बढ़ी है, जबकि नए प्रोजेक्ट लॉन्च में 17 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। यूनिट के आधार पर मांग में लगभग 11 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। हालांकि यह सुधार अभी सीमित माना जा रहा है और सभी बाजारों में समान रूप से नजर नहीं आ रहा। इस बार सबसे ज्यादा मांग आईटी और टेक्नोलॉजी सेक्टर वाले शहरों में देखने को मिली। बेंगलुरु, चेन्नई और मुंबई क्षेत्र में बिक्री में मजबूत बढ़त दर्ज की गई। साल की शुरुआत से अब तक बेंगलुरु में 34 प्रतिशत, चेन्नई में 21 प्रतिशत और मुंबई क्षेत्र में 14 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इसके विपरीत एनसीआर और कोलकाता जैसे बाजारों में मांग अपेक्षाकृत कमजोर रही है। फरवरी में नए प्रोजेक्ट लॉन्च बढ़े जरूर हैं, लेकिन कुल मिलाकर सप्लाई अभी भी पीछे है। साल की शुरुआत से अब तक सप्लाई करीब 6 प्रतिशत कम रही है। वहीं बिना बिके घरों का स्टॉक बढ़कर 20 महीने तक पहुंच गया है, जो पिछले साल 19 महीने था। इस दौरान घरों की कीमतों में भी लगातार इजाफा हुआ है। बेंगलुरु में कीमतें करीब 17 प्रतिशत बढ़ी हैं, जबकि चेन्नई और मुंबई में 10 से 13 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है। साथ ही घरों का आकार और औसत कीमत भी बढ़ रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार, आने वाले समय में बिक्री की रफ्तार सीमित रह सकती है। बढ़ती कीमतों के कारण आम खरीदारों के लिए घर खरीदना मुश्किल हो रहा है। यदि डेवलपर्स लग्जरी सेगमेंट पर ज्यादा ध्यान देते रहे, तो मांग और धीमी हो सकती है। ऐसे में मिड-इनकम और प्रीमियम सेगमेंट पर फोकस जरूरी होगा।

मिडिल ईस्ट तनाव के बीच सोना-चांदी के भाव में गिरावट

नई दिल्ली। एजेंसी। मिडिल ईस्ट में बढ़ते कूटनीतिक तनाव और ईरान-अमेरिका के बीच जुबानी टकराव ने सोना और चांदी के निवेशकों को हैरान कर दिया है। मंगलवार सुबह मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने और चांदी की कीमतों में भारी गिरावट देखने को मिली। वैश्विक स्तर पर हॉर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने की आशंकाओं और ईरान के अमेरिकी ठिकानों पर हमले तेज करने की खबरों ने बाजार को हिलाकर रख दिया। अप्रैल वायदा सोना 1,36,945 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया, जो पिछले बंद भाव से 2,315 रुपये कम है। वहीं चांदी का मई अनुबंध 2,15,765 रुपये प्रति किलोग्राम पर फिसल गया, यानी 9,569 रुपये की गिरावट। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 14,050, 22 कैरेट 12,880 और 18 कैरेट 10,541 रुपए प्रति ग्राम पर कारोबार कर रहा है। सोने की अंतरराष्ट्रीय कीमतें लगभग 4,300 डॉलर प्रति औंस पर संघर्ष कर रही हैं। इसका मुख्य कारण ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ती अनिश्चितता और तेल की बढ़ती कीमतें हैं। सोमवार को जब ट्रंप ने बातचीत का संकेत दिया था, तब कीमतें थोड़ी उछली थीं, लेकिन अब अनिश्चितता और भू-राजनीतिक दबाव ने फिर से कीमतों को नीचे धकेल दिया है। मार्च में सोना अपने शिखर से लगभग 25 प्रतिशत नीचे आ चुका है। ऊर्जा की बढ़ती कीमतें और संभावित ब्याज दरों में वृद्धि निवेशकों के लिए सतर्क रहने का संकेत देती हैं। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि इस समय बाजार में छोटे उतार-चढ़ाव पर जल्दबाजी में निवेश निर्णय न लें।

टाटा पावर ने जीयूवीएनएल के साथ अनुपूरक बिजली खरीद समझौते किए

नई दिल्ली। एजेंसी। टाटा पावर की इकाई कोस्टल गुजरात पावर लिमिटेड (सीजीपीएल) ने गुजरात ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड (जीयूवीएनएल) के साथ मूंदड़ा अल्ट्रा मेगा पावर प्रोजेक्ट (यूएमपीपी) के लिए अनुपूरक बिजली खरीद समझौता (पीपीए) पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि यह कदम मूंदड़ा स्थित संयंत्र की इकाइयों के अस्थायी निलंबन के कारण हुआ नुकसान कम करने के लिए उठाया गया है। 2 जुलाई 2025 को संयंत्र की सभी पांच इकाइयों (प्रत्येक 800 मेगावाट) का संचालन अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया था। बंद रहने के कारण कंपनी को आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ रहा था। कंपनी ने पहले ही शेयर बाजार को सूचित किया था कि गुजरात मंत्रिमंडल ने इस अनुपूरक पीपीए को मंजूरी दे दी है और इसके लिए सरकारी आदेश भी जारी किया जा चुका है। नियामकीय मंजूरी मिलने के बाद ही समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते से सीजीपीएल को संयंत्र बंद रहने के दौरान भी बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। टाटा पावर की योजना इसी तरह के अनुपूरक समझौते अन्य राज्यों, जैसे महाराष्ट्र, राजस्थान, पंजाब और हरियाणा के साथ करने की भी है। मूंदड़ा यूएमपीपी कच्छ, गुजरात में स्थित एक 4,000 मेगावाट का कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्र है। इसमें पांच इकाइयां हैं, प्रत्येक की क्षमता 800 मेगावाट। यह संयंत्र गुजरात, महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान को बिजली आपूर्ति करता है। कंपनी का कहना है कि अनुपूरक पीपीए से संयंत्र के अस्थायी बंद होने से होने वाले नुकसान को कम करने में मदद मिलेगी और यह बिजली आपूर्ति की स्थिरता सुनिश्चित करेगा।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को 26 पैसे की गिरावट के साथ ही 93.79 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया 20 पैसे टूटकर 93.73 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान के साथ बातचीत जारी होने के संकेत देने के बावजूद वैश्विक कच्चे तेल की कीमतें बढ़ती रहीं। विदेशी मुद्रा कारोबारियों का कहना है कि विदेशी पूंजी की भारी निकासी से स्थानीय मुद्रा पर और दबाव पड़ा जबकि घरेलू शेयर बाजारों में मजबूत शुरुआत ने तेज गिरावट को कुछ हद तक कम कर दिया। वहीं अंतरराष्ट्रीय विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 93.66 पर खुला। हालांकि बाद में टूटकर 93.73 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 20 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया सोमवार को 94 के स्तर को लांघ गया था। हालांकि अंत में संभलता हुआ 93.53 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने ने वाला डॉलर सूचकांक 0.42 फीसदी की बढ़त के साथ 99.36 पर रहा।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन ये तेजी मध्यपर्व में संघर्ष सामाप्त होने की संभावओं के कारण आई है। इससे घरेलू बाजार में भी खरीददारी हावी रही। । ऑटो और बैंक शेयरों में भी उछाल आया।, जिससे दोनों प्रमुख बेंचमार्क अपने दिन के उच्चतम स्तर के करीब बंद हुए। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,372.06 अंकों की बढ़त के साथ 74,068.45 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 399.75 अंक उछलकर 22,912.40 पर था। आज सेंसेक्स एक समय 74,489.39 पर दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया जबकि निफ्टी एक समय 23,057.30 तक पहुंच गया। व्यापक बाजारों ने बेंचमार्क सूचकांकों से बेहतर प्रदर्शन किया। निफ्टी मिडकैप में 2.60 फीसदी की तेजी रही जबकि निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 2.63 फीसदी की

बढ़त रही। ऑटो सेक्टर में 2.43 प्रतिशत की बढ़त दर्ज रही जबकि निफ्टी मीडिया में 3.45 प्रतिशत की तेजी आई। निफ्टी बैंक सेक्टर 2.27 फीसदी की तेजी रही। निफ्टी आईटी में 1.72 फीसदी जबकि निफ्टी एफएमसीजी में 1.25 फीसदी की तेजी आई।आज इंडिगो और एलएंडटी के शेयरों में सबसे ज्यादा 5.49 फीसदी और 5.17 फीसदीकी बढ़त दर्ज की गई। इसके बाद बजाज फाइनेंस, इटरनल, एशियन पेंट्स और अपोलो हॉस्पिटल के शेयरों में भी अच्छी तेजी रही। कोल इंडिया, पावरग्रिड, सन फार्मा और सिप्ला के शेयरों में गिरावट आई।बाजार में आई तेजी से बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों के कुल बाजार पूंजीकरण में 7.74 लाख करोड़ रुपए की बढ़त आई। इससे गत दिवस के 15.11 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 422.85 लाख करोड़ रुपए हो गया। इस प्रकार एक ही दिन में निवेशकों को करीब 8 लाख करोड़ रुपए का लाभ हुआ। इससे पहले आज सुबह बाजार ने मजबूती के साथ कारोबार की शुरुआत की। एशियाई बाजारों में सकारात्मक रुख और अमेरिका तथा ईरान के बीच तनाव कम होने की उम्मीदों ने निवेशकों के मनोबल को बढ़ाया। सेंसेक्स 500 से अधिक अंकों की बढ़त के साथ 74,212.47

भारतीय रेलवे ने किए बड़े बदलाव, टिकट रिफंड और अपग्रेड नियम हुए सख्त

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय रेलवे ने यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने और टिकट नीतियों में सुधार के लिए नए नियम लागू किए हैं। अब टिकट कैंसिलेशन पर सख्ती बढ़ा दी गई है। ये नए नियम 1 अप्रैल से 15 अप्रैल के बीच लागू होंगे। रेलवे ने कहा है कि यात्रियों को इन बदलावों को ध्यान में रखते हुए अपनी योजना बनानी चाहिए।नए नियमों के अनुसार, अगर कोई यात्री यात्रा से 8 घंटे पहले टिकट रद्द करता है तो उसे कोई रिफंड नहीं मिलेगा। वहीं 24 से 8 घंटे पहले रद्द करने पर केवल 50 फीसदी रिफंड मिलेगा। तीन दिन (72 घंटे) पहले रद्द करने पर भी पूरे पैसे नहीं मिलेंगे, बल्कि 25 फीसदी कटौती के साथ सिर्फ 75 फीसदी राशि लौटाई जाएगी। यात्रियों के लिए राहत की बात यह है कि अब ऑफलाइन टिकट रद्द कराने के लिए उसी स्टेशन पर जाने की जरूरत नहीं है जहां टिकट खरीदी गई थी। देश के किसी भी रेलवे स्टेशन पर जाकर रिफंड लिया जा सकेगा। इससे यात्रियों की भागदौड़ कम होगी और सुविधा बढ़ेगी। रेलवे ने यात्रा को और सुविधाजनक बनाने के लिए भी कई कदम उठाए हैं। अब यात्री ट्रेन खुलने के आधे घंटे पहले तक कोच या क्लास बदल सकते हैं, यानी स्लीपर से एसी में अपग्रेड संभव होगा। इसके अलावा, अगर कोई यात्री तय स्टेशन के बजाय आगे के किसी स्टेशन से ट्रेन पकड़ना चाहता है, तो मोबाइल ऐप के जरिए बोर्डिंग पॉइंट बदलना अब आसान होगा। इन बदलावों का मकसद यात्रियों को अधिक लचीलापन देना और सीट आवंटन प्रक्रिया को पारदर्शी बनाना है।

भारत का ऑयल और गैस सेक्टर पश्चिम एशिया तनाव से प्रभावित

देश में गैस सप्लाई में लगभग 45-47 एमएमएससीएमडी की गिरावट

नई दिल्ली। एजेंसी। पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव के बीच भारत का ऑयल और गैस सेक्टर भारी दबाव में है। एंटीक स्टॉक ब्रोकरेज की रिपोर्ट के अनुसार इस संकट के कारण देश में गैस सप्लाई में लगभग 45-47 एमएमएससीएमडी की कमी हुई है। सबसे अधिक असर गैल पर पड़ा है, जबकि ओएनजीसी को इसका लाभ मिलने की संभावना है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ओएनजीसी के नए प्रोजेक्ट्स जैसे दमन और केजी बेसिन में उत्पादन बढ़ने वाला है। इसके साथ ही कच्चे तेल की कीमतें ऊंची बनी हुई हैं और विंडफॉल टैक्स की वापसी की संभावना नहीं है, जिससे कंपनी की कमाई बढ़ने की उम्मीद है। ब्रोकरेज ने मौजूदा स्तर पर ओएनजीसी के शेयर को आकर्षक बताया और 'बाय' की सलाह दी। गैल को गैस सप्लाई में कमी के कारण हर महीने 250-300 करोड़ रुपये का नुकसान हो सकता है। हालांकि, सरकार की गैस पूलिंग व्यवस्था से कंपनी को कुछ राहत मिल रही है, जिससे महंगी गैस खरीदने पर होने वाले नुकसान से बचाव हो रहा है। हाल ही में शेयर में गिरावट आई है, जिससे निवेश का मौका बन सकता है। ब्रोकरेज ने इस शेयर पर भी 'बाय' की सलाह दी है। पेट्रोनेट एलएनजी के दाहेज टर्मिनल की उपयोग क्षमता घटकर करीब 50 प्रतिशत हो गई है। इसके बावजूद कंपनी की कमाई पर ज्यादा असर नहीं पड़ा क्योंकि उसका बिजनेस मॉडल सुरक्षित है। ब्रोकरेज ने कहा कि अब इसमें जोखिम कम है और सुधार की संभावना है। आईजीएल की बिक्री फिलहाल ठीक चल रही है, लेकिन आने वाले समय में मार्जिन पर दबाव बढ़ सकता है। सस्ती गैस की सप्लाई धीरे-धीरे कम हो रही है, जिससे अगले 2-3 साल में मार्जिन प्रभावित हो सकता है।

मेष- आज का दिन आपके लिए खास तौर पर किसी कानूनी मामले में राहत और सफलता के संकेत दे रहा है। कार्यक्षेत्र में भी आपके बॉस के साथ तालमेल अच्छा रहेगा, जिससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा के रास्ते खुल सकते हैं और उन्हें आगे बढ़ने के नए अवसर मिलेंगे। हालांकि आज आपको दूसरों के मामलों में अनावश्यक दखल देने से बचना होगा।

वृषभ- आज का दिन व्यापार से जुड़े लोगों के लिए काफी अच्छा साबित हो सकता है। आपकी मेहनत रंग लाएगी और आप अपनी पुरानी गलतियों से सीख लेकर आगे बढ़ेंगे। हालांकि संतान की संगति को लेकर मन में चिंता रह सकती है, इसलिए उन पर थोड़ा अधिक ध्यान देने की जरूरत है। अपनी सेहत को नजरअंदाज करना आपके लिए ठीक नहीं होगा, क्योंकि छोटी समस्या भी बड़ी बन सकती है।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए सामान्य लेकिन संतुलित रहने वाला है। आप अपनी माताजी को ननिहाल पक्ष के लोगों से मिलने के लिए लेकर जा सकते हैं, जिससे रिश्तों में मिठास बढ़ेगी। जीवन में भौतिक सुख-सुविधाओं के साधनों में भी वृद्धि के संकेत हैं। व्यापार में आप कुछ नए बदलाव करने की कोशिश करेंगे और ये बदलाव भविष्य में आपके लिए लाभदायक साबित हो सकते हैं।

कर्क- आज का दिन आपके लिए उत्तम फल देने वाला रहेगा। व्यापार में यदि आप पार्टनरशिप में काम कर रहे हैं, तो उसमें अच्छा तालमेल देखने को मिलेगा। परिवार में किसी सदस्य के विवाह में जो बाधा आ रही थी, वह भी अब दूर हो सकती है। रोजगार की तलाश कर रहे लोगों को कोई अच्छी खबर मिल सकती है।

सिंह- आज का दिन आपके लिए मिला-जुला परिणाम देने वाला रहेगा। अपनी जिम्मेदारियों को लेकर आपको थोड़ा सतर्क रहना होगा। रिश्तों में सामंजस्य बना रहेगा और व्यापार में भी आप योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ेंगे। हालांकि किसी बात को लेकर मन थोड़ा परेशान रह सकता है। आज आपको किसी जरूरी जानकारी को दूसरों के साथ साझा करने से बचना चाहिए।

कन्या- आज आपके चारों ओर का माहौल काफी खुशनुमा रहेगा। संतान के साथ आपका तालमेल बहुत अच्छा रहेगा और आप उनके लिए कोई सरप्राइज गिफ्ट भी ला सकते हैं। परिवार के किसी पुराने मामले को मिल-बैठकर सुलझाना बेहतर रहेगा, जिसमें घर के वरिष्ठ सदस्यों की सलाह काम आएगी।

तुला- आज आपका मन भगवान की भक्ति और आध्यात्मिक गतिविधियों में खूब लगेगा। मन की कोई बड़ी इच्छा पूरी होने से आपका मन प्रसन्न रहेगा। घर में किसी अतिथि के आगमन से वातावरण और भी खुशहाल हो जाएगा। हालांकि किसी मामले में धैर्य और संयम बनाए रखना जरूरी होगा। अपने कामों को टालने की आदत से बचें।

वृश्चिक- आज का दिन आपको आय और खर्च के बीच संतुलन बनाकर चलने की सलाह देता है। खर्चे थोड़े अधिक रह सकते हैं और कुछ ऐसे जरूरी खर्च सामने आ सकते हैं, जिन्हें टालना मुश्किल होगा। हालांकि किसी पुरस्कार या सम्मान मिलने से आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज आपको बोलते समय शब्दों का विशेष ध्यान रखना होगा।

धनु- आज का दिन आपकी जरूरतों को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ने वाला रहेगा। आपको अपने खर्चों का सही हिसाब रखना होगा, तभी आर्थिक संतुलन बना रहेगा। संतान की प्रगति देखकर आपका मन बेहद खुश होगा। हालांकि अपने मनमौजी स्वभाव के कारण आप कामों में थोड़ी गड़बड़ी कर सकते हैं, इसलिए सावधानी रखें।

मकर- आज का दिन विद्यार्थियों के लिए बहुत अच्छा रहने वाला है। उन्हें मनचाहे कोर्स में दाखिला मिल सकता है और शिक्षकों का पूरा सहयोग भी प्राप्त होगा। राजनीति या सामाजिक क्षेत्र में काम कर रहे लोगों को अपने कार्यों से नई पहचान मिल सकती है। आपके रहन-सहन के स्तर में भी सुधार देखने को मिलेगा। हालांकि किसी विरोधी से लेन-देन करने से बचें और अनजान लोगों से दूरी बनाए रखें, क्योंकि वे आपको धोखा देने की कोशिश कर सकते हैं।

कुंभ- आज आपकी कुछ खास और प्रभावशाली लोगों से मुलाकात हो सकती है, जो भविष्य में आपके लिए लाभदायक साबित होगी। नौकरी में प्रमोशन या नई जिम्मेदारी मिलने के भी संकेत हैं। लंबे समय बाद किसी पुराने मित्र से मिलकर आपका मन प्रसन्न होगा। माताजी की सेहत को लेकर थोड़ा ध्यान रखने की जरूरत है।

मीन- आज आर्थिक मामलों में थोड़ा सावधान रहने की जरूरत है, क्योंकि खर्च बढ़ने से मन में चिंता बढ़ सकती है। बेवजह के खर्चों से बचना ही आपके लिए बेहतर रहेगा। परिवार में किसी बात को लेकर मतभेद की स्थिति भी बन सकती है, इसलिए धैर्य और समझदारी से काम लें। काम से जुड़े नए-नए विचार आपके मन में आएंगे, जो भविष्य में आपको आगे बढ़ाने में मदद करेंगे। सरकारी योजनाओं से भी आपको लाभ मिलने के संकेत हैं। सबसे जरूरी बात यह है कि अपनी मेहनत और प्रयासों से पीछे न हटें।

शब्दजाल - 8208

अ	क	ल	व	दे	ह	रा	दू	न	ल	क
र	ल्मो	ल	रु	व	जी	ग	द	इ	ट	ली
ग	स	ढ़	ल	द्र	छ	पु	चं	पा	व	त
क	ढ़	ज	य	पु	प्र	न	प	न	ल	उ
क	क	वा	ग	श्री	लं	या	तू	ग	झ	ध
जी	क	ल	ल	ह	झ	पू	ग	ण	घ	म
उ	आ	नै	नी	ता	ल	ल	श	र	ला	सिं
क	त्त	दा	ई	धा	व	क	फ	लो	श	ह
च	बा	र	न	ब्रा	जी	ल	री	ग	प	न
मो	पा	ल	का	व	ह	रि	द्वा	र	प	ग
ली	क	ल	प	शी	न	रा	बा	द	प	र

शब्द जाल में उत्तरांचल के 10 जिलों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

अल्मोडा, चमोली, चंपावत, देहरादून, गढ़वाल,हरिद्वार,नैनीताल,रुद्रप्रयाग, उधमसिंह नगर, उत्तरकाशी

शब्दजाल - 8207 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

25 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	07.03 बजे से
चंद्र	वृष में	वृष	08.43 बजे से
मंगल	कुंभ में	मिथुन	10.42 बजे से
बुध	कुंभ में	कर्क	12.55 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	15.11 बजे से
शुक्र	मीन में	कन्या	17.23 बजे से
शनि	मीन में	तुला	19.34 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	21.48 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	00.04 बजे से
राहुकाल		मकर	02.10 बजे से
12.00 से 1.30		कुंभ	03.56 बजे से
बजे तक		मीन	05.29 बजे से

बुधवार 2026 वर्ष का 84 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि सप्तमी 13.51 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मृगशीर्ष 17.34 बजे को समाप्त।
योग आयुष्मान 06.02 बजे तदनन्तर सौभाग्य 03.10 बजे रात्र को समाप्त।
करण वणिज 13.51 बजे तदनन्तर विष्टि 00.48 बजे प्रात: को समाप्त।
चन्द्रायु 5.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 01° 44'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872659
जूलियन दिन 2461124.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सव्वाल
तारीख 05

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: बैलों के चित्र की कीमत

प्रसिद्ध चित्रकार हैदर अली रजा का जन्म भारत के एक छोटे गांव में हुआ था। बाद में वह पैरिस में जा कर बस गए। जब भी वह भारत आते, अपने गांव अवश्य जाते थे। एक बार वह गांव आए तो पड़ोस के किसान के बैलों की जोड़ी देख कर बहुत प्रसन्न हुए। बैल स्वस्थ और सुदंर थे। रजा ने किसान से पूछा, भाई तुम अपने बैलों की परवरिश किस तरह करते हो कि वे इतने आकर्षक हैं। किसान ने कहा, इनकी परवरिश में अपने बेटों की तरह करता हूं। बैलों की सुंदरता को देख कर रजा के मन का कलाकार जाग उठा। उन्होंने एक छात्र से ड्राइंग की कूची, कागज और रंग मंगाए और उसी समय बैलों की जोड़ी का एक सुंदर चित्र बना दिया। कई साल बाद वह फिर गांव आए। किसान के बैल उसी तरह स्वस्थ और सुंदर थे। उन्होंने किसान को दस हजार रुपये देते हुए कहा कि यह तुम्हारे दोनों सुंदर बैलों के लिए उपहार है। किसान कुछ समझा नहीं। उसने पैसा लेने से मना कर दिया। रजा ने कहा, यह धन मैं अपनी जेब से नहीं दे रहा हूं। यह तो तुम्हारे बैलों की सुंदरता का इनाम है। तुम्हें मालूम है कि पिछली बार मैं ने तुम्हारे बैलों की जोड़ी का चित्र बनाया था। वह चित्र पैरिस के लोगों को बहुत पसंद आया और एक कला प्रेमी ने उसे दस हजार रुपये में खरीद लिया था। इस पैसे पर हक तो इन बैलों का ही है। किसान ने कहा, आप तो अजीब मूर्खों के देश में रहते हो। इतने से आधे दाम में तो मैं बैलगाड़ी समेत उन बैलों को बेच सकता था। रजा ने कहा, तुम ठीक कहते हो। लेकिन जिस दिन सुंदरता का मूल्यांकन खरीद-फरोख्त तक सीमित रह जाएगा, उस दिन कला मर जाएगी, उसके साथ कला का भी अंत हो जाएगा। कला का उद्गम ही सुंदरता में है। चाहे वह बैलों की जोड़ी हो या फ़क़ीर की दाढ़ी या हल जोतते गरीब किसान। किसान रजा के मन का मर्म समझ गया। उसने रजा से एक और चित्र बनवा कर उसे अपने कमरे में टांग दिया।

फिल्म वर्ग पहेली- 7152

बायें से दायें:-

१. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना, शमिता की फिल्म-३
४. 'भंवरे ने खिलाया फूल' गीत वाली ऋषिकपूर, पद्मिनी की फिल्म-४
७. फिरोजखान, संजय, मनीषा की 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
८. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षय, अमृता राव की फिल्म-३
१०. राजेंद्रकुमार, राखी की 'तुम मेरी हो मेरे सिवा किसी' गीत वाली फिल्म-२,२
१२. 'ऐ सनम इतना बता' गीत वाली जैकी, मिथुन, जूही, दिव्या की फिल्म-४
१५. नाना, शाहरूख, संजय कपूर, करिश्मा की 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१६. 'एहसान तेरा होगा मुझ पर' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा बानो की फिल्म-३
१७. 'बागबान' में अमिताभ की पत्नी ?-२
१८. 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली देव आनंद, माला सिन्हा की फिल्म-२
१९. ऋषिकपूर, कमल हासन, डिम्पल की 'मारिया ओ मारिया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'आते जाते हुए' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूर, राखी, परवीन की फिल्म-२
२१. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की 'तोरा मन दर्पण' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज हमने दिल' गीत वाली नसीर, अतुलअग्निहोत्री, पूजाभट्ट की फिल्म-२
२४. राहुलराय, पूजा भट्ट की 'जो प्यार कर गये' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'साल के बारा महीने' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
२६. संजीवकुमार, शर्मिला की १९७४ की कृष्णन पंजु निर्देशित एक फिल्म-४
२९. 'पति पत्नी और वो' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
३०. 'क्या चीज है मुहब्बत' गीत वाली सुनील शेट्टी, दिव्या की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'जब ना माना दिल' गीत वाली फिल्म-३
२. कुलभूषण, जावेद, शबाना, नंदिता दास की एक फिल्म-३
३. 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा, रीना राय की फिल्म-४
५. अमिताभ, वहीदा, जीनत की एक फिल्म-३
६. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-३
९. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'उड़ उड़ उड़ जाये' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका पाल की फिल्म-२
११. 'छुपाना भी नहीं आता' गीत वाली फिल्म-४
१२. अजय देवगन, करिश्मा कपूर की फिल्म-४
१३. जीतेंद्र, कमल सदाना, आयशा, दिव्या की 'तेरी मुहब्बत नें दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१६. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
१९. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की फिल्म-३
२०. राजकपूर मीनाकुमारी की 'ऐ चांद जहां वो जाये' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'जैक एण्ड जिल' गीत वाली अजय, उर्मिला की फिल्म-३
२२. 'मैंने प्यार किया' में नायक कौन था-४
२३. 'आँखों में नींदें ना दिल में' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा की फिल्म-३
२७. फिल्म 'नीलकमल' के संगीतकार कौन थे-२
२८. 'दिलवालों के दिल का करार लूटने' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7151

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7461

★★★✯☆ मध्यम

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7460 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

शब्द पहेली - 8676

बाएँ से दाएँ

1. अँगरखा-4
3. मान-सम्मान,इज्जत-3
5. शुभाशीर्वाद,नियामत-4
8. केश-2
10. कसम,प्रतिज्ञा,वचन-2
11. बुरी आदत-2
13. मगरमच्छ-3
15. परिणाम-3
16. माँड़ी,स्टार्च-3
17. अक्षर (उर्दू-3)
19. रोम,केश-2
20. अधिकार,आरोप-2
21. सतह,स्तर,पटल-2
23. लूटपाट,डाका-4
25. सभ्यीकरण,विवेक-3
26. एक प्रसिद्ध कवि-4

ऊपर से नीचे

1. अनोखा,विचित्र,विलक्षण-3
2. नया,नवीन-2
3. इज्जत-2
4. कपोल-4
6. गमन,प्रेषित-3
7. पिता के पिता-2
9. चुनौती-4
13. गंदगी का ढ़ेर-3
14. असावधानी-4
17. जेल,कालकोठरी-4
18. शोर,ध्वनि,कंपन्न-3
20. ताप,शवदाह-2
22. यज्ञ,आहुति दान-3
23. रहस्य-2
24. जल, पानी-3

शब्द पहेली -8675 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

मामला लोकसेवा केन्द्र लांजी का

क्यों जलाएं गए भारी संख्या में जाति प्रमाण एवं दस्तावेज

तीन सदस्यीय टीम करेगी जांच-एसडीएम

पद्मेश न्यूज. लांजी।

तहसील कार्यालय लांजी के पीछे संचालित लोकसेवा केंद्र इन दिनों सेवा से ज्यादा विवादों के कारण सुर्खियों में बना हुआ है। बीते कुछ महीनों में सामने आए मामलों ने यहां की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। फर्जी जाति प्रमाण पत्र प्रकरण की गूंज अभी थमी भी नहीं थी कि अब बड़ी संख्या में जाति प्रमाण पत्र जलाए जाने की घटना ने पूरे मामले को और गंभीर बना दिया है। लगातार सामने आ रही अनियमितताओं से यह स्पष्ट होने लगा है कि केंद्र में जवाबदेही और निगरानी का अभाव है। वहीं लोकसेवा केंद्र में वर्षों से जमे कुछ कर्मचारियों ने इसे जैसे अपनी निजी कार्यप्रणाली का अड्डा बना लिया है, जिसके कारण बार-बार विवाद सामने आ रहे हैं। ऐसे में अब लोगों की मांग है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए और वर्षों से जमे कर्मचारियों को हटाकर नई व जवाबदेह व्यवस्था स्थापित की जाए।

उल्लेखनीय है कि तहसील कार्यालय लांजी के पीछे स्थित लोकसेवा केंद्र पिछले कुछ समय से लगातार विवादों में घिरा हुआ है। बताया जाता है कि पिछले छह महीनों में यहां से जुड़े कई गंभीर मामले सामने आए हैं, जिन्होंने पूरे तंत्र की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सबसे पहले सितंबर माह में फर्जी जाति प्रमाण पत्र बनाए जाने वाले गिरोह का मामला सामने आया था, जिसकी आंच लोकसेवा केंद्र तक पहुंची थी। इसके बाद आधार कार्ड में फर्जी आईरिस और फिंगरप्रिंट की जांच को लेकर भी यहां की भूमिका पर सवाल उठे। वहीं स्थानीय वेंडर द्वारा लोकसेवा केंद्र में रहकर शासकीय कम्प्यूटरों पर कार्य किए जाने की शिकायतें भी स्थानीय अखबारों की सुर्खियां बनीं। इन घटनाओं के बाद भी स्थिति में कोई खास सुधार नजर नहीं आया और अब बड़ी संख्या में जाति प्रमाण पत्र जलाए जाने की घटना सामने आने से मामला और भी गंभीर हो गया है। सूत्रों के अनुसार यह घटना उस समय की बताई जा रही है जब फर्जी जाति प्रमाण पत्र बनाए जाने की घटना उजागर हुई थी, हालांकि यह अभी स्पष्ट नहीं है कि ये प्रमाण पत्र किस वर्ष या किस अवधि के थे और इन्हें किस सक्षम अधिकारी की अनुमति से जलाया गया। हालांकि इस मामले में एक और महत्वपूर्ण तथ्य सामने आया है। बताया जा रहा है कि प्रमाण पत्र जलाने की यह घटना हाल ही के दिनों की है। यदि यह घटना पुरानी होती तो परिसर के पास लगाए गए कागजों के साक्ष्य अब तक नहीं मिलते, लेकिन वर्तमान में भी मौके पर जले हुए कागजों के अवशेष देखे जा सकते हैं। इन अवशेषों की पुष्टि भी की जा रही है, जिन्हें हमारे द्वारा कैमरे में भी कैद किया गया है। इससे पूरे मामले को लेकर संदेह और गहरा गया है।

स्टांप वेंडर और कम्प्युटर ऑपरेटर की दोहरी भूमिका

लोकसेवा केंद्र को लेकर एक और गंभीर सवाल यह उठ रहा है कि वर्तमान में यहां कार्यरत एक कम्प्यूटर ऑपरेटर स्टांप वेंडर के रूप में भी कार्य कर रहा है। नियमानुसार कोई भी स्टांप वेंडर लोकसेवा केंद्र में कम्प्यूटर ऑपरेटर के रूप में कार्य नहीं कर सकता, क्योंकि इससे शासकीय कार्यों की गोपनीयता भंग होने की आशंका बढ़ जाती है। ऐसे में यह भी सवाल उठने लगे हैं कि जब तहसीलदार और एसडीएम जैसे अधिकारियों के डिजिटल सिग्नेचर का उपयोग लोकसेवा केंद्र के माध्यम से किया जाता है, तो इस तरह की दोहरी भूमिका कहीं इन डिजिटल हस्ताक्षरों के दुरुपयोग का रास्ता तो नहीं खोल रही। इस मामले को लेकर जब लोकसेवा केंद्र में कार्यरत कम्प्यूटर ऑपरेटर खेमेन्द्र चंद्रिकापुरे और एक अन्य कर्मचारी से चर्चा करने का प्रयास किया गया तो उन्होंने कैमरे के सामने कुछ भी कहने से इंकार कर दिया।

पूर्व निविदाकर्ता ने आरोपों से किया इंकार

वहीं वर्ष 2024 तक लोकसेवा केंद्र का संचालन करने वाले निविदाकर्ता का कहना है कि उनके कार्यकाल में किसी भी प्रकार की अनियमितता नहीं हुई। उनका कहना है कि अगस्त 2024 में जब नए निविदाकर्ता को लोकसेवा केंद्र का प्रभार सौंपा गया था, तब सभी आवश्यक दस्तावेज और अभिलेख विधिवत तरीके से सौंपे गए थे। ऐसे में उनके कार्यकाल में जाति प्रमाण पत्र जलाए जाने का सवाल ही नहीं उठता। उनका यह भी कहना है कि वर्तमान में केंद्र में कार्यरत कर्मचारी अपने काले कारनामों को छिपाने के लिए बेवजह आरोप लगा रहे हैं।

प्रशासनिक सख्ती की उठी मांग

स्थानीय लोगों का कहना है कि लोकसेवा केंद्र में कुछ कर्मचारी पिछले 10 से 12 वर्षों से लगातार कार्यरत हैं, जिसके कारण जवाबदेही और अनुशासन का अभाव दिखाई देता है। लोगों का मानना है कि यदि समय-समय पर कर्मचारियों का स्थानांतरण और निगरानी की व्यवस्था होती तो शायद इस तरह की घटनाएं सामने नहीं आतीं। अब प्रमाण पत्र जलाने की घटना सामने आने के बाद एक बार फिर लांजी का लोकसेवा केंद्र चर्चा में है और लोगों द्वारा विभाग से मांग की जा रही है कि यहां व्यापक जांच कर जिम्मेदार कर्मचारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए।

तीन सदस्यीय जांच टीम गठित

इस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम द्वारा तीन सदस्यीय जांच टीम गठित कर जांच शुरू कर दी गई है। जांच में यह स्पष्ट किया जाएगा कि प्रमाण पत्र किस अवधि के थे और उन्हें किसकी अनुमति से जलाया गया।

इनका कहना है

इस पूरे मामले पर लांजी एसडीएम कमलचंद सिंहसार ने कहा कि मेरे द्वारा मामला संज्ञान में आने के बाद जांच टीम बनाकर जांच के निर्देश दे दिए गए हैं। यह जांच का विषय है कि किस अवधि के

प्रमाण पत्र जलाए गए और किसकी अनुमति से यह कदम उठाया गया। जांच के बाद तथ्य सामने आने पर दोषियों के खिलाफ थाने में एफआईआर दर्ज कराई जाएगी।

कमलचंद सिंहसार
एसडीएम, लांजी

टीईटी के विरोध में मध्यप्रदेश शिक्षक संघ संयुक्त मोर्चा ने विधायक को सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज. लांजी। मध्यप्रदेश में लंबे समय से सेवा दे रहे शिक्षकों पर शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) की अनिवार्यता लागू करने के सरकारी फैसले के विरोध में शिक्षक संगठनों का आंदोलन तेज हो गया है। इसी क्रम में 24 मार्च 2026 को मध्यप्रदेश शिक्षक संघ के नेतृत्व में मध्यप्रदेश शिक्षक संघ संयुक्त मोर्चा द्वारा मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन लांजी-किरनापुर विधायक राजकुमार करिहे को सौंपा गया। ज्ञापन में बताया गया कि प्रदेश में शिक्षकों की नियुक्ति राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित नियमों एवं विधिक प्रावधानों के अनुसार की गई है। इन शिक्षकों ने पिछले 20-25 वर्षों से निष्ठा, समर्पण और ईमानदारी के साथ कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वर्तमान में टीईटी की अनिवार्यता लागू होने से लंबे समय से सेवा दे रहे शिक्षकों में चिंता और असमंजस की स्थिति पैदा हो गई है। संघ ने मुख्यमंत्री से विनम्र अनुरोध किया है कि शिक्षा मंत्रालय की ओर से इस विषय में वैकल्पिक व्यवस्था कर उचित निराकरण किया जाए, ताकि लंबे समय से सेवा दे रहे शिक्षकों के हितों की रक्षा सुनिश्चित हो सके। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में मध्यप्रदेश शिक्षक संघ के पूर्व जिला संगठन मंत्री मेघराज नगपुरे की उपस्थिति रही। लांजी ब्लॉक के अध्यक्ष डी.के. फुझारे, उपाध्यक्ष गेंदलाल चिखले, सचिव दिलीप रणदिवे, सेवकराम तिडके, कोषाध्यक्ष प्रमोद कलचुरी, केशव दहीकर, कोमलचंद गुरदे एवं ब्लॉक लांजी के समस्त कार्यकारिणी पदाधिकारी सदस्यगण उपस्थित रहे। विभिन्न विकासखंडों से सहयोगी पदाधिकारियों ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिनमें बिरसा से संभागीय कोषाध्यक्ष प्रहलाद पटले, तहसील अध्यक्ष प्रेम पटले, एस.आर. उके, हेमकुमार नेवारे खैरलांजी, तहसील अध्यक्ष दामेन्द्र मन्दरेले, परसवाडा से ब्लॉक अध्यक्ष संतोष मेश्राम, बालाघाट से जिला उपाध्यक्ष चन्द्रकिशोर भाटिया एवं अन्य शिक्षक/शिक्षिकाएं शामिल थीं।

आंगनवाड़ी केन्द्र में विद्यारंभ संस्कार कर बच्चों को दिया प्रमाण पत्र

पद्मेश न्यूज. लांजी। महिला एवं बाल विकास विभाग के अन्तर्गत आंगनवाड़ी केन्द्रो में नन्हे मुन्ने बच्चो का विद्यारंभ संस्कार आयोजित किये जा रहे इसी कड़ी में 24 मार्च को नगर परिषद लांजी अन्तर्गत वार्ड क्रमांक 03 में स्थित आंगनवाड़ी केन्द्र में बडे ही हर्षोल्लास के साथ विद्यारंभ संस्कार का आयोजन किया गया जिसमें प्रमुख रूप से वार्ड क्रमांक 04 पार्षद प्रेमलता खोबरागड़े, सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती वीणा उपराड़े, वसुंधरा घरडे पर्यवेक्षक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सरिता श्रीवास्तव, सहायिका जागेश्वर श्रीवास सहित अन्य आमंत्रित अतिथि, अभिभावक गण एवं नन्हे मुन्ने बच्चे उपस्थित रहे। विद्यारंभ संस्कार का शुभारंभ अतिथियो के द्वारा माता सरस्वती पूजन अर्चन के साथ किया गया। कार्यक्रम से अवगत कराते हुये सरिता श्रीवास्तव ने बताया कि केंद्र में 5 से 6 वर्ष के बच्चों का विद्यारंभ संस्कार कराया गया तथा बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा से जोड़ते हुए उक्त अतिथियों के हस्ते प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम में बच्चों को शिक्षा के महत्व के बारे में बताया गया और उनके मानसिक, शारीरिक एवं बौद्धिक विकास पर विशेष ध्यान देने की बात कही गई। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ने अभिभावकों को भी बच्चों की शिक्षा में उनकी भूमिका के प्रति जागरूक किया। उन्होंने बताया कि बच्चों को नियमित रूप से केन्द्र भेजना अत्यंत आवश्यक है, जिससे उनका सर्वांगीण विकास संभव हो सके। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने सांस्कृतिक गतिविधियाँ जिनमें गीत, नृत्य कहानी एवं कविता प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। अंत में उपस्थित सभी अभिभावकों से अपील की गई कि वे अपने बच्चों को नियमित रूप से स्कूल अवश्य भेजें ताकि वे अपने माता पिता गांव शहर का नाम रोशन कर सके। उल्लेखनीय है कि जिन बच्चो का जन्म दिवस था उनका जन्म दिवस केक काटकर, शुभकामनाएँ प्रेषित कर मनाया गया। इस दौरान सभी उपस्थित जनों ने बच्चो के उज्जवल भविष्य की कामना कर आशीर्वाद प्रदान किया।

अवैध रेत खनन पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, 4 ट्रैक्टर जब्त, अस्थायी पुल किया ध्वस्त

पद्मेश न्यूज. बालाघाट। जिले में अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं। मंगलवार 24 मार्च 2026 को खनिज निरीक्षक बसंत कुमार पाटिल एवं कोतवाली पुलिस बल बालाघाट द्वारा सुबह संयुक्त रूप से ग्राम कुम्हारी, खैरी एवं भटेरा क्षेत्रों में आकस्मिक जांच अभियान चलाया गया।

उप संचालक खनिज सुश्री फरहत जहां ने बताया कि जांच के दौरान

तीन ट्रैक्टरों को अवैध रूप से रेत का परिवहन करते हुए पकड़ा गया। ग्राम कुम्हारी में बिना नंबर का ट्रैक्टर चालक बालचंद लिल्हारे (निवासी खुरसोड़ी) के कब्जे से जब्त किया गया। वहीं ग्राम खैरी में बिना नंबर का ट्रैक्टर, जिसका मालिक अंकित बघेले (निवासी खैरी) बताया गया, अवैध परिवहन करते पाया गया। ग्राम भटेरा में भी बिना नंबर का ट्रैक्टर चालक टिकेश (निवासी भटेरा) को रेत का अवैध परिवहन करते हुए पकड़ा गया।

इसके अलावा तहसील किरनापुर के ग्राम मंगोली खुर्द स्थित वैनगंगा नदी में अवैध रेत उत्खनन करते हुए एक ट्रैक्टर (MP 50 ZB 0976) को भी जब्त किया गया। उक्त वाहन चालक भोजू राउत (निवासी लिंगमारा) बताया गया है। चारों वाहनों को जब्त कर कलेक्टर कार्यालय की खनिज शाखा परिसर में सुरक्षित रखा गया है। संबंधित आरोपियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण का निवारण) नियम 2022 के तहत आगे की कार्रवाई की जा रही है।

इसी दौरान प्रशासन ने मंगोली खुर्द में बैनगंगा नदी पर अवैध रेत उत्खनन के लिए बनाए गए अस्थायी पुल को ग्राम सरपंच एवं ग्रामीणों की उपस्थिति में क्षतिग्रस्त कर दिया। इस कार्रवाई का उद्देश्य भविष्य में अवैध खनन को रोकना बताया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनन के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

क्षेत्र की शराब दुकानों में कार्य कर रहे कर्मचारियों का प्रशासन के पास नहीं कोई रिकॉर्ड

लांजी शराब दुकान के मेनेजर शेषनाथ यादव को ढुंढने पहुंचीं छत्तीसगढ़ पुलिस

पद्मेश न्यूज. लांजी। जिले एवं आसपास के क्षेत्र की शराब दुकानों में कार्य कर रहे कर्मचारियों का प्रशासन के पास कोई रिकार्ड नहीं है। यह बात विगत दिनों छत्तीसगढ़ की पुलिस एक मामले में लांजी शराब दुकान के मेनेजर को ढुंढने पहुंचीं तब यह बात उजागर हुई। बताया जा रहा है कि अधिकांश शराब दुकानों में उत्तर प्रदेश और बिहार से आए कर्मचारी काम कर रहे हैं। जिनमें से अधिकांश लोगों का स्थानीय पुलिस में कोई रिकॉर्ड नहीं है, या यो कहे कि ठेकेदार के अलावा इनकी पहचान किसी को नहीं है। यदि ये लोग किसी घटना को अंजाम देते हैं तो उन्हें पहचानना लगभग असंभव हो जाएगा। स्थानीय लोगों में इस बात को लेकर गहरी चिंता व्याप्त है कि क्या पुलिस प्रशासन बड़ी घटना घटित होने के बाद ही संज्ञान लेगी? स्थानीय सूत्रों के अनुसार, क्षेत्र में बाहर से आए किसी भी व्यक्ति का पुलिस थाने में 'मुसाफिरी' (यात्री/अतिथि) का रिकॉर्ड अनिवार्य रूप से दर्ज किया जाता है। गांव में व्यापार या अन्य काम से आने वाले व्यक्ति से सबसे पहले यही प्रक्रिया अपनाई जाती है। लेकिन शराब ठेकेदारों की दुकानों में काम करने वाले यूपी-बिहार के कर्मचारियों का रिकॉर्ड न तो आबकारी विभाग के पास है और न ही पुलिस विभाग के पास। सूत्र बताते हैं कि कुछ यूपी और बिहार के अपराधिक प्रवृत्ति वाले लोग वहां घटनाएं करने के बाद फरारी काटने के लिए यहां आते हैं। बताया जाता है कि, शराब ठेकेदारों की पुलिस प्रशासन में अच्छी पहुंच है। इसी कारण इन कर्मचारियों का कोई रिकॉर्ड नहीं लिया जाता। अगर ये लोग कोई गंभीर अपराध कर दें तो पुलिस को भी उन्हें ढुंढने में काफी समय लगेगा। स्थानीय लोग मांग कर रहे हैं कि शराब दुकानों में काम करने वाले सभी बाहरी कर्मचारियों का पूरा विवरण (नाम, पता, आधार कार्ड, फोटो) संबंधित थाने में अनिवार्य रूप से दर्ज किया जाए। सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि बिना रिकॉर्ड वाले बाहरी श्रमिकों की वजह से छोटे-मोटे अपराध बढ़ने के साथ-साथ गंभीर घटनाओं का खतरा भी लगातार बढ़ रहा है। अब सवाल यह है कि क्या जिला पुलिस और प्रशासन इस गंभीर मुद्दे पर तत्काल संज्ञान लेगी या फिर किसी बड़ी घटना का इंतजार करेगी?

अनपढ़ मयाराम के साथ सोम कम्पनी लांजी के मेनेजर ने की ठगी, वृद्धावस्था पेंशन दिलाने की बात कह खरीदा मोबाइल सीम

यह बात वर्तमान में घटित घटना सोम कम्पनी की आमगांव रोड़ स्थित शराब दुकान में लांजी निमटोला निवासी मयाराम गोटाफोड़े जो कि अनपढ़ हैं व झाड़ू-पोछा सफाई का कार्य करता था, जिसे सोम कम्पनी के लांजी मेनेजर शेषनाथ यादव जो वार्ड क्रमांक 15 नीमटोला में नहर के पास निवास एवं कार्यालय बनाकर शराब दुकानों को संचालित करता था, इसके द्वारा मयाराम गोटाफोड़े को दो हजार रूपए वृद्धावस्था पेंशन का लालच देकर अपने साथ जीप में बैठाकर बस स्टैंड स्थित मोबाइल की दुकान पर ले गया एवं आधार कार्ड दिलवाकर फोटो खिचवाया एवं उसके नाम दो सीम कार्ड लेकर उस सीम का दुरूपयोग लांजी से छत्तीसगढ़ अवैध शराब सप्लाई में किया जा रहा था। इसी बीच मेनेजर द्वारा अवैध शराब सप्लाई करने वाला वाहन छत्तीसगढ़ राजनांदगांव पुलिस द्वारा पकड़ा गया। राजनांदगांव पुलिस द्वारा मोबाइल की जांच पड़ताल कर सीम कार्ड मयाराम गोटाफोड़े लांजी निमटोला वार्ड क्रमांक 15 के नाम का पाया गया। 11 मार्च 2026 को राजनांदगांव पुलिस मयाराम गोटाफोड़े का पता करते हुए उसके घर पहुंची, पुलिस को देखकर मोहल्ले पड़ोस के कुछ लोग जमा हो गए, मयाराम भी घर पर ही था, पुलिस द्वारा उससे पूछा गया कि तुम्हारा मोबाइल कहा है मोबाइल दो, तो मयाराम ने कहा कि मैं अनपढ़ हूं मुझे मोबाइल चलाना नहीं आता, मेरी उम्र 70 साल हो गई है मैंने कभी भी मोबाइल अपने पास नहीं रखा। मेरे को सोम कम्पनी के मेनेजर के द्वारा वृद्धावस्था पेंशन का लालच देकर सीम प्राप्त किया ऐसा उसके द्वारा राजनांदगांव पुलिस को बताया। तब पुलिस के द्वारा लिखा-पढ़ी एवं पंचनामा बनाकर उसे छोड़ा गया।

मयाराम गोटाफोड़े के द्वारा 12 मार्च को पुलिस थाना लांजी में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई कि शेषनाथ यादव सोम कम्पनी मेनेजर वर्तमान पता वार्ड क्रमांक 15 नीमटोला नहर के पास निवासरत था जो जानकारी अनुसार गोरखपुर उत्तरप्रदेश निवासी हैं मेरे साथ धोखाधड़ी करने के बाद फरार हो गया। इस मामले अनुविभागीय अधिकारी पुलिस को भी शिकायत दर्ज कराई जिस पर जांच की जा रही है। मांग की गई है कि मामले की जांच कर सोम कम्पनी के मेनेजर शेषनाथ यादव को गिरफ्तार कर अनपढ़ मयाराम गोटाफोड़े को न्याय दिलाया जाएं।

कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय में दो दिवसीय स्नेह सम्मेलन का हुआ शुभारंभ

पद्मेश न्यूज. बालाघाट। शासकीय कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय बालाघाट में 24 मार्च 2026 से दो दिवसीय स्नेह सम्मेलन का शुभारंभ उत्साहपूर्वक किया गया। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मौसम हरिनखेड़े (सदस्य, राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग) उपस्थित रहीं। विशिष्ट अतिथियों में भारती ठाकुर (अध्यक्ष, नगरपालिका परिषद बालाघाट), गौरी लिल्हारे, अर्चना गुप्ता एवं विद्या परिहार की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. निधि ठाकुर के मार्गदर्शन में किया गया। आयोजन समिति में डॉ. सरोज घोड़ेश्वर, विजय तुरकर, डॉ. राहुल सूर्यवंशी एवं मनिका चौबे का विशेष योगदान रहा। स्नेह सम्मेलन में छात्राओं ने एकल एवं समूह नृत्य, फैंसी ड्रेस सहित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की आकर्षक प्रस्तुतियां दीं, जिन्हें उपस्थित जनों ने खूब सराहा। छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, जिनमें डॉ. सुनील कुमार मासुरकर, डॉ. दीपरक्षा मासुरकर, सीमा मिश्रा, डॉ. स्वाति खोब्रागड़े एवं डॉ. अनुभूति सेंडिमन सहित समस्त स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा। अंत में छात्राओं को स्वल्पाहार वितरित किया गया।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबैंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

हाईकोर्ट ने सोम डिस्टिलरीज की याचिका खारिज; लाइसेंस निलंबन की कार्रवाई को सही ठहराया गया

आबकारी टेंडर प्रक्रिया में शामिल नहीं होगी सोम डिस्टलरीः लाइसेंस निरस्त, विभाग की कार्यप्रणाली पर हाई कोर्ट ने उठाए सवाल

भोपाल। सोम डिस्टलरी के अवैध शराब से जुड़े मामले में मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने फैसले को सुरक्षित रख लिया है। इसी वजह से आबकारी टेंडर प्रक्रिया में सोम ग्रुप शामिल नहीं हो पाएगा क्योंकि लाइसेंस पहले ही निरस्त किया जा चुका है। इसके साथ ही न्यायालय ने आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल की एकलपीठ के समक्ष हुई। सुनवाई में सोम डिस्टिलरीज प्राइवेट लिमिटेड बनाम मध्य प्रदेश राज्य मामले में कंपनी को बड़ा झटका लगता दिख रहा है। कंपनी ने लाइसेंस को रद्द करने को चुनौती देने वाली रिट याचिका पर सुनवाई के दौरान अदालत ने स्पष्ट संकेत दिए कि प्रथम दृष्टया आबकारी विभाग की कार्रवाई कानून के अनुरूप है।

अदालत ने रिकॉर्ड का हवाला देते हुए कहा कि 1200 पेटी विदेशी शराब का परिवहन फर्जी ट्रांजिट परमिट के आधार पर किया गया। याचिकाकर्ता कंपनी अपने जवाब में इस गंभीर आरोप का कोई ठोस स्पष्टीकरण नहीं दे सकी। कोर्ट ने टिप्पणी की कि इस तरह की चुप्पी अप्रत्यक्ष रूप से अपराध स्वीकार करने जैसी स्थिति पैदा करती है।

कर्मचारियों को सजा, कंपनी भी जिम्मेदार

राज्य की ओर से पेश अतिरिक्त महाधिवक्ता ने दलील दी कि कंपनी के कर्मचारियों और संबंधित व्यक्तियों को भारतीय दंड संहिता की धाराओं 420, 467, 468, 471 और 120-बी सहित,तथा मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(2) के तहत दोषी ठहराया जा चुका है।

याचिकाकर्ता की दलील कमजोर

अदालत ने अल्टर ईगो सिद्धांत का उल्लेख करते हुए कहा कि कंपनी अपने अधिकारियों/एजेंट्स के कार्यों से अलग नहीं हो सकती है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की दलीलें कमजोर पड़ीं। कंपनी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता नमन नागराथ ने तर्क दिया कि कारण बताओ नोटिस पुराने लाइसेंस अवधि (2023-24) से जुड़ा था। नए लाइसेंस (2024-25, 2025-26) पर इसका असर नहीं होना चाहिए। लेकिन कोर्ट ने इन दलीलों को खारिज करते हुए कहा कि आबकारी

अधिनियम की धारा 31 के तहत कार्रवाई का आधार अपराध है, न कि सिर्फ लाइसेंस की अवधि। प्राकृतिक न्याय के उल्लंघन का दावा भी खारिज किया। कोर्ट ने पाया कि कारण बताओ नोटिस में आरोप स्पष्ट थे।

शराब व्यापार मौलिक अधिकार नहीं

अदालत ने एक अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि शराब का व्यापार कोई मौलिक अधिकार नहीं है। राज्य को इस क्षेत्र में सख्त नियंत्रण का अधिकार है। खासकर जब मामला राजस्व नुकसान और धोखाधड़ी से जुड़ा हो। कोर्ट ने कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर रुख साफ किया। फ्रॉड सभी कार्रवाइयों को शून्य कर देता है। आनुपातिकता के सिद्धांत के तहत भी निलंबन उचित सुप्रीम कोर्ट के पुराने फैसले इस मामले में लागू नहीं होंगे।

व्यावसायिक नुकसान झेलना पड़ेगा

कोर्ट ने यह भी माना कि आबकारी आयुक्त द्वारा की गई कार्रवाई कानून के तहत और उचित प्रक्रिया के अनुसार की गई थी। परमिट में गड़बड़ियों को गंभीर मानते हुए विभाग ने जो कदम उठाया, वह न्यायसंगत है। इस फैसले के बाद सोम डिस्टिलरीज़ को बड़ा आर्थिक और व्यावसायिक नुकसान झेलना पड़ सकता है। लाइसेंस रद्द होने से कंपनी के संचालन और सप्लाई चेन पर सीधा असर पड़ेगा।

कंपनियों ने पुराने नोटिस को आधारहीन बताया

कंपनियों ने दलील दी कि नोटिस 2023-24 की अवधि से जुड़ा था और 31 मार्च 2024 को लाइसेंस समाप्त हो चुके थे। नए लाइसेंस जारी होने के बाद पुराने नोटिस के आधार पर कार्रवाई को अवैध बताया गया। राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता हरप्रीत सिंह रूपराह और शासकीय अधिवक्ता मानस मणि वर्मा ने कहा कि एक्साइज एक्ट के तहत कार्रवाई का अधिकार स्पष्ट है और नियमों का पालन अनिवार्य है।

नियमों के उल्लंघन पर लाइसेंस सस्पेंड करना वैध

हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि शराब का कारोबार पूरी तरह सरकारी नियंत्रण में है। नियमों के उल्लंघन पर लाइसेंस सस्पेंड या रद्द करना कानूनन वैध है। कोर्ट ने कहा कि शो-कॉज नोटिस किसी अवधि तक सीमित नहीं होता। गंभीर आरोप होने पर बाद में भी कार्रवाई संभव है और पुराने उल्लंघन नए लाइसेंस को प्रभावित कर सकते हैं।

धोखाधड़ी साबित होने पर दलीलें कमजोर

फैसले में कहा गया कि धोखाधड़ी किसी भी कानूनी प्रक्रिया को प्रभावित करती है। एक बार आरोप साबित होने पर अन्य दलीलें कमजोर हो जाती हैं। कोर्ट ने कहा कि डिस्टिलिंग, ब्लर्इंग और बॉटलिंग जैसी गतिविधियों में गंभीर उल्लंघन होने पर व्यापक कार्रवाई उचित है। यह निर्णय प्रोपोर्शनैलिटी टेस्ट पर खरा उतरता है।

मप्र में संबल योजना का भुगतान नहीं मिला

- 30,984 श्रमिक परिवारों के लिए 660 करोड़ की जरूरत

भोपाल । मध्यप्रदेश की मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना में बड़ी संख्या में श्रमिक परिवारों को अब तक सहायता राशि नहीं मिल पाई है। योजना के तहत 30,984 हितग्राही परिवारों को अनुग्रह सहायता का लाभ दिया जाना था, लेकिन वित्तीय स्वीकृति में कमी के कारण भुगतान लंबित बना हुआ है। जानकारी के अनुसार, इन सभी हितग्राहियों को लाभ देने के लिए करीब 680 करोड़ 28 लाख रुपये की आवश्यकता है। श्रम विभाग ने इस संबंध में वित्त विभाग को प्रस्ताव भेजकर पूर्ण राशि की मांग की थी, लेकिन वित्त विभाग ने फिलहाल केवल 175 करोड़ रुपए खर्च करने की अनुमति दी है। इससे हजारों परिवारों को अभी और इंतजार करना पड़ेगा। विभागीय सूत्रों का कहना है कि पिछले वित्तीय वर्ष में भी त्रैमासिक व्यय सीमा तय होने के कारण कई मामलों में भुगतान नहीं हो सका था। इसका असर इस साल भी देखने को मिल रहा है, जहां बड़ी संख्या में स्वीकृत प्रकरण लंबित पड़े हैं।

करीब 40 करोड़ 25 लाख रुपये खर्च करने की मंजूरी

वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए आवंटित बजट में से चौथे त्रैमास में अनुसूचित जनजाति मद से करीब 40 करोड़ 25 लाख रुपए खर्च करने की मंजूरी दी गई है। हालांकि, इसके साथ ही वित्त विभाग ने सख्त निर्देश दिए हैं कि केवल पात्र हितग्राहियों को ही योजना का लाभ दिया जाए। इसके लिए श्रम विभाग को लंबित प्रकरणों का पुनः सत्यापन करने को कहा गया है। जांच के दौरान अपात्र पाए गए लोगों को सूची से बाहर किया जाएगा, जबकि पात्र हितग्राहियों को ही भुगतान किया जाएगा। इसके बाद स्वीकृत राशि सीधे लाभार्थियों के खातों में डीबीटी के माध्यम से ट्रांसफर की जाएगी।

भुगतान नहीं होने से परेशानी का सामना करना पड़ रहा

बताया जा रहा है कि योजना के अंतर्गत बड़ी संख्या में ऐसे प्रकरण हैं, जिनमें स्वीकृति और डिजिटल साइन की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, लेकिन भुगतान नहीं हो पाया है। इन लंबित मामलों को निपटाने के लिए राज्य स्तर पर नोडल खाते के जरिए राशि ट्रांसफर करने की प्रक्रिया जारी है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह की देरी से योजना की विश्वसनीयता पर असर पड़ता है। आर्थिक रूप से कमजोर श्रमिक परिवारों के लिए यह सहायता राशि बेहद महत्वपूर्ण होती है, ऐसे में समय पर भुगतान नहीं होने से उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सरकारी पेंच में फंसे मप्र के किसान...

28 मार्च तक चुकाना है कर्ज और अप्रैल में होगी गेहूं खरीदी

भोपाल। सरकारी फैसलों ने किसान को ऐसा फंसाकर रखा है कि वह चाहकर भी कुछ नहीं कर सकता है। समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीदी इंदौर, उज्जैन, भोपाल एवं नर्मदापुरम संभाग में 1 अप्रैल से तथा शेष संभागों में 7 अप्रैल से की जाएगी। वहीं, दूसरी ओर सहकारी समितियों के ऋण जमा करने की अंतिम तारीख 28 मार्च तय कर दी है। किसान जब तक अपनी फसल बेचेगा तभी तो उसके पास पैसा आएगा। जबकि सरकार के दो अलग-अलग निर्णयों की समय सीमाओं के चलते क्षेत्र के किसान सरकारी फैसलों में फंसते नजर आ रहे हैं।

जानकारी के अनुसार मप्र शासन के खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने 12 मार्च को आदेश जारी किया है। उसके अनुसार भोपाल जिले में रबी की फसल को 1 अप्रैल से समर्थन मूल्य पर खरीदा जाएगा। हालांकि प्रदेश के अन्य संभागों में खरीदी प्रक्रिया पहले ही प्रारंभ हो चुकी है। वहीं, दूसरी ओर सहकारी समितियों ने किसानों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि 28 मार्च तक ऋण जमा नहीं करने पर शून्य प्रतिशत ब्याज योजना का लाभ समाप्त हो जाएगा और बकाया राशि पर 10 प्रतिशत ब्याज देना होगा।

उपज बेचने की मजबरी

समितियों से जुड़े किसानों के सामने सबसे बड़ी समस्या यह है कि उनके पास फसल आ गई है लेकिन खरीदी शुरू नहीं हुई है, जिससे वे कर्ज नहीं चुका पा रहे हैं। खेतों में गेहूं की फसल पूरी तरह पककर तैयार है लेकिन खरीदी में देरी के कारण किसान असमंजस की स्थिति में हैं। ऐसी परिस्थिति में उन्हें मजबूरी में निजी व्यापारियों को कम दामों पर उपज बेचनी पड़ेगी जिससे उन्हें समर्थन मूल्य का लाभ नहीं मिल पाएगा।

ऋण जमा करने की समय सीमा बढ़ाई जाए

किसानों और किसान संगठनों ने मांग की है कि यदि खरीदी की तारीख आगे बढ़ाई गई है तो कर्ज जमा करने की अंतिम तारीख भी बढ़ानी चाहिए। उनका कहना है कि वर्तमान व्यवस्था किसानों पर अनावश्यक आर्थिक दबाव बना रही है। फिलहाल खेतों में खड़ी तैयार फसल, खरीदी में देरी और ऋण भुगतान की समय सीमा के बीच किसान खुद को असहाय महसूस कर रहा है। यदि जल्द समाधान नहीं निकाला गया तो क्षेत्र के हजारों किसान आर्थिक संकट में आ सकते हैं।

5वीं और 8वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम आज होगा घोषित

सुबह 11:30 बजे से विद्यार्थी वेब पोर्टल पर देख सकेंगे परिणाम, क्यूआर कोड के माध्यम से पोर्टल की लिंक को कर सकेंगे स्कैन

भोपाल। राज्य शिक्षा केन्द्र, स्कूल शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश द्वारा बुधवार को कक्षा 5वीं एवं 8वीं का परीक्षा परिणाम घो ?षित किया जाएगा। विद्यार्थी सुबह 11.30 बजे से अपना परीक्षा परिणाम www.rskmp.in/result.asp& पोर्टल पर देख सकेंगे।

राज्य शिक्षा केंद्र से मिली जानकारी अनुसार 25 मार्च को परीक्षा परिणाम घोषणा की प्रक्रिया सुबह 11 बजे से राज्य शिक्षा केन्द्र कार्यालय के सभाकक्ष में संचालित की जाएगी। इसके बाद सुबह 11:30 बजे परीक्षा परिणाम पोर्टल पर जारी किया जाएगा। विद्यार्थी, अभिभावक एवं शिक्षकगण राज्य शिक्षा केन्द्र की वेब पोर्टल www.rskmp.in/result.asp& पर अपना रोल नंबर/समग्र आईडी डालकर रिजल्ट देख सकेंगे। साथ ही इसी पोर्टल पर शिक्षक, संस्था प्रमुख अपनी शाला का विद्यार्थीवार परिणाम भी देख सकेंगे। राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा वेब पोर्टल की लिंक भी क्यूआर कोड़ के माध्यम से उपलब्ध कराई गई है।

प्रदेश में कक्षा 5वीं एवं 8वीं की परीक्षा बोर्ड पैटर्न पर कराई गई थी। यह विगत 20 से 28 फरवरी के बीच हुई थी। जिसमें प्रदेश की शासकीय, अशासकीय शालाओं एवं पंजीकृत मदरसों के कक्षा 5वीं के 12 लाख 76 हजार से अधिक तथा कक्षा 8वीं के 10 लाख 92 हजार से अधिक विद्यार्थी शामिल हुए थे। प्रदेश में लगभग 23 लाख 68 हजार से अधिक विद्यार्थियों की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए कुल 322 केन्द्र बनाये गए थे। इन मूल्यांकन केन्द्रों में 1 लाख 10 हजार से अधिक मूल्यांकनकर्ताओं के द्वारा अंकों की ऑनलाइन प्रविष्टि पोर्टल पर दर्ज की गई है।

पांढुर्णा में तैयार हुआ हनुमान लोक

भोपाल। आस्था के बड़े केंद्र जामसांवली हनुमानजी लोक के लोकार्पण की बारी आ गई है। मध्य प्रदेश के मुखिया डॉ. मोहन यादव 26 मार्च को हनुमान लोक का लोकार्पण करेंगे। उज्जैन में महाकाल लोक की तर्ज पर हनुमान लोक का भी विस्तार किया जा रहा है। जिसके चलते अलग-अलग फेज में काम होने हैं। तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हनुमान लोक बनाने की घोषणा की थी। मंदिर समिति ट्रस्ट के अध्यक्ष गोपाल शर्मा ने बताया कि करीब 30 एकड़ में बन रहे हनुमान लोक के पहले फेज का काम पूरा हो गया है। पहले फेज में करीब 35 करोड़ की लागत से यहां चिरंजीवी यंथ, श्रद्धालुओं व पर्यटकों के बैठने की व्यवस्था, फूड कोर्ट, हनुमानजी की बाल लीलाओं को प्रदर्शित करती प्रतिमाएं, महाराष्ट्रीयन संस्कृति को दर्शाता स्वागत द्वार और परिसर में लाइटिंग की व्यवस्था की गई है।

हनुमान लोक के सेकंड फेज का काम अभी बाकी है। बताया जा रहा है कि हनुमान लोक प्रोजेक्ट का निर्माण 10 साल में पूरा होना है। जिसके तहत अभी पहले फेज का काम पूरा हुआ है। सेकंड फेज का निर्माण अभी बाकी है। सेकंड फेज के लिए भी शासन द्वारा दो भागों में फंड दिया जाना है। सेकंड फेज में मंदिर से लगे नाले का संरक्षण व सौंदर्यीकरण, चिरंजीवी पथ का निर्माण होना है। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या और आस्था को देखते हुए एमपी शासन द्वारा मंदिर परिसर में सुविधाओं का विस्तार करते हुए हनुमान लोक का निर्माण किया जा रहा है। जिसे उज्जैन के महाकाल लोक की तर्ज पर भव्य रूप दिया जा रहा है। मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा लगभग 30 एकड़ क्षेत्र में बनाए जा रहे इस भव्य हनुमान लोक परियोजना पर 314 करोड़ रुपए की लागत आएगी।

दूसरे फेज में होगा गर्भ गृह का निर्माण

हनुमान लोक के दूसरे चरण में श्रद्धालुओं के लिए सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। जिसमें भक्ति सागर एवं प्रवचन हॉल का निर्माण, यज्ञशाला का निर्माण, दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों के लिए पार्किंग का निर्माण, संस्कृत महाविद्यालय का निर्माण, भोजशाला का निर्माण, धर्मशाला का निर्माण, चिकित्सा केंद्र की स्थापना, अष्ट सिद्धि केंद्र का निर्माण, ओपन एयर थिएटर का निर्माण, वाटर फ्रंट पाथवे का निर्माण, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की स्थापना, प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम की स्थापना, शेष बचे पाथ वे का निर्माण एवं परिसर का सौंदर्यीकरण का कार्य शामिल है। श्री हनुमान लोक परियोजना के दूसरे चरण में श्री मूर्ति गर्भगृह का निर्माण भी प्रस्तावित है, जो मंदिर की पारंपरिक आस्था और आधुनिक सुविधा दोनों का समन्वय होगा। मंदिर न्यास द्वारा इस गर्भगृह की डिजाइनिंग और योजना तैयार की जा रही है। यह निर्माण कार्य श्रद्धालुओं को करीब से दिव्य दर्शन की अनुभूति देगा।

अब 1 अप्रैल तक करवा सकेंगे भावांतर योजना का सत्यापन

- गहन सत्यापन के बाद ही शुरू होगा योजना का क्रियान्वयन

भोपाल। भावांतर योजना के सत्यापन की तारीख बढ़ाई गई है। पहले 23 मार्च अंतिम तिथि थी, जिसे बढ़ाकर एक अप्रैल तक कर दिया गया है। कृषि विभाग के अनुसार किसानों के पंजीयन की समीक्षा के दौरान यह पाया गया है कि जिलों में अपेक्षाकृत अधिक संख्या में पंजीयन हो रहे हैं। ऐसे में केवल पात्र किसानों को ही योजना का लाभ मिले, इसे सुनिश्चित करने के लिए पंजीकृत किसानों के सत्यापन में विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

राज्य शासन द्वारा निर्णय लिया गया है कि योजना का क्रियान्वयन पंजीयन के गहन सत्यापन के पश्चात ही प्रारंभ किया जाएगा। इसीलिए सत्यापन की अंतिम तिथि एक अप्रैल निर्धारित की गई है। सरसों भावांतर योजना के अंतर्गत पंजीकृत सभी किसानों के डिजिटल क्रॉप सर्वे एवं अन्य भू-अभिलेखों का गहन एवं सावधानीपूर्वक सत्यापन सुनिश्चित किया जाए, ताकि अपात्र एवं त्रुटिपूर्ण पंजीयन को समय रहते चिन्हित किया जा सके।

31 मार्च तक कार्य पूर्ण करने के निर्देश

साथ ही यह भी निर्देशित किया गया है कि 31 मार्च तक सभी पंजीकृत किसानों का सत्यापन कार्य पूर्ण कर लिया जाए तथा इस कार्य में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। प्रशासन का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि केवल वास्तविक और पात्र किसानों को ही इस सरकारी योजना का लाभ समय पर मिल सके।

कांग्रेस विधायक ने की आबकारी विभाग में भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों की सीबीआई जांच की मांग

भोपाल। कांग्रेस के तराना विधानसभा क्षेत्र के विधायक महेश परमार ने मध्य प्रदेश आबकारी विभाग में व्याप्त गंभीर अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के मामलों की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने की मांग की है। उन्होंने इस संबंध में सीबीआई निदेशक को विस्तृत शिकायत पत्र लिखकर मामला दर्ज कराया है।

परमार ने आरोप लगाया कि आबकारी विभाग के अधिकारियों तथा तत्कालीन आबकारी आयुक्त अभिजीत अग्रवाल ने पद का दुरुपयोग करते हुए सोम डिस्टिलरी को अनुचित आर्थिक लाभ पहुंचाया। उन्होंने बताया कि इंदौर के देपालपुर न्यायालय ने 23 दिसंबर 2023 को संबंधित मामले में दोष सिद्ध करते हुए सजा सुनाई थी, लेकिन विभाग द्वारा जानबूझकर दो वर्ष तक कोई नियमानुसार कार्रवाई नहीं की गई और प्रकरण को लंबित रखा गया।

उच्च न्यायालय द्वारा हाल ही में सोम डिस्टिलरी की याचिका खारिज करते हुए तत्कालीन आबकारी आयुक्त की भूमिका पर गंभीर प्रश्न उठाए गए हैं, जिसमें परमार द्वारा की गई शिकायत को मजबूती मिली है। मध्य प्रदेश कांग्रेस इस उच्च न्यायालय के आदेश का स्वागत करती है।

विधायक महेश परमार ने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है कि तत्कालीन आबकारी आयुक्त अभिजीत अग्रवाल एवं तत्कालीन सहायक आबकारी आयुक्त संजीव दुबे को तुरंत निलंबित किया जाए तथा सीबीआई से जांच कराई जाए कि-

देपालपुर न्यायालय के निर्णय को दो वर्ष तक जानबूझकर क्यों रोके रखा गया?

इस दौरान सोम डिस्टिलरी समूह को दो वर्ष तक अनुचित आर्थिक लाभ क्यों पहुंचाया गया?

क्या मामले को लंबित रखने के लिए उन पर किसी बड़े राजनेता या वरिष्ठ सरकारी अधिकारी का दबाव था?

परमार ने यह भी आरोप लगाया कि जहां लाइसेंस निरस्तीकरण की सख्त कार्रवाई होनी चाहिए थी, वहां केवल निलंबन जैसे हल्के कदम उठाए गए। साथ ही, कानूनी प्रावधानों का जानबूझकर गलत उपयोग कर पूरे मामले को कमजोर करने का प्रयास किया गया, जिससे न्यायिक प्रक्रिया प्रभावित हुई। उन्होंने कहा कि इस पूरे प्रकरण में आबकारी आयुक्त सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध है और इनके माध्यम से करोड़ों रुपये का आर्थिक लाभ पहुंचाया गया है। श्री परमार ने मांग की है कि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत तत्काल मामला दर्ज कर निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराई जाए तथा दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

महेश परमार ने जोर देकर कहा कि मध्य प्रदेश में कानून का राज स्थापित करने और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए इस मामले की सीबीआई जांच अत्यंत आवश्यक है।

भाजपा के कारण ओबीसी वर्ग 27 फीसदी आरक्षण से वंचित- कमलनाथ

भोपाल। प्रदेश के अन्य पिछड़ा वगर्क् को 27 प्रतिशत आरक्षण नही मिल पाने को लेकरपूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने भारतीय जनता पार्टी पर बदनीयती औरष्डयंत्र करने का आरोप लगाया है।

नाथ ने टवीट करते हुए लिखा है कि भाजपा की बदनीयत और षडयंत्र के कारण मध्य प्रदेश का ओबीसी समुदाय 27 प्रतिशत आरक्षण से वंचित है, जबकि 2019 में मेरे नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देकर उसे उसका संवैधानिक अधिकार दिया था। भाजपा की सरकारों ने लगातार क़ानूनी उलझन पैदा करके और न्यायालयों में ग़लत तरीक़े से 27 प्रतिशत आरक्षण का पक्ष रखकर इस आरक्षण को समाप्त करने का षड्यंत्र रचा है। पिछले छह साल से यह देखा जा रहा है जब-जब हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट मामले की तेज़ी से सुनवाई करना चाहते हैं तब सरकारी वक़ील या तो तारीख़ मांगने लगते हैं या समुचित दस्तावेज़ के साथ अदालत में पेश ही नहीं होते। अब हाईकोर्ट ने नियमित सुनवाई की प्रक्रिया शुरू करने की मंशा जतायी है तो मुझे एक बार फिर आशंका है कि भाजपा इस बार फिर षडयंत्र करेगी और एक बार फिर वही पुराने हथकंडे अपनाकर आरक्षण की प्रक्रिया को टालने की कोशिश करेगी। मैं सरकार से माँग करता हूँ कि वह पूरी ईमानदारी से ओबीसी वर्ग को कांग्रेस सरकार द्वारा दिए गए 27 प्रतिशत आरक्षण को लागू कराने के लिए प्रयास करे और हाई कोर्ट में रोज़ होने वाली सुनवाई में मज़बूती से ओबीसी वर्ग का पक्ष रखे।

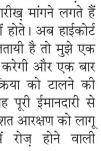

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र,

गेहूं खरीदी 3000 रुपए प्रति क्विंटल करने एवं ऋण वसूली की अंतिम तिथि 30 अप्रैल की जाए

भोपाल । किसानों की गेहूं खरीदी 3000 रुपए प्रति क्विंटल करने एवं ऋण वसूली की अंतिम तिथि 30 अप्रैल करने की मांग मध्यप्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने की है। सिंघार ने प्रदेश के किसानों की ज्वलंत समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर त्वरित निर्णय लेने की मांग की है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा है कि वर्तमान समय में प्रदेश का किसान आर्थिक संकट से गुजर रहा है, ऐसे में सरकार को संवेदनशीलता के साथ ठोस कदम उठाने चाहिए। पत्र में उल्लेख किया गया है कि राज्य में गेहूं खरीदी की प्रक्रिया 1 अप्रैल से भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) एवं सहकारी समितियों के माध्यम से प्रारंभ होती है, जबकि किसानों के लिए ऋण जमा करने की अंतिम तिथि 31 मार्च निर्धारित है। इस कारण किसानों को अपनी उपज बेचने से पहले ही ऋण चुकाने का दबाव झेलना पड़ता है। उन्होंने कहा कि पूर्व में ऋण वसूली की अंतिम तिथि 30 अप्रैल तक रहती थी, जिससे किसानों को फसल बेचकर भुगतान करने का पर्याप्त समय मिल जाता था। लेकिन पिछले वर्ष तिथि में बदलाव कर इसे 31 मार्च कर दिया गया, जिसके कारण कई किसान समय पर ऋण जमा नहीं कर सके और डिफाल्टर घोषित हो गए। नेता प्रतिपक्ष ने सरकार से मांग की है कि किसानों की ऋण वसूली की अंतिम तिथि 31 मार्च के स्थान पर स्थायी रूप से 30 अप्रैल निर्धारित की जाए। साथ ही, तिथि परिवर्तन के कारण डिफाल्टर घोषित किसानों को राहत देते हुए कर्ज माफी या विशेष छूट प्रदान की जाए। इसके अलावा, उन्होंने चुनाव पूर्व घोषणा के अनुरूप किसानों से 3000 रुपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूं खरीदी शुरू करने तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर समयबद्ध खरीदी सुनिश्चित करने की भी मांग की है। उमंग सिंघार ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि किसानों की समस्याओं को गंभीरता से समझते हुए शीघ्र उचित निर्णय लेकर उन्हें राहत प्रदान की जाए।

हम वंशानुगत मछुवारों को किसी भी समिति में नही किया गया शामिल

संसाधन होने के बावजूद हम आज भी बेरोजगार, समिति में किया जाए शामिल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भरवेली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम मानेगांव से, कलेक्टर कार्यालय पहुंचे 12 मछुआरे परिवार के सदस्यों ने मछुआ सहकारी समिति में नाम जोड़े जाने की मांग की ग्राम मानेगांव के मछुवारे परिवार का आरोप है कि उनके गांव को छोड़कर दो समिति बालाघाट और सुरवाही के मछुवारों के बीच कार्य क्षेत्र का बटवारा कर दिया गया है जबकि उनके गांव के किसी भी वंशानुगत मछवारो को दोनो ही समितियों में शामिल नही किया गया है जिससे उनके गांव के मछुवारे मत्स्यखेट नही कर पा रहे है।और वे बेरोजगारी में जिंदगी गुजार रहे है। जिसके चलते उन्होंने किसी भी समिति में उनके परिजनों को जोड़कर रोजगार दिए जाने की मांग की है।

समिति में नहीं है नाम इसीलिए नहीं मिल रहा काम

मानेगांव से आए मछुवारों का आरोप है कि 2 समिति बालाघाट और सुरवाही दोनो में उनके गांव के किसी भी मछुवारे को शामिल नही किया गया है बालाघाट का कार्यक्षेत्र भरवेली, और सुरवाही का कार्यक्षेत्र सुरवाही तक है,ऐसे में केवल मानेगांव ही एक ऐसा गाँव है, जो दोनों ही मछुआ कार्यक्षेत्र से बाहर है। यहां निवासरत मछुआ जाती समुदाय से आने वाले परिवारों की समस्या है कि समिति में उनका नाम नहीं होने से उनके पास कम नहीं है।

कई बार लगा चुके हैं गुहार, नहीं हो रही सुनवाई- कृष्णा

कलेक्टर कार्यालय पहुंचे मानेगांव के मछुवारे कृष्णा सोनवाने ने बताया कि गांव के 12 परिवारों के सामने काम नहीं होने से जीवन में आर्थिक समस्या का सामना करना पड़ रहा है। यदि कार्यक्षेत्र से बाहर मानेगांव के मछुआरे परिवार के सदस्यों को बालाघाट या सुरवाही मत्स्य समिति से जोड़ा जाता है तो हमे भी साल भर काम मिलेगा और हो रही आर्थिक समस्या से निजात मिलेगी।उन्होंने बताया कि बालाघाट समिति 5 किलोमीटर और सुरवाही समिति एक किलोमीटर दूर है। कलेक्टर निर्देश जारी करे तो हमें, समिति में शामिल किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि अपनी इस मांग को लेकर वे कई बार गुहार लगा चुके हैं लेकिन उनकी कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

कमजोर पेस अटैक बन सकता है मुसीबत, कुलदीप और अक्षर से उम्मीदें

मजबूत बल्लेबाजी के दम पर दिल्ली को पहले IPL खिताब की तलाश

नई दिल्ल,एजेंसी। आईपीएल के 19वें सीजन में दिल्ली कैपिटल्स एक बार फिर अपने पहले खिताब की तलाश में मैदान पर उतरने जा रही है। अक्षर पटेल की कप्तानी में टीम इस बार संतुलित बल्लेबाजी लाइनअप के साथ नजर आ रही है, लेकिन तेज गेंदबाजी आक्रमण की कमजोरी उसके लिए बड़ी चुनौती बन सकती है। ऐसे में सवाल यही है कि क्या इस बार दिल्ली का लंबा इंतजार खत्म हो पाएगा या नहीं।

पिछले सीजन की बात करें तो दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल 2025 की शुरूआत शानदार अंदाज में की थी, लेकिन टूर्नामेंट के दूसरे हाफ में टीम का प्रदर्शन पूरी तरह गिर गया। 14 मुकाबलों में 7 जीत और 7 हार के साथ टीम प्लेऑफ में जगह बनाने से चूक गई थी। अक्षर पटेल की कप्तानी में यह टीम के लिए निराशाजनक अंत रहा, लेकिन इस बार टीम ज्यादा संतुलित नजर आ रही है और वापसी की पूरी कोशिश करेगी।

राहुल पर रहेंगी नजरें

दिल्ली की बल्लेबाजी इस सीजन उसकी सबसे बड़ी ताकत बन सकती है। केएल राहुल पिछले सीजन शानदार लय में नजर आए थे और इस बार भी उनसे टीम को बड़ी उम्मीदें होंगी। उनके अलावा ट्रिस्टन स्टब्स ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से काफी प्रभावित किया था, जबकि अभिषेक पोरेल ने भी लगातार अच्छा प्रदर्शन करके अपनी उपयोगिता साबित की थी।

स्टार्क की गैरमौजूदगी से पेस अटैक कमजोर

हालांकि, जहां बल्लेबाजी मजबूत नजर आती है, वहीं गेंदबाजी विभाग टीम के लिए चिंता का कारण बना हुआ है। मिचेल स्टार्क की शुरूआती मुकाबलों में गैरमौजूदगी दिल्ली के पेस अटैक को कमजोर कर सकती है। मुकेश कुमार विकेट निकालने की क्षमता रखते हैं, लेकिन वह अक्सर महंगे साबित होते हैं, जबकि टी नटराजन पिछले सीजन अपनी लय में नजर नहीं आए थे।

आकिब से अच्छे प्रदर्शन की आस: इसके अलावा घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले आकिब नबी पर इस सीजन सबकी निगाहें रहेंगी, क्योंकि टीम को उनसे नई ऊर्जा और निरंतरता की उम्मीद होगी। स्पिन विभाग में दिल्ली के पास जरूर मजबूत विकल्प मौजूद हैं। कुलदीप यादव और अक्षर पटेल की जोड़ी मिडिल ओवर्स में मैच का रुख पलटने की क्षमता रखती है। दोनों ही गेंदबाज न सिर्फ रन रोकने में सक्षम हैं, बल्कि विकेट निकालकर विपक्षी टीम पर दबाव भी बना सकते हैं।

दिल्ली का पूरा स्क्वॉड

अक्षर पटेल (कप्तान), लुंगी एनगिडी, बेन डकेट, पथुम निसांका, आकिब नबी डार, नीतीश राणा, विपराज निगम, ट्रिस्टन स्टब्स, साहिल पारेख, डेविड मिलर, पृथ्वी शॉ, काइल जैमीसन, त्रिपुराना विजय, टी नटराजन, समीर रिजवी, मिचेल स्टार्क, माधव तिवारी, कुलदीप यादव, केएल राहुल, करुण नायर, दुष्मंथा चमीरा, अक्षर पटेल (कप्तान), आशुतोष शर्मा, अजय मंडल, अभिषेक पोरेल।

पृथ्वी और डकेट दिला सकते हैं अच्छी ओपनिंग

टॉप ऑर्डर में टीम के पास अच्छे विकल्प मौजूद हैं। बेन डकेट और पृथ्वी शॉ के रूप में दिल्ली के पास दो आक्रामक सलामी बल्लेबाज हैं, जो टीम को तेज शुरूआत दिला सकते हैं। वहीं, नीतीश राणा का अनुभव मिडिल ऑर्डर को मजबूती देता है। इसके अलावा डेविड मिलर को टीम में शामिल करने से बल्लेबाजी और भी संतुलित नजर आती है, जो मुश्किल परिस्थितियों में पारी को संभालने के साथ-साथ तेजी से रन भी बना सकते हैं।

आशुतोष शर्मा का हुनर आएगा काम

फिनिशिंग की जिम्मेदारी भी इस बार मजबूत हाथों में नजर आती है। आशुतोष शर्मा और समीर रिजवी जैसे युवा बल्लेबाज डेथ ओवर्स में बड़े शॉट्स खेलने की क्षमता रखते हैं, जबकि ट्रिस्टन स्टब्स भी जरूरत पड़ने पर फिनिशर की भूमिका निभा सकते हैं। ऑलराउंड विकल्पों में काइल जैमीसन और विपराज निगम टीम को संतुलन प्रदान करते हैं, जो बल्ले और गेंद दोनों से योगदान दे सकते हैं।

बीसीसीआई ने आईपीएल के लिए जारी किये दिशा निर्देश

सभी खिलाड़ियों को करना होगा पालन

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल 2026 के लिए नये दिशा निर्देश जारी किये है। बोर्ड ने ये कदम इसलिए उठाया है जिससे खिलाड़ियों की मनमानी पर रोक लगायी जा सके। बीसीसीआई ने अपने नए आदेश में कहा है नये नियमों का पालन सभी को करना होगा। इसके तहत अब हर टीम के खिलाड़ी केवल टीम बस में ही यात्रा कर सकेंगे। इसके अलावा मैच के दिन किसी भी अभ्यास सत्र की अनुमति नहीं दी जाएगी। एक रिपोर्ट के अनुसार, बोर्ड ने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में भी अलग इंतजाम किया है, जहां टीमों को मेन चौक के दोनों तरफ अभ्यास के लिए दो-दो विकेट दिए जाएंगे। इस दौरान कोई भी टीम विरोधी टीम को दिए गए अभ्यास विकेट का इस्तेमाल नहीं कर सकेगी। टीम मैनेजर्स को नये दिशा निर्देशों की प्रति भेज दी हैं।

इसमें कहा गया है कि टीमों को प्रैक्टिस एरिया में 2 नेट और मेन स्क्वायर पर 1 साइड विकेट मिलेगा, जहां वे रेंज हिटिंग कर सकें। मुंबई वेन्यू के लिए, अगर दोनों टीमें एक ही समय पर अभ्यास कर रही हैं, तो हर टीम को 2 पिचें मिलेंगी। वहीं कोई भी ओपन नेट अलाउड नहीं होगा। अगर कोई टीम अपना अभ्यास जल्दी खत्म भी कर लेती है तब भी दूसरी टीम को उस पिच का इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं होगी। मैच के दिनों में किसी अभ्यास की अनुमति नहीं होगी।मैच वाले दिन मेन चौक पर कोई फिटनेस टेस्ट नहीं होगा। अभ्यास के दौरान केवल मान्यता प्राप्त स्टाफ को ड्रेसिंग रूम और फील्ड ऑफ प्ले में आने की अनुमति रहेगी। खिलाड़ी के परिवार के सदस्य और दोस्त अलग गाड़ी में सफर कर सकते हैं और हॉस्पिटैलिटी एरिया से टीम का अभ्यास देख सकते हैं। एक्सटेंडेड सपोर्ट स्टाफ (थ्रो डाउन स्पेशलिस्ट/नेट बॉलर) के लिए सूची बोर्ड को मंजूरी के लिए भेजनी होगी। मंजूरी मिलने के बाद, नॉन-मैच डे एक्रेडिटेशन जारी किए जाएंगे। खिलाड़ी अभ्यास के लिए आते समय टीम बस का इस्तेमाल करेंगे। टीमें दो बैच में सफर कर सकती हैं।

इसके अलावा मैच के दिन के लिए भी दिशा निर्देश जारी किये गये हैं।

प्लेयर एंड मैच ऑफिशियल्स एरिया से मान्यता प्राप्त स्टाफ के लिए मैच वाले दिन अपना एक्रेडिटेशन लाना जरूरी है। पहली बार एक्रेडिटेशन न लाने पर चेतावनी दी जाएगी। दूसरी बार, टीम पर पैसे का जुर्माना लगाया जाएगा। हिटिंग नेट देने के बाद भी, खिलाड़ी एईडी बोर्ड पर हिट करते रहते हैं जिसकी अनुमति नहीं रहेंगी। खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ एलईडी बोर्ड के सामने न बैठें। लाड़ी ऑरेंज और पर्पल कैप पहनेंगे। प्रेजेंटेशन में फ्लॉपी और स्लीवलेस जर्सी पहनने की इजाजत नहीं है। ऐसा न करने पर पहली बार में चेतावनी दी जाएगी। दूसरी बार, पैसे का जुर्माना लगेगा। मैच के दिनों में केवल 12 एक्रेडिटेड सपोर्ट स्टाफ को ही इजाज़त होगी, जिसमें टीम डॉक्टर भी शामिल हैं। जर्सी नंबर में बदलाव की जानकारी एकदिन पहले देनी होगी।

बीसीसीआई ने दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए महिला क्रिकेट टीम घोषित की, अनुष्का और काशवी शामिल

मुम्बई। अनुष्का शर्मा और काशवी गौतम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि हाल के दिनों में अच्छे प्रदर्शन को देखते हुए इन दोनो को टीम में अवसर दिया गया है। टीम की कप्तानी हरमनप्रीत कौर करेंगी। अनुष्का जहां एक अच्छी बल्लेबाज हैं। वहीं काशवी मध्यक्रम की गेंदबाज हैं। काशवी ने पहले ही टेस्ट और वनडे खेला है और उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का अनुभव है। वहीं अनुष्का पहली बार किसी प्रारुप में शामिल की गई हैं। अनुष्का को घरेलू क्रिकेट के साथह ही महिला प्रीमियर लीग का भी अनुभव है।

पाकिस्तान के फरहान को आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड मिला

दुबई । हाल में हुए टी20 विश्वकप में शानदार प्रदर्शन करने वाले पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने फरवरी माह का आईसीसी मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड दिया है। इसी के साथ ही फरहान नवंबर 2024 में हारिस रऊफ के बाद यह अवॉर्ड जीतने वाले दूसरे खिलाड़ी हैं। फरहान ने दो शतक के साथ ही आईसीसी टी20 विश्व कप में सबसे ज्यादा रन बनाए हैं। वह टूर्नामेंट के इतिहास में एक ही सत्र में दो शतक लगाने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं। फरहान इस पूरे टूर्नामेंट में पाक की ओर से रन बनाने वाले अकेले खिलाड़ी रहे। उन्होंने नामीबिया के खिलाफ ग्रुप स्तर के मुकाबले के अलावा श्रीलंका के खिलाफ शतक लगाया था। फरहान ने टूर्नामेंट में सबसे अधिक कुल 383 रन बनाये। उन्होंने कहा, 卐आईसीसी टी20 विश्व कप में अवॉर्ड जीतना एक सुखद अहसास है। दुनियाभर के प्रशंसकों ने इससे देखा था जिससे इसमें अवार्ड जीतना खास रहा है। पाक का प्रदर्शन टी20 विश्वकप में अच्छा नहीं रहा और वह प्लेऑफ में भी नहीं पहुंच पायी।

मियामी ओपने टेनिस के चौथे दौर में पहुंचते ही सिनर ने बनाये रिकार्ड

मियामी। इटली के टेनिस स्टार जैनिक सिनर ने मियामी ओपने टेनिस के चौथे दौर में पहुंचते ही दो रिकार्ड अपने नाम किये हैं। सिनर ने तीसरे दौर में फ्रांस के कोरेंटिन माउटे को 6-1, 6-4 से हराकर एटीपी मास्टर्स 1000 स्तर पर लगातार 26 सेट जीतने का रिकॉर्ड बनाने के साथ ही सर्बिया के अनुभवी खिलाड़ी नोवाक जोकोविच का लगातार 24 सेट जीतने का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया।सिनर ने मियामी ओपन के दूसरे दौर में जीत के साथ ही जोकोविच के 24 सेट के रिकॉर्ड की बराबरी की थी। इसके बाद तीसरे दौर में जीत दर्ज करते ही वह जोकोविच से आगे निकल गए। इस मैच को सिनर ने एकतरफा अंदाज में जीता। सिनर ने पिछले साल नवंबर में पेरिस मास्टर्स से जीत का सिलसिला शुरू किया। उन्होंने बिना एक भी सेट गंवाए खिताब जीता था। इसके बाद उन्होंने इंडियन वेल्स में भी बिना सेट खोये जीत हासिल की। मियामी में दो जीत के साथ अब वह लगातार 13 मास्टर्स 1000 मैच भी जीत गये हैं।अब सिनर का अगला मुकाबला एलेक्स मिशेलसन से होगा, जिन्होंने एलेजांद्रो ताबिलो को हराकर अगले दौर में जगह बनाई। सिनर के पास अब इंडियन वेल्स के अलावा मियामी ओपन जीतने का अवसर है। अंतिम बार ये उपलब्धि साल 2017 में रोजर फेडरर ने हासिल की थी। सिनर इस टूर्नामेंट में अगर लगातार जीतते हैं तो उनके पास विश्व का नंबर-1खिलाड़ी बनाने का अवसर है। इस टूर्नामेंट में नंबर एक की दौड़ में उनके प्रतिद्वंद्वी कार्लोस अल्कारेज तीसरे दौर में सेबेस्टियन कोर्डा से हारकर पहले ही टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं।वहीं एक अन्य मुकाबले में फ्रासिस टिफोई ने जाकुब मेंसिक को 7-6, 4-6, 7-6 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया है। टियाफो अगले दौर में टेरेंस एटमाने का सामना करेंगे।

एकदिवसीय में सबसे सफल कप्तानों में नंबर एक पर हैं पोटिंग

मुम्बई । एकदिवसीय क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग से लेकर न्यूजीलैंड के स्टीफन फ्लेमिंग, भारत के महेन्द्र सिंह धोनी और श्रीलंका के अर्जुन रणतुंगा सहित कई कप्तान क्रिकेट जगह में छाये रहे हैं पर अगर सबसे सफल कप्तान की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया के पोंटिंग नंबर एक पर हैं। साल 2002 से 2012 के बीच पोंटिंग ने 230 मैचों में कप्तानी की, जिसमें से उनकी कप्तानी ने टीम ने रिकॉर्ड 165 मैचों में जीत हासिल की। उनकी जीत का प्रतिशत 71.73 प्रतिशत रहा, जो अब तक सबसे अधिक है। पोंटिंग की कप्तानी में ऑस्ट्रेलियाई टीम केवल 51 मैच ही हारी है। उनके दौर में ऑस्ट्रेलियाई टीम काक हराना किसी के लिए भी असंभव सा काम था। 2.17 प्रतिशत का उनका 'टाई' रिकॉर्ड उनके मैच समाप्त करने के कौशल को दिखाता है।

स्टीफन फ्लेमिंग

वहीं न्यूजीलैंड के स्टीफन फ्लेमिंग इस सूची में दूसरे नंबर पर हैं। 1997 से 2007 के लंबे सफर में उन्होंने 218 मैचों में टीम की कमान संभाली थी पर उनका जीत का प्रतिशत 44.95 रहा टीम को उन्होंने 98 जीत दिलायी वहीं106 हार । इसके बाद भी उन्हें महान कप्तान इसलिए माना जाता है क्योंकि उन्होंने एक कमजोर टीम को बड़ी टीमों के स्तर तक पहुंचाया। है. फ्लेमिंग अपनी रणनीतिक समझ और स्लिप में अपनी फील्डिंग के लिए मशहूर थे। उन्हें कीवी टीम को विजेता बननो का श्रेया है।

धोनी 200 मैचों के साथ तीसर नंबर पर हैं। भारत के सबसे सफल कप्तान एमएस धोनी 200 मैचों के साथ इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं. साल 2007 से 2018 के बीच धोनी ने भारतीय क्रिकेट को शीर्ष पर पहुंचाया। धोनी ने 110 मैचों में जीत दर्ज की और उनका जीत का प्रतिशत 55 प्रतिशत रहा।धोनी के नेतृत्व में टीम हालांकि 74 मैच हारी पर उसे जीत हासिल करना आ गया। दबाव के क्षणों में उनका शांत रहना और 0.5 प्रतिशत का टाई रिकॉर्ड उनकी मैच फिशित करने की कला दिखाता है। धोनी इस सूची के एकमात्र कप्तान हैं जिन्होंने आईसीसी की तीनों सफेद गेंद ट्रॉफी जीती हैं.

अर्जुन रणतुंगा

श्रीलंकाई क्रिकेट को विश्व विजेता बनाने वाले अर्जुन रणतुंगा ने 193 मैचों में टीम की कप्तानी की। साल 1988 से 1999 के बीच उन्होंने 89 जीत हासिल की। 46.11 फीसदी के जीत प्रतिशत के साथ रणतुंगा ने 1996 में श्रीलंका को विश्व चैंपियन बना दिया। उनकी कप्तानी का दौर श्रीलंका के लिए सबसे बेहतर दौर था, जहां उन्होंने शीर्ष टीमों को भी टक्कर देना सीखा।

राजस्थान रॉयल्स 15 हजार करोड़ में बिकी

मुंबई। आईपीएल की पहली चैंपियन राजस्थान रॉयल्स को नए मालिक मिल गए हैं। पिछले कुछ महीनों से चली आ रही प्रक्रिया के बाद आखिरकार 1.63 बिलियन डॉलर यानि करीब 15,289 करोड़ रुपए की रिकॉर्ड बोली के साथ राजस्थान रॉयल्स की बिक्री फाइनल हो गई है। भारतीय मूल के अमेरिकी बिजनेसमैन काल सोमानी और उनके कॉन्सोर्टियम ने फ्रेंचाइजी के लिए ये सबसे बड़ी बोली लगाई है, जिसे मंजूर कर लिया गया है। 2008 में जब राजस्थान रॉयल्स को खरीदा गया था, तब इसकी कीमत सिर्फ 67 मिलियन डॉलर थी, जो उस समय लगभग 260-270 रूपए करोड़ के आसपास बैठती थी।

आकाश चोपड़ा ने बतायी सनराइजर्स की कमजोरी

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा के अनुसार आईपीएल के इस सत्र में सनराइजर्स हैदराबाद की राह आसान नहीं है क्योंकि उसे कमजोर गेंदबाजी का नुकसान उठाना पड़ेगा। आकाश के अनुसार ये कमजोरी उसकी खिताबी जीत में रोड़ा बन सकती है। उन्होंने माना कि सनराइजर्स हैदराबाद की बल्लेबाजी काफी मजबूत है और टीम बड़े स्कोर बना सकती है पर कहा कि उसके गेंदबाज ऐसे नहीं हैं जो स्कोर का बचाव कर सकें। आकाश के अनुसार टीम 250 रन तक आसानी से बना सकती है पर समस्या यह है कि टीम के गेंदबाज इतने रन दे देंगे क्योंकि उनकी स्तर उतना अच्छा नहीं दिखता। नजर नहीं आ रही।

कप्तान और तेज गेंदबाज पैट कमिंस शुरुआती मैच नहीं खेल पायेंगे। जिससे टीम की गेंदबाजी और कमजोर हो गई है। टीम के पास इस बार अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी भी नहीं है। इससे भी टीम को नुकसान होगा। इन दोनों खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में टीम की गेंदबाजी काफी कमजोर नजर आ रही है, जो आईपीएल जैसे बड़े टूर्नामेंट में बड़ी समस्या बन सकती है। ईशान मलिंगा की उपलब्धता भी अभी पूरी तय नहीं है। उन्हें अभी फिटनेस टेस्ट पास करना होगा। अगर वह भी उपलब्ध नहीं होते हैं, तो टीम की गेंदबाजी और कमजोर हो जाएगी। ऐसी स्थिति में टीम को विदेशी गेंदबाजों पर ज्यादा निर्भर रहना पड़ सकता है।

चोपड़ा ने कहा कि टीम की बल्लेबाजी प्रभावशाली है वहीं गेंदबाजी में स्पिन विभाग कमजोर है। टीम में हालांकि कुछ युवा स्पिनर हैं, लेकिन उनके पास ज्यादा अनुभव नहीं है। वहीं आईपीएल जैसे बड़े टूर्नामेंट में अनुभवी स्पिनरों का होना बहुत जरूरी होता है, और यही कमी उसे खलेगी। टीम के गेंदबाज कोच वरुण आरोन हैं हालांकि युवा गेंदबाजों के साथ काम कर रहे हैं और टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि वह गेंदबाजी इकाई को मजबूत बना सकते हैं।

वैभव सफल रहे तो रॉयल्स की जीत तय - अश्विन

मुम्बई । दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि अगर वह बड़ी पारी खेलता है तो राजस्थान रायल्स को जीत मिलनी तय है। वैभव ने गत वर्ष अपने पहले ही सत्र में आक्रामक बल्लेबाजी से सबको हैरान कर दिया था। अब उम्मीद है कि इस नये सत्र में वह और भी बेहतर बल्लेबाजी करेगा। वैभव ने अंडर-19 विश्वप में भी कई अच्छी पारियां खेली थीं जिससे भी उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। ऐसे में अश्विन कहा कहना है कि वैभव रॉयल्स के लिए किसी एक्स फैक्टर की तरह रहेगा। ऐसे में अगर वह क्रीज पर टिक गया तो रॉयल्स को बढ़े स्कारे स रोकना कठिन हो जाएगा।

वैभव ने आईपीएल के अपने पहले सत्र में सात मैचों में 252 रन बनाते हुए 200 से अधिक के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाज़ी की थी। इससे उनकी आक्रामक शैली का अंदाज होता है। सबसे खास बात यह रही कि उन्होंने गुजरात टाइटंस के खिलाफ सिर्फ 35 गेंदों में शतक लगाया था। वह ढ्ढक्क इतिहास में सबसे तेज़ शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज़ हैं। अश्विन के अनुसार वह इस सीज़न में रॉयल्स के लिए मैच में अंतर ला सकते हैं। साथ ही कहा कि वह अभी अपने

करियर के शुरुआती दौर में है, इसलिए उस पर ज़रूरत से ज़्यादा दबाव डालना सही नहीं होगा। अश्विन के मुताबिक, मीडिया और सोशल मीडिया का ध्यान इस बार और ज्यादा रहेगा, जो मानसिक दबाव बढ़ा सकता है।अश्विन ने यह भी कहा कि इस बार विपक्षी टीमें सूर्यवंशी के खिलाफ बेहतर तैयारी के साथ उतरेंगी। पिछले सीज़न में उनकी निडर बल्लेबाज़ी ने गेंदबाज़ों को किया दिया था, पर अब उनके खेल का सभी को अंदाजा है। ऐसे में युवा बल्लेबाज़ के सामने सबसे बड़ी चुनौती होगी अपनी आक्रामकता को बरकरार रखते हुए निरंतरता बनाये रखना।रविचंद्रन अश्विन ने यह भी सुझाव दिया कि रॉयल्स की कप्तानी के लिए रवींद्र जडेजा एक बेहतर विकल्प हो सकते थे पर टीम ने रियान पराग को ये जिम्मेदारी दे दी। ऐसे में पराग को जडेज के अनुभवों का लाभ उठाकर कप्तानी करनी चाहिये।

आईपीएल नहीं खेल पाये ये दिग्गज

नई दिल्ली। आईपीएल में खेलना हर खिलाड़ी का सपना होता है. इस लीग में दमदार प्रदर्शन के बूते कई खिलाड़ियों की किस्मत रातों-रात चमकी है. आईपीएल की चमक-धमक और करोड़ों की बोलियों ने दुनिया के लगभग हर बड़े क्रिकेटर को अपनी ओर खींचा है, लेकिन क्रिकेट के इतिहास में कुछ ऐसे 'दिग्गज' भी रहे हैं, जिन्होंने इस लीग में कभी नहीं खेला। इसमें ब्रायन लारा और जेम्स एंडरसन जैसे महान क्रिकेटर्स शामिल हैं, जिन्होंने वर्ल्ड क्रिकेट में अपनी अलग ही छाप छोड़ी. आइए ऐसे ही पांच खिलाड़ियों के बारे में आपको बताते हैं।

ब्रायन लारा (वेस्टइंडीज)

आईपीएल का पहला सीजन 2008 में खेला गया था, जबकि ब्रायन लारा ने इंटरनेशनल क्रिकेट से 2007 के टी20 वर्ल्ड कप के ठीक बाद संन्यास ले लिया था. 2008 में जब पहला आईपीएल ऑक्शन हुआ, तब तक लारा क्रिकेट से लगभग दूर हो चुके थे. बहुत कम लोग जानते हैं कि लारा ने 2011 के आईपीएल ऑक्शन में अपना नाम दिया था. उस वक्त उनकी उम्र 41 साल थी और उन्होंने अपना बेस प्राइस 400,000 (लगभग 1.8 करोड़ रुपये) रखा था. हैरानी की बात यह है कि इस महान बल्लेबाज पर किसी भी फ्रेंचाइजी ने बोली नहीं लगाई. हालांकि, भले ही लारा एक खिलाड़ी के तौर पर नहीं खेल सके, लेकिन उन्होंने आईपीएल से दूरी नहीं बनाई. वह सनराइजर्स हैदराबाद के साथ लंबे समय तक जुड़े रहे।

जेम्स एंडरसन (इंग्लैंड)

इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन का नाम उन खिलाड़ियों में शुमार है, जिन्हें आईपीएल में खेलने का मौका नहीं मिल सका है. एंडरसन ने 42 साल की उम्र में ऑक्शन में अपना नाम भी भेजा था, लेकिन उन्हें खरीदने में किसी भी टीम ने दिलचस्पी नहीं दिखाई थी. एंडरसन टेस्ट क्रिकेट में 700 से ज्यादा विकेट लेने वाले एकमात्र तेज गेंदबाज हैं.

स्टुअर्ट ब्रॉड (इंग्लैंड)

इंग्लिश तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड को भी आईपीएल में खेलने का कभी मौका नहीं मिल सका. ब्रॉड को साल 2011 के ऑक्शन में पंजाब किंग्स ने खरीदा था, लेकिन चोट के कारण वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे. इसके बाद ब्रॉड ने खुद ही आईपीएल से दूरी बना ली और टेस्ट क्रिकेट को ज्यादा प्राथमिकता दी।

पंड्या की जगह पर सूर्यकुमार को कप्तान बनाये मुम्बई -श्रीकांत

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कृष्णाचारी श्रीकांत ने कहा है आईपीएल के इस सत्र में हार्दिक पंड्या की जगह पर सूर्यकुमार यादव को मुम्बई इंडियंस का कप्तान बनाया जाना चाहिये। पंड्या की कप्तानी में पिछले सत्र में टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। ऐसे में कई दिग्गजों का मानना है कि इस बार किसी और को ये जिम्मेदारी दी जानी चाहिये। मुंबई इंडियंस की टीम को इस सत्र में अपना पहला मुकाबला 29 मार्च को कोलकाता नाइटराइडर्स से खेलना है।

मुबई ने साल 2024 सत्र में रोहित शर्मा को हटाकर पंड्या को कप्तान बनाया था, तभी से इस फैसले का विराट होता आया है। इसके पीछे कारण ये रहा कि लीग में मुम्बई सबसे नीचे रही। इसके बाद हार्दिक की कप्तानी पर सवाल उठे। पिछले सत्र में टीम प्लेऑफ तक पहुंची पर खिताब नहीं जीत पायी, इसके बाद से ही पंड्या लोगों के निशाने पर हैं है।श्रीकांत ने कहा कि टीम में रोहित और सूर्यकुमार जैसे अनुभवी कप्तान हार्दिक के अंडर खेल रहे हैं, जो एक अजीब स्थिति है। श्रीकांत के अनुसार, एक सत्र के लिए सूर्यकुमार यादव को कप्तान बनाकर देखना चाहिए। इससे टीम की किस्मत बदल सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि पंड्या स्वयं कप्तानी छोड़कर सूर्यकुमार को कप्तान बनने का समर्थन करें तो टीम और बेहतर हो सकती है।

मिडिल ईस्ट में चल रही जंग की भारत पर चोट...

गोल्डमैन सैक्स ने जीडीपी ग्रोथ रेट अनुमान को घटाकर 5.9 फीसदी कर दिया है, जबकि युद्ध शुरू होने से पहले यह 7 फीसदी था, युद्ध-कच्चे तेल की कीमतों के चलते रेपो रेट 0.50 प्रतिशत बढ़ने के आसार

रुपया पस्त, जीडीपी सुस्त...महंगाई बढ़ेगी

नई दिल्ली। जंग शुरू होने के बाद से ही भारत में गंभीर संकट आता हुआ दिखाई दे रहा है। ग्लोबल निवेश फर्म गोल्डमैन सैक्स ने भारत को लेकर ये अनुमान लगाया है। उसने भारत की अर्थव्यवस्था की ग्रोथ में कमी का अनुमान लगाया है। साथ ही रुपये में भी गिरावट और महंगाई तेजी से बढने की चेतावनी दी है। गोल्डमैन सैक्स ने अपनी नई रिपोर्ट में कहा है कि अर्थव्यवस्था को भारतीय रुपये के गिरने के कारण जूझना पड़ रहा है, इसलिए रुपए की कमजोरी और महंगाई को काबू करने के लिए आरबीआई को ब्याज दरों में 0.50 प्रतिशत (50 बेसिस पॉइंट्स) की बढ़ोतरी करनी पड़ सकती है।

गोल्डमैन सैक्स ने ग्रोथ अनुमान में कटौती की सबसे बड़ी वजह कच्चे तेल की कीमतों और सप्लाई में आ रही दिक्कतों को बताया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से तेल की सप्लाई अप्रैल के मध्य तक बंद रह सकती है। भारत अपनी जरूरत का अधिकांश तेल आयात करता है, ऐसे में तेल महंगा होने से देश का विदेशी मुद्रा भंडार, राजकोषीय घाटा और महंगाई तीनों पर बुरा असर पड़ता है। गोल्डमैन ने मंगलवार को एक रिपोर्ट में कहा कि उसने कैलेंडर वर्ष 2026 में भारतीय अर्थव्यवस्था की ग्रोथ रेट 5.9 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, जबकि ईरान वॉर से पहले उसने 7 फीसदी का अनुमान लगाया था। वॉल स्ट्रीट के इस बैंक ने 13 मार्च को साउथ एशिया की अर्थव्यवस्था के लिए अपने ग्रोथ अनुमान को घटाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया था। गोल्डमैन के एक्सपर्ट्स द्वारा विकास अनुमान में की गई यह नई कटौती तेल की कीमतों और आपूर्ति में रुकावट में बदलाव के बाद हुई है। कच्चे तेल की ऊंची कीमतें ऊर्जा आयातक देश भारत के लिए विदेशी मुद्रा, महंगाई और फंड रिस्क एक प्रमुख कारण हैं।

अप्रैल तक जारी रहेगी रुकावट

गोल्डमैन का अनुमान है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से तेल प्रवाह का लगभग पूरी तरह से ठप होना अप्रैल के मध्य तक जारी रहेगा, जिसके बाद अगले 30 दिनों में स्थिति सामान्य हो जाएगी। ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतें मार्च में औसतन 105 डॉलर और अप्रैल में 115 डॉलर रहेंगी, जिसके बाद साल की चौथी तिमाही में गिरकर 80 डॉलर प्रति बैरल हो जाएंगी।

भारत में महंगाई

बैंक के एक्सपर्ट्स का अनुमान है कि भारत में महंगाई 2026 में बढ़कर 4.6 प्रतिशत हो जाएगी, जबकि पहले उन्होंने 3.9 प्रतिशत की महंगाई का अनुमान लगाया गया था। गोल्डमैन सैक्स का कहना है कि तेजी के बाद भी महंगाई आरबीआई 2-6 प्रतिशत के सहनशीलता दायरे के भीतर रहेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि गिरते रुपये को सहारा देने और महंगाई के सेकंड राउंड इफेक्ट को रोकने के लिए आरबीआई रेपो रेट में 0.50त्न की बढ़ोतरी कर सकता है। बाजार के जानकारों का तो यहां तक मानना है कि आने वाले एक साल में 0.25-0.25 प्रतिशत की 3 से 4 बढ़ोतरी (कुल 0.75 प्रतिशत से 1 प्रतिशत) देखने को मिल सकती है।

रुपये में गिरावट

ग्लोबल बैंक ने कहा कि आरबीआई रुपये के गिरावट को रोकने के लिए ब्याज दरों में 50 बेसिस पॉइंट की बढ़ोतरी करेगा। गोल्डमैन ने कहा कि रुपये में पिछले साल 4.7 प्रतिशत की गिरावट के बाद, 2026 में अब तक अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 4 प्रतिशत की गिरावट आई है। बैंक ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि भारत का चालू खाता घाटा 2026 में जीडीपी के 2 प्रतिशत तक बढ़ सकता है। अक्टूबर-दिसंबर 2025 में भारत का चालू खाता घाटा जीडीपी का 1.3 प्रतिशत था।

शांति के लिए संवाद जरूरी -पीएम मोदी

भावना सिंघल

नई दिल्ली, 24 मार्च 2026 । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को राज्यसभा को संबोधित किया। इस दौरान पीएम ने मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध के विभिन्न तथ्यों और उससे निपटने की भारत की रणनीति के बारे में सदन को अवगत कराते हुए अपनी बात कही। उन्होंने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण देश के सामने आ रही चुनौतियों की जानकारी देते हुए सदन को अवगत कराया। पीएम ने अपने संबोधन में खाड़ी देशों से आर्थिक और व्यापारिक चुनौतियों के अलावा वहां बसे भारतीयों पर होने वाले इसके प्रभाव की जानकारी देश को दी।

पीएम मोदी ने कहा, इस संघर्ष ने भारत के लिए अप्रत्याशित चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। उन्होंने कहा, इस युद्ध से व्यापार के रास्ते प्रभावित हो रहे हैं। गैस, फर्टिलाइजर जैसी जरूरी चीजों की सप्लाई प्रभावित हो रही हैं। खाड़ी देशों में एक करोड़ से ज्यादा भारतीय लोग रहते हैं, उनकी सुरक्षा भी भारत के लिए बहुत बड़ी चिंता है।

प्रधानमंत्री ने कहा, %भारत ईरान, अमेरिका और इजरायल के साथ संपर्क में हैं। हमने हॉर्मुज स्ट्रेट खोले जाने पर भी उनसे बात की है। कमर्शियल जहाजों पर हमला और होर्मुज स्ट्रेट में रुकावट अस्वीकार्य है। साथ ही भारत ने एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमले का विरोध किया है। होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते कच्चे तेल, गैस फर्टिलाइजर का बड़ी खेप भारत आती है। युद्ध के बाद से होर्मुज से जहाजों की आवा-जाही चिंता का विषय है। पीएम ने सदन को भरोसा दिलाते हुए कहा कि सरकार ने कूटनीति के माध्यम से समाधान निकालने का प्रयास किया जिससे गैस और तेल की सप्लाई भारत आ सके। बीते दिनों में कई देशों से कच्चा तेल और एलपीजी से भरे जहाज भारत आए। इस दिशा में आने वाले दिनों में प्रयास जारी रहेंगे।

उन्होंने कहा, %भारत ने इस समस्या के समाधान के लिए संवाद का ही रास्ता सुझाया है। युद्ध में किसी के भी जीवन में संकट मानवता के हक में नहीं है। भारत का सतत प्रयास सभी पक्षों को शांति पूर्ण समाधान के लिए प्रोत्साहित करने का है। उन्होंने कहा, %युद्ध शुरू होने के बाद से 3.75 लाख भारतीय सुरक्षित भारत वापस आ चुके हैं। ईरान से भी 1 हजार से ज्यादा भारतीय सुरक्षित वापस लौटे हैं, जिनमें 700 से ज्यादा मेडिकल की पढ़ाई करने वाले छात्र हैं। बीते कुछ दिनों में दुनिया के अनेक देशों से कच्चा तेल और एलपीजी से भरे जहाज भारत आए हैं।

उन्होंने कहा, युद्ध की शुरुआत के बाद से उन्होंने पश्चिमी एशिया के अधिकांश देशों के साथ दो दौर की बात की है। होर्मुज स्ट्रेट खोले जाने पर बात की है। पीएम ने यह भी कहा, भारत का सतत प्रयास सभी पक्षों को जल्द से जल्द शांतिपूर्ण समाधान के लिए प्रोत्साहित करने का है। संकट की स्थिति में भारतीयों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है।

प्रधानमंत्री ने कहा, सरकार इस संकट के समय में पूरी संवेदनशीलता से काम कर रही है। सभी ने भारतीयों की सुरक्षा का भरोसा दिलाया है। हालांकि कुछ हमलों के चलते कुछ भारतीयों की मौत हुई है और कुछ घायल हुए हैं। घायलों का इलाज कराया जा रहा है।

उन्होंने बताया, %भारत के पास क्रूड ऑयल के पर्याप्त स्टोरेज है और निरंतर सप्लाई की व्यवस्था है। भारत इस पर भी काम कर रहा है कि ईंधन के किसी स्रोत पर ज्यादा निर्भरता न रहे। घरेलू उपयोग के लिए सरकार एलपीजी के अलावा पीएनजी कनेक्शन पर भी काम कर रही है। बीते दिनों में इसे और भी तेज किया गया है। एलपीजी के घरेलू उत्पादन को भी बढ़ाने का प्रयास जारी है। उन्होंने कहा कि यही एक मात्र विकल्प यही है कि हम ज्यादा से ज्यादा आत्मनिर्भर हों। भारत का 90 फीसदी से ज्यादा ट्रेड विदेशी जहाजों के जरिए होता है। इसलिए सरकार ने मेड इन इंडिया जहाज बनाने के लिए करीब 70 हजार करोड़ रुपये का अभियान शुरू किया है।

प्रधानमंत्री ने किसानों को आश्वासन देते हुए कहा कि किसानों को आश्वस्त करूंगा कि सरकार हर चुनौती के समाधान के लिए उनके साथ खड़ी है। उन्होंने कहा, वर्तमान संकट ने पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को हिला दिया है। भारत पर इसका कम से कम दुष्प्रभाव हो, इसके लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि कल (23 मार्च) को ही सात नए एंपावर्ड ग्रुप का गठन किया गया है। यह ग्रुप सप्लाई चेन, महंगाई, पेट्रोल, गैस जैसे विषयों पर त्वरित और दूरगामी कार्रवाई करने का काम करेगा। सरकार कोशिश कर रही है कि आने वाले बुआई के सीजन में खाद की दिक्कत न हो।

बालाघाट ने एकतरफा जीते मैच, भोपाल टीम 4 गोंल से जीती

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नक्सली हमले में शहीद हुए सब इंस्पेक्टर स्वर्गीय आशीष शर्मा की याद में नगर के मुलना स्टेडियम में 16 मार्च से आयोजित अमर शहीद श्रद्धांजलि ट्रॉफी फुटबॉल प्रतियोगिता में 24 मार्च मंगलवार को 2 अहम मुकाबले खेले गए।मध्य प्रदेश फुटबॉल एंव जिला फुटबॉल संघ बालाघाट द्वारा आयोजित इस अंडर 15 यूथ क्लब लीग फुटबाल बॉयज प्रतियोगिता में मंगलवार का पहला मैच द डायमंड रॉक एकेडमी बालाघाट बनाम साँची वारियर्स के मध्य खेला गया,जो काफी रोमांचक रहा। इस मैच बालाघाट के खिलाड़ियों ने साँची के खिलाफ एक तरफा 16 गोल-दागकर यह मैच अपने नाम कर लिया, तो वहीं साँची की टीम बालाघाट के खिलाफ एक भी गोल नहीं दाग सकी। जिसके चलते साँची वारियर्स का खाता तक नही खुला और साँची को हार का सामना करना पड़ा। वहीं प्रतियोगिता का दूसरा मैच लायंस एफसी बनाम मदन महाराज भोपाल के मध्य खेला गया।इस मैच में भी लायंस एफसी के खिलाड़ी अपने पैरों का जादू दिखाने में कामयाब नहीं हो सके, जो प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाफ महज 01 गोल हीं दाग सके, वही भोपाल के खिलाड़ियों ने लगातार 04 गोल दागकर 4-1 से यह मैच अपने नाम कर लिया।इस दौरान पुष्पा, सपना, प्रिया सिलावट, मुकेश, गौरव रिफ्रीज इंचार्ज विनोद शर्मा एवम मैच कमिसनर चंद्रा मालिक निर्णायक की भूमिका में नजर आए।

बालाघाट ने 06 तो भोपाल ने 04 गोल से जीता मैच

फुटबॉल संघ सचिव सुनील यादव द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार प्रतियोगिता में 24 मार्च को दिन का पहला मैच द डायमंड रॉक एकेडमी बालाघाट बनाम सांची वॉरियर्स के साथ खेला गया।जहा मैच शुरू होते ही बालाघाट के खिलाड़ी

फार्म में नजर आए जिन्होंने सुरुवात से ही मैच में पकड़ बनानी शुरू कर दी।जिन्होंने खेल के,20 मिनट में पहला गोल दागकर टीम को बढ़त दिलाई तो वही खेल के 31 मिनट में दूसरा गोल किया।अभी कुछ पल गुजरे ही थे की द डायमंड रॉक एकेडमी बालाघाट के खिलाड़ियों ने अपने पैरों का जादू दिखाते हुए, खेल के 47 मिनट में तीसरा गोल किया। मध्यांतर तक डायमंड रॉक एकेडमी 3 गोल से आगे रही।उधर मध्यांतर के पश्चात् एक बार फिर से द डायमंड रॉक एकेडमी बालाघाट के खुलाडियो ने अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 68 मिनट में चौथा गोल किया।तो वही खेल के 85 मिनट में 5 वा गोल कर मैच अपने पक्ष में कर लिया।वही खेल के 88 मिनट में द डायमंड रॉक ने 6 वा गोल दागकर, सांची वॉरियर्स को पराजित कर दिया।उधर साँची के खिलाड़ी बचाव करते रहे, अंत में द डायमंड रॉक एकेडमी ने 6 गोल से एकतरफा मैच अपने नाम कर लिया। वही प्रतियोगिता में जिनका दूसरा व अंतिम मैच लायंस एफसी बनाम मदन महराज भोपाल के साथ खेला गया।जहा खेल के 7 मिनट में लायंस ने पहला गोल कर मैच में बढ़त बनाई लेकिन इसके जवाब में खेल के 40 मिनट में मदन महराज ने 1गोल दागकर स्कोर 1-1 कर दिया।उधर मध्यांतर तक दोनो टीम 1-1 गोल से बराबर पर रही।लेकिन मध्यांतर के पश्चात् मदन महराज भोपाल ने रणनीति बदल कर खेलना शुरू किया,जिन्होंने खेल के 47 मिनट में दूसरा गोल किया,और खेल के 52 मिनट में मदन महाराज तीसरा गोल दागकर मैच अपने पक्ष में कर लिया।जहा खेल के 60 मिनट में मदन महाराज ने चौथा गोल किया। लेकिन लायंस एफसी इसके जवाब में गोंल नहीं कर सकी , जिन्हें एक गोंल से ही संतुष्ट होना पड़ा।इस तरह दिन का यह अंतिम मैच मदन महाराज भोपाल ने 4-1 से यह मैच जीत लिया।

परसवाड़ा में जब्त किया गया 6.50 क्विंटल खाद्यान्न

उचित मूल्य दुकान के खाद्यान्न की अवैध खरीदी का मामला

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। विकासखंड अंतर्गत ग्राम परसवाड़ा में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (क्क्षस) के खाद्यान्न की अवैध खरीदी का मामला सामने आया है। किरनापुर के कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी मिलन तिवारी ने 24 मार्च 2026 को मिली गुप्त सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई कर 6.50 क्विंटल खाद्यान्न जब्त किया है।उचित मूल्य दुकान के हितग्राहियों से किसी अन्य व्यक्ति द्वारा खाद्यान्न खरीदी किये जाने की सूचना प्राप्त होने पर कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी मिलन तिवारी द्वारा ग्राम परसवाड़ा निवासी राजेश पांचे के घर का निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान उसके घर में 4.50 क्विंटल चावल एवं 2 क्विंटल गेहूं पाया गया, जो कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत वितरित किए जाने वाला खाद्यान्न था। मौके पर ही उक्त कुल 6.50 क्विंटल खाद्यान्न को जब्त कर उचित मूल्य दुकान परसवाड़ा की विक्रेता श्रीमती सीमा मरठे की सुपुर्दगी में दे दिया गया।

प्रशासन द्वारा इस मामले में प्रकरण दर्ज कर लिया गया है और आगे की कार्रवाई के लिए प्रकरण कलेक्टर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के खाद्यान्न के दुरुपयोग या अवैध व्यापार में संलिप्त पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दीवार पर लिखा है, वाहन पार्क करना मना है, फिर भी वाहन हो रहे पार्क

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला अस्पताल में पार्किंग व्यवस्था होने के बावजूद भी वार्ड की दीवार से लेकर गैलरी तक वाहन खड़े किए जा रहे हैं ।जहां मरीजों के साथ साथ अस्पताल के कर्मचारी भी अपने वाहनों को पार्क करने से पीछे नहीं हट रहे हैं। जिसके चलते मरीजों को उपचार के लिए जिला अस्पताल लाने वाले उनके परिजनों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आलम कुछ इस तरह है कि अस्पताल के भीतर व वार्ड परिसर की गैलरी में तक चिकित्सक और स्टाफ कर्मचारी के साथ-साथ आम लोग भी जहां जगह मिलती है वही अपने वाहन पार्क कर रहे हैं। जिसपर अस्पताल प्रबंधन का कोई ध्यान नहीं है।

ट्रामा सेंटर के भी बुरे हाल

जिला अस्पताल के भीतर की जा रही नियम विरुद्ध पार्किंग का यह नजारा केवल जिला अस्पताल तक ही सीमित नहीं है। बल्कि ऐसा ही नजारा जिला अस्पताल के सामने ट्रामा सेंटर में भी देखा जा रहा है। जहां पार्किंग की जगह प्रवेश द्वारा के पास आड़े तिरछे वाहन खड़े करने के चलते सरकारी एंबुलेंस चालको को भी ट्रामा सेंटर में मरीजों को लेकर आने और मरीजों को उनके घर तक पहुंचाने में भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है ।आपको बताएं कि जिला अस्पताल और ट्रॉमा सेंटर में जगह-जगह दीवार पर लिखा गया है कि यहां वाहन पार्क करना मना है, वाहन पार्क करने पर 200से 500रू का जुर्माना वसूला जाएगा। लेकिन जहां जहां यह सूचना लगी हुई है वह वहां वाहनों की लंबी कतारें देखी जा रही हैं और लोग जानबूझकर उसी जगह पर वाहन पार्क कर रहे हैं जिसमें चिकित्सक स्टाफ और उनके कर्मचारी भी शामिल है ।

वाहन लेकर अस्पताल के अंदर बरांदे तक पहुच जाते हैं कर्मचारी

यहां अक्सर देखने मे आ रहा है की अस्पताल के नर्सिंग कर्मी फर्राटे से अपनी बाइक को चलाकर गैलरी से होते हुए सीधे अंदर पहुंच जाते हैं और अपने वाहनों को डयूटी स्थल के आस-पास ही खड़ा कर देते हैं। जिनके द्वारा पार्किंग का इस्तेमाल नहीं करने व अस्पताल के अंदर वार्ड परिसर व बरांदे तक वाहन ले जाने से वाहन के साथ साथ गंदगी भी वार्डो तक पहुंच जाती है।जिससे संक्रमण का खतरा बना हुआ है। ऐसा नहीं है कि अस्पताल के आलाधिकारियों को इसकी जानकारी नहीं है, लेकिन वह भी कोई कार्रवाई नहीं कर पाते हैं।अस्पताल परिसर में वाहन खड़ा करने के लिए पार्किंग स्थल भी है लेकिन अस्पताल में काम करने वाले कर्मचारियों, चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ ने अपना व्यक्तिगत पार्किंग स्थल अलग से बना रखा है और वे पार्किंग एरिया में अपने दो पहिया वाहनों को खड़ा करना मुनासिब नहीं समझते हैं

मरीज को स्ट्रेचर में पहुंचाने में भी होती है दिक्कत

बताया जा रहा है की तेज रफ्तार में हॉर्न बजाते हुए जब बाइक दौड़ते हुए अंदर तक लाई जाती हैं तो मरीजों को परेशानी होती है और ध्वनि प्रदूषण के अलावा संक्रमण भी वाहनों के साथ मरीजों तक पहुंचता है। कई बार इन वाहनों की वजह से स्थिति इतनी विकट हो जाती है कि आपातकाल में आने वाले मरीज को स्ट्रेचर से वार्ड तक पहुंचाने में भी दिक्कत होती है।बाइक खड़ी होने से स्ट्रेचर को ले जाने से पहले वाहनों को हटाना भी मुनासिफ नहीं होता है।अस्पताल के कर्मचारी व डॉक्टर अस्पताल के अंदर ही अपने वाहनों को खड़ा करने में अपनी शान समझते हैं

जहा लिखी है जुर्माने कि चेतावनी, वही पर वाहनों की दिखी लंबी कतारें

जिला अस्पताल और ट्रॉमा सेंटर में अवैध तौर पर की जा रही वाहन पार्किंग का आलम कुछ इस तरह है कि पार्किंग स्टैंड पर कोई भी अपने वाहन खड़ा करने से परहेज कर रहा है और दोनों जगह अव्यवस्थित रूप से वाहनों की पार्किंग की जा रही है।बदहाली का आलम कुछ इस तरह है की जिला अस्पताल की पार्किंग व्यवस्था के भी बुरे हाल है। जहां जिला अस्पताल में इंटर गेट से लेकर पर्ची काउंटर और दवाई वितरण केंद्र तक वाहनों की लंबी कतारें देखी जा रही है ।हैरत की बात तो यह है कि इन जगहों पर दीवारों में जगह-जगह नो पार्किंग लिखा हुआ है वहीं वाहन पार्क करने पर जुर्माना वसूलने की चेतावनी दी गई है। लेकिन इस चेतावनी की परवाह किसी को नहीं है और जो जहां मर्जी आए वह अपने वाहनों की पार्किंग कर रहा है। हैरत की बात तो यहां है कि दीवारों पर जुर्माने की राशि लिखकर चेतावनी तो जारी कर दी गई है, लेकिन वाहन पार्क होने पर भी आज तक 1रु भी किसी से गलत वाहन पार्क करने के नाम पर जुर्माना नही वसूला गया है।

अस्पताल के बाहर पार्किंग में,टीन शेड लग जाए तो समस्या खत्म हो जाएगी-

जिला अस्पताल में पार्किंग व्यवस्था संभालने वाले एक कर्मचारी ने नाम और फोटो न छापने की शर्त पर औपचारिक चर्चा के दौरान बताया कि यहां पर केवल मरीज के परिजन ही नहीं बल्कि चिकित्सक स्टाफ की भी गाड़ियां रखी रहती हैं। मना करने पर भी वह नहीं मानते।अस्पताल गेट के बाहर मरीजों के परिजनों के वाहन रखने की व्यवस्था है। लेकिन वहां टीन शेड नहीं है।धूप होने के चलते लोग व अन्य परिजन वहां अपने वाहन पार्क नहीं करते ।पर्ची काउंटर के सामने दीवार से लगे हुए वृक्ष हैं जहां छांव होने के चलते चिकित्सक स्टाफ सहित मरीज के परिजनों द्वारा यही वाहन पार्क किए जाते हैं। जबकि स्टाफ के वाहन रखने के लिए अलग से पार्किंग की व्यवस्था बनाई गई है लेकिन वे भी यहीं आकर गाड़ी पार्क कर देते हैं। यदि अस्पताल गेट के बाहर पार्किंग स्थल पर टीन शेड की व्यवस्था हो जाए तो वहीं पर लोग छांव में अपने वाहन पार्क कर देंगे और समस्या समाप्त हो जाएगी।

सभी ने अपनी अपनी जगह वाहन पार्क करना चाहिए- जैन

जिला अस्पताल सिविल सर्जन डॉ निलय जैन ने बताया कि जिला अस्पताल में समय-समय पर प्रशासनिक अधिकारियों की टीम आते रहती है, वही बाहर से टीम के दौरे होते रहते हैं जिसको लेकर पार्किंग की उचित व्यवस्था बनाई गई है। ताकि सभी लोग अपनी जगह पर वाहन पार्क करें। लेकिन लोग इधर-उधर वाहन पार्क कर व्यवस्था बिगाड़ रहे हैं पार्किंग स्टैंड वाला यदि वाहन पार्क करने के लिए मना करता है तो उसी से उलझ जाते हैं। हमारी सभी से अपील है कि सभी लोग अपनी-अपनी जगह पर वाहन पार्क करें, नर्सिंग, चिकित्सक स्टाफ के लिए अलग व्यवस्था है आम लोगों के लिए अलग व्यवस्था है। सभी के लिए अलग-अलग पार्किंग स्थल बनाए गए हैं सभी ने अपने-अपने पार्किंग स्थल का उपयोग करना चाहिए। उन्होंने बताया कि जुर्माने की राशि दीवारों पर जरूर लिखी गई है लेकिन अभी तक किसी से कोई जुर्माना नहीं वसूला गया है।क्यो की लोग बहस करने लगते है। उन्होंने बताया इस व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए सभी ने सहयोग प्रदान करना चाहिए तब कहीं जाकर व्यवस्था में सुधार आ सकता है।

किरनापुर तहसील के बेनेगांव पहाड़ी में स्थित गहरी एवं खुली गिट्टी खदान से ग्रामीणों में दहशत

पद्मेश न्यूज। किरनापुर । तहसील के अंतर्गत आने वाले बेनेगाँव पहाड़ी में स्थित गिट्टी खदान इस समय ग्रामीणों के लिए जी का जंजाल बनी हुई है। पहाड़ी पर संचालित इस खदान की गहराई इतनी ज़्यादा हो चुकी है कि यहाँ कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। स्थानीय ग्रामीणों ने सुरक्षा मानकों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग की है।प्राप्त जानकारी अनुसार रजेगांव बालाघाट नेशनल हाईवे सड़क निर्माण कंस्ट्रक्शन कंपनी केसीपीएल के द्वारा एन एच ए आई रजेगांव बालाघाट सड़क निर्माण हेतु किरनापुर तहसील के बेनेगांव पहाड़ी में गिट्टी खदान एवं पर स्टोन क्रशर संचालित किया गया था किंतु सड़क निर्माण कार्य खत्म होने के पश्चात् कालूवाला कंस्ट्रक्शन कंपनी ने जमकर गिट्टी का खनन किया और सड़क निर्माण कार्य करवाया । अत्यधिक गहरी खदान बनाकर बिना सुरक्षा के खुली छोड़ दिया अपनी क्रेसर मशीन भी लेकर चला गया।

लोगों के लिए मौत का गढ़्ढा बनाकर छोड़ दिया है

जान का खतरा- खदान की गहराई बढ़ने से आस-पास के क्षेत्रों में भू-धंसाव और खुले मे उसी हालत में छोड़ दी गई खदान में मवेशियों सहित आम जनमानस के साथ हादसा हो जाने पर जान का खतरा बने रहने की आशंका बनी रहती है और अचानक गिरने का डर बना रहता है।

सुरक्षा घेरे का अभाव ---

ग्रामीणों का कहना है कि खदान के चारों ओर कोई पुख्ता बाउंड्री या चेतावनी बोर्ड नहीं लगाया गया है, जिससे मवेशियों और बच्चों के गिरने का खतरा हर वक्त बना रहता है।

नियमों की अनदेखी- आरोप है कि तय सीमा से अधिक गहराई तक उत्खनन किया गया है जो पर्यावरण और सुरक्षा दोनों के लिहाज़ से खतरनाक है।

खदान इतनी गहरी हो गई है कि नीचे देखने पर भी डर लगता है। हमारे मवेशी अक्सर इधर-उधर भटक जाते हैं, और हमें डर है कि कहीं कोई बच्चा खेलते हुए इस गहरे गड्ढे में न गिर जाए।

स्थानीय ग्रामीणों ने प्रशासन से गुहार लगाते हुए जिला प्रशासन और खनिज विभाग से मांग की है कि इस खदान का तत्काल निरीक्षण किया जाए और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाए। यदि समय रहते ध्यान नहीं दिया गया, तो यहाँ किसी भी दिन कोई अप्रिय घटना घट सकती है।

इनका कहना है -

गिरजा बाई ने बताया कि बेनेगांव पहाड़ी से कुछ दूरी पर मेरा ग्राम भुतहाटोला है मैं प्रतिदिन अपनी 10 बकरियों को लेकर यहां चराने आती है यह खदान बहुत ज्यादा गहरी है मेरी बकरियां खदान के आजू-बाजू चरती है किंतु ऊपर से अगर बकरी खदान में गिरेगी तो वह बच नहीं पाएगी क्या खदान का मालिक मेरी बकरीयो की जान की रक्षा करेगा। वह तो मौत का गड्ढा बना कर चला गया है। और उन्होंने यह भी बताया कि जब यहां काम चलता था तो खदान के नीचे देखने पर डंपर गाड़ियां मशीन छोटी-छोटी दिखाई देती थी। खदान के आजू-बाजू किसी प्रकार की सुरक्षा नहीं है।

बालाघाट
बुधवार 25 मार्च 2026
दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

12

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

मोटरसाइकिल गाय से टकराई- एक युवक घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लालबर्रा रोड ग्राम कनकी के पास मोटरसाइकिल गाय से टकरा गई इस दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार युवक घायल हो गया। घायल युवक शिवम पिता श्यामसिंह भलावी 27 वर्ष ग्राम खैरा पलारी थाना के वलारी जिला सिवनी निवासी है। जिसे जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शिवम भलावी अपने परिवार के साथ खेती किसानी करता है। 23 मार्च को शिवम भलावी मोटरसाइकिल में अपने किसी काम से बालाघाट आया था और बालाघाट से अपना काम निपटाना के बाद रात्रि साल 8:00 बजे शिवम भलावी मोटरसाइकिल से अपने घर खैरापलारी जाने निकला था। लालबर्रा रोड ग्राम कनकी के पास मोटरसाइकिल अचानक गाय से टकरा गई। इस दुर्घटना में शिवम भलावी मोटरसाइकिल सहित गिरने से घायल हो गया। घटना के दौरान मौके पर भीड़ लग गई। घायल शिवम भलावी को 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया है।

अवैध प्लाटिंग कर भूखंड विक्रय का मामला

वारासिवनी एसडीएम ने 16 कालोनाईजर को कारण बताओ नोटिस जारी किया

05 कॉलोनाईजर पर 50-50 हजार रुपए एवं 11 कालोनाईजर पर 01-01 लाख रुपए का लगाया जुर्माना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

वारासिवनी एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल ने नियम विरूद्ध अवैध प्लाटिंग कर भूखंड विक्रय किये जाने के मामले में 16 कालोनाईजर को कारण बताओ नोटिस जारी किया है कि क्यों न उनके द्वारा तैयार की जा रही कालोनी का प्रबंधन मध्यप्रदेश पंचायत राज्य एवं ग्राम स्वराज अधिनियम की धारा 61 एवं मध्यप्रदेश ग्राम पंचायत नियम 2014 के अंतर्गत सक्षम प्राधिकारी द्वारा ले लिया जाए। इन कालोनाईजर्स को 10 दिनों के भीतर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने कहा गया है।

एसडीएम श्री जायसवाल ने इनमें से 05 कालोनाईजर पर 50-50 हजार रुपए एवं 11 कालोनाईजर पर 01-01 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है और 10 दिनों के भीतर यह राशि चालान के माध्यम से जमा कर एसडीएम कोर्ट में चालान की प्रति जमा करने कहा गया है। इन कालोनाईजर द्वारा छोटे-छोटे भूखंड विक्रय किये जाने पर तत्काल रोक लगायी गई है। तहसीलदार वारासिवनी एवं लालबर्रा को निर्देशित किया गया है कि इन कालोनाईजर्स द्वारा ग्राम वारा, गर्रा एवं कनकी में भूखंड विक्रय की जानकारी प्राप्ते होने पर तत्काल एसडीएम कोर्ट को सूचित करें।

अवैध रूप से प्लाटिंग कर भूखंड विक्रय करने के मामले में कालोनाईजर बालाघाट निवासी सौरभ पिता पारसमल कांकरिया, वारासिवनी निवासी सौरभ सुमन पिता ढालसिंह पटले, सन्देश मिश्रा वल्द महेश्वर प्रसाद मिश्रा, आनंद सोनी वल्द इंद्रकुमार सोनी, बालाघाट निवासी गजेंद्र पिता महेन्द्र जैन, अनिल धुँवारे पिता शंकर लाल धुवारे एवं लालबर्रा तहसील के ग्राम डोंगरिया निवासी विनोद माहुले पिता चम्हारुलाल पर 50-50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है। इन कालोनाईजर द्वारा वारासिवनी तहसील के ग्राम वारा एवं लालबर्रा तहसील के ग्राम डोंगरिया व कनकी में अवैध रूप से प्लाटिंग कर भूखंड विक्रय किये जा रहे थे।

इसी प्रकार कालोनाईजर बालाघाट निवासी अजय लुनिया पिता घिसूलाल जैन, आनंद मॉडल पिता सुभाषचंद, नोहर सिंह पिता टुंडीलाल, सुनील तिवारी पिता महेशप्रसाद तिवारी, सिद्धार्थ पिता संतोष जैसवाल, लालबर्रा तहसील के ग्राम गर्रा निवासी श्री ओमकार व करनलाल, बालाघाट निवासी महेन्द्र पिता कपूरचंद कोठारी,जय कुमार असाटी पिता राजकुमार असाटी, लालबर्रा निवासी कमल पटले पिता मंगलसिंह पटले, बालाघाट निवासी हरदीप गिल पिता गुरवचन सिंह, मनीष पिता सत्यनारायण सोनी, लालबर्रा निवासी विजय पिता शम्भूलाल, कमल पिता मंगलसिंह पटले एवं बालाघाट निवासी एसराज पिता चम्पालाल बरिया, राकेश पिता उमेशचंद व लालबर्रा निवासी शिवप्रसाद पिता लिखिराम पर अवैध रूप से प्लाटिंग कर भूखंड विक्रय करने के कारण 01-01 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। इन कालोनाईजर द्वारा लालबर्रा तहसील के ग्राम कनकी, डोंगरिया, गर्रा में अवैध प्लाटिंग कर भूखंड विक्रय किया जा रहा था।

इन सभी कालोनाईजर्स के भूखंड विक्रय पर एसडीएम श्री कार्तिकेय जायसवाल द्वारा रोक लगा दी गई है। इसके साथ ही इन कालोनाईजर्स को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है कि क्यों न उनके द्वारा तैयार की जा रही कालोनी का प्रबंधन सक्षम प्राधिकारी द्वारा ले लिया जाए। इन कालोनाईजर्स को 10 दिनों के भीतर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने कहा गया है।

भरवेली में युवक पर प्राणघातक हमले का मामला

दो सगे भाई को 3-3 वर्ष की सश्रम कारावास और 10-10 हजार रुपये अर्थदंड, दो आरोपी बरी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर समीप भरवेली में तीन वर्ष पूर्व हुए प्राणघातक हमले के मामले में सत्र न्यायालय ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। विद्वान सत्र न्यायाधीश प्रागेश कुमार प्राण की अदालत ने दो सगे भाई अंकित कुम्बलवार 21 वर्ष और जीत उर्फ विश्वजीत कुम्बलवार 25 वर्ष को दोषी करार देते हुए प्रत्येक को तीन-तीन वर्ष के सश्रम कारावास एवं 10-10 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किये है।वहीं इसी मामले में आरोपी पिंटू उर्फ विजय कुम्बलवार 28 वर्ष और धन्नू उर्फ धनलाल सोनी 55 वर्ष को साक्ष्यों के अभाव में दोषमुक्त कर दिया गया। सभी आरोपी वार्ड क्रमांक 17 भरवेली के निवासी हैं।

घटना का विवरण

यह घटना 23 जुलाई 2023 की शाम करीब 7:30 बजे की है। भरवेली निवासी लव ढेकवार अपनी मां लक्ष्मी ढेकवार के साथ घर पर मौजूद था। उसी दौरान चिंटू कुम्बलवार उसे घर से बाहर बुलाकर ले गया और पुरानी रंजिश को लेकर गाली-गलौज करने लगा। आवाज सुनकर जब उसकी मां बाहर आई, तो देखा कि धनु कुम्बलवार और चिंटू कुम्बलवार लव ढेकवार के साथ मारपीट कर रहे थे। तभी अंकित कुम्बलवार चाकू और जीत कुम्बलवार कुल्हाड़ी लेकर पहुंचे और दोनों ने लव पर प्राणघातक हमला कर दिया।मां द्वारा बीच-बचाव करने पर आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी दी और मौके से फरार हो गए। हमले में लव ढेकवार गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया था।

कानूनी कार्यवाही

घटना के बाद आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 294, 323, 324, 506, 34 के तहत मामला दर्ज किया गया।जिसे बाद में धारा 326 भादवि का इजाफा किया गया। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर विवेचना अनुसंधान उपरांत आरोप पत्र मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में प्रस्तुत किया गया था। जहां से मामला सत्र न्यायालय को सौंपा गया था।करीब तीन वर्षों तक चले इस प्रकरण में अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों और परिस्थितियों के आधार पर निर्णय सुनाया।

अदालत का फैसला

विद्वान अदालत ने अंकित कुम्बलवार और जीत उर्फ विश्वजीत कुम्बलवार को धारा 326/34 भादवि के तहत दोषी पाते हुए तीन-तीन वर्ष की सश्रम कारावास की सजा सुनाई, साथ ही प्रत्येक पर 10-10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया।इस मामले में शासन की ओर से लोक अभियोजक एम.एम. द्विवेदी ने पैरवी की।

भव्या पैथोलॉजी लैब बिरसा के संचालक पर एफआईआर दर्ज करने के निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलने ने बिरसा के खण्ड चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया है कि अनाधिकृत रूप से नियम विरूद्ध पैथोलाजी लैब का संचालन करने के कारण भव्या पैथोलॉजी लैब एवं कनेक्शन सेंटर बिरसा के संचालक ढालसिंह चौधरी के विरूद्ध थाने में एफआईआर दर्ज कराये और उसकी प्रति जिला कार्यालय को उपलब्ध कराये।

उल्लेखनीय है कि जिला कुष्ठ अधिकारी डॉ. ऋत्विक पटेल के नेतृत्व में गठित दल द्वारा 08 मार्च 2026 को आकस्मिक निरीक्षण के दौरान ढालसिंह चौधरी द्वारा अनाधिकृत रूप से नियम विरूद्ध पैथोलॉजी लैब का संचालन किया जाना पाया गया था।

मायल लिमिटेड भरवेली को कनकी में स्वीकृत हैं तीन खदान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश शासन के खनिज साधन विभाग, भोपाल द्वारा जारी विभिन्न आदेशों के तहत मॉयल लिमिटेड (MOIL) भरवेली को स्वीकृत खदानों के पुनर्भरण के लिए शासन स्तर से रेत खदान स्वीकृत की गई है। मायल लिमिटेड भरवेली को ग्राम कनकी में तीन खदानें स्वीकृत हैं, जिनसे रेत का खनन कर उपयोग किया जा रहा है।

उप संचालक खनिज सुश्री फरहत जहां ने बताया कि विभाग के आदेश क्रमांक 19 फरवरी 1997, 13 अक्टूबर 2000 एवं 26 नवंबर 2016 के तहत ग्राम कनकी, तहसील लालबर्रा स्थित विभिन्न खदान क्षेत्रों में मॉयल लिमिटेड को खनन पट्टे स्वीकृत किए गए हैं। इनमें खसरा नंबर 727, रकबा 5.503 हेक्टेयर क्षेत्र के लिए 01 अप्रैल 1997 से 31 मार्च 2047 तक, 10.00 हेक्टेयर क्षेत्र के लिए 20 फरवरी 2001 से 19 फरवरी 2051 तक तथा 4.413 हेक्टेयर क्षेत्र के लिए 16 फरवरी 2017 से 15 फरवरी 2027 तक की अवधि निर्धारित की गई है। उक्त तीनों खदानों में संचालन हेतु आवश्यक सभी वैधानिक अनुमतियां, जैसे खनन योजना, पर्यावरण स्वीकृति तथा जल एवं वायु संबंधी सम्मतियां मायल को प्राप्त हैं।

खनिज विभाग ने स्पष्ट किया है कि खनन योजना एवं पर्यावरण स्वीकृति में उल्लेखित सभी शर्तों का पालन करना मॉयल लिमिटेड की जिम्मेदारी होगी। यदि किसी प्रकार का उल्लंघन पाया जाता है, तो इसके लिए पूर्ण रूप से कंपनी जिम्मेदार होगी और उसके विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि खनन कार्यों की निगरानी निरंतर की जाएगी, ताकि पर्यावरण एवं नियमों का पालन सुनिश्चित किया जा सके।

एक महिला सहित दो लोगों को सांप ने काटा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। एक महिला सहित दो लोगों को सांप ने काट दिया सांप के काटने से पीड़ित दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है।जिनमे बूंदाबाई पति लोटन ठाकरे 55 वर्ष तेंदु टोला करियार्दड थाना हट्टा और विजय पिता सुरेंद्र बिरिया 40 वर्ष मटन मार्केट बैहर रोड बालाघाट निवासी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बूंदाबाई मजदूरी करती है। 23 मार्च को बूंदाबाई मजदूरी करने के लिए सतपुरा टाइल्स गई थी और सतपुड़ा टाइल्स में काम करने के बाद शाम को अपने घर जा रही थी। तभी सतपुड़ा टाइल्स के बाहर कोई सांप उसके पैर में लपेट गया और काट दिया था। बूंदा बाई ने पैर को झटका मारी तब सांप अलग हुआ। बूंदाबाई को सतपुरा टाइल्स के ही एक व्यक्ति विजय ठाकरे ने मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया।

डीआईजी बंगले में सांप ने काटा

इसी प्रकार विजय बिरिया सफाई का काम करता है। 24 मार्च को सुबह 10:00 बजे विजय बिरिया डीआईजी के बंगले में सफाई करने गया था और सफाई करने के दौरान उसके दाहिने हाथ की अंगुली में किसी जहरीले सांप ने काट दिया ।जिसके बाद विजय बिरिया घर पहुंचा और परिवार वालों को बताया जिन्होंने विजय बिरिया को मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये। इस दौरान विजय बिरिया बेहोश हो चुका था।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :**9425138710**, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट